June 2026

SRMS Trust Bulletin

आराम

25वें दीक्षांत समारोह में मेधावी सम्मानित
- PAGE 04

1st यूपी स्टेट टीटी रैंकिंग में लक्ष्य ने साधा निशाना
- PAGE 22

- सेनानी श्रीराम मूर्ति जी ने ठुकरा दी स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन – PAGE 03
- एसआरएमएस में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा आरंभ – PAGE 08
- 25 पदक के साथ सीईटी आमोद 2026 में बना चैंपियन – PAGE 28
- विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर विजताओं को किया गया सम्मानित – PAGE 30
- सीईटी बरेली में हैकाथान 4.0 का सफल आयोजन, विजयी पुरस्कृत – PAGE 38
- एसआरएमएस ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी ‘एक था गुलाटी’ – PAGE 46

SHRI RAM MURTI SMARAK INSTITUTIONS

BAREILLY | LUCKNOW | UNNAO

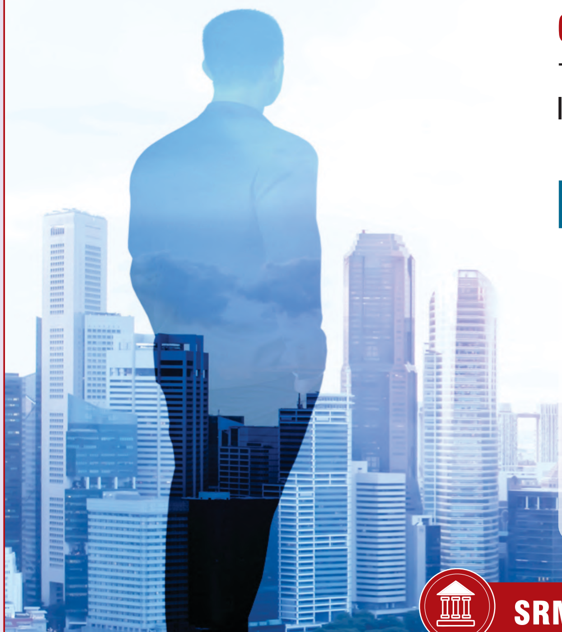

CONTRIBUTION TO INDIA'S PROGRESS

THROUGH EDUCATION, HEALTHCARE, INNOVATION & SUSTAINABILITY

COURSES OFFERED

- MBBS • MS / MD • DM / MCh.
- B.Tech. • M.Tech. • B.Pharm. M.Pharm
- BBA • MBA • BCA • MCA
- BHMCT (Hotel Management)
- Allied & Healthcare (Diploma, B.Sc., M.Sc.)
- Nursing (ANM, GNM, B.Sc., Post Basic B.Sc., M.Sc.)
- Performing, Fine Arts & Photography

SRMS INSTITUTIONS

- Shri Ram Murti Smarak College of Engineering & Technology, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak College of Engineering & Technology (Pharmacy), Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak College of Engg., Tech. & Research, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Multi Super Speciality Tertiary Care & Trauma Centre, Bareilly (U.P.)
- R R Cancer Institute & Research Centre, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Telemedicine Centre, Bhairpura, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Institute of Allied & Healthcare Sciences, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak College of Nursing, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Riddhima, Bareilly (U.P.) (Performing & Fine Arts Centre)
- SRMS Goodlife Multi Super Speciality Hospital, Bareilly (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak International Business School, Unnao (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak College of Nursing and Allied & Healthcare Sciences, Unnao (U.P.)
- SRMS Hospital, Unnao (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Charitable School, Unnao (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Functional Imaging & Medical Centre, Lucknow (U.P.)
- Shri Ram Murti Smarak Step2Life, Lucknow (U.P.) (A Rehabilitation Centre)

20+ HEALTHCARE & EDUCATIONAL INSTITUTIONS

6000+ EXTENSIVE WORKFORCE

7 Cr ANNUAL GRANT FOR RESEARCH & DEVELOPMENT

5500+ RECIPIENTS OF SCHOLARSHIPS FOR ₹48 CR.

3500+ RESEARCH PUBLICATIONS

400+ CONFERENCES & WORKSHOPS

100+ PATENTS GRANTED

व्यक्तित्व विकास के लिए पढ़ाई एवं खेल दोनों जरूरी

व्यक्तित्व विकास के लिए जितना जरूरी दिमाग को ज्ञानवान बनाना है उतना ही जरूरी शरीर को चुस्त दौर दुरुस्त रखना। यह बात विद्यार्थियों पर भी लागू होती है। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए खेलों के प्रति युवाओं को प्रेरित करने का यही काम एसआरएमएस ट्रस्ट कर रहा है। पिछले महीने भी बरेली स्थित इंजीनियरिंग कालेज में ऐसी ही विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं हुई। श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट एवं फुटबाल टूर्नामेंट में विभिन्न स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया तो टी-20 प्राइज मनी टूर्नामेंट में क्रिकेट क्लबों ने। 13वां श्रीराम मूर्ति मेमोरियल एवं फर्स्ट यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में प्रदेश के 25 जिलों के करीब 525 खिलाड़ी शामिल हुए। अपनी उम्र से बड़े और अनुभवी खिलाड़ियों को पराजित कर लखनऊ के लक्ष्य अंडर 19, अंडर 17, अंडर 15, अंडर 13 वर्ग में विजेता बने। 25वें दीक्षांत समारोह में ट्राफी के साथ नकद पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं से प्रेरणा लेकर अन्य विद्यार्थी भी अच्छे नागरिक बनेंगे।

-जयहिंद

अमृत कलश

'शुक्रिया अदा करना और मांफी मांगना, ये दो गुण जिस व्यक्ति के पास हैं, वो सबके करीब है और वो सभी के लिए अजीज है'

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi - Editor
Ashish Arora - Photographer
Dharmendra - Photographer
Yasmeen Khan - Designer
Ruchi Sharma - (Co-Ordinator, CET)
Vineet Sharma - (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Tanmay Pant - (Co-Ordinator, IBS)

कवर पेज: रिद्धिमा में बच्चों ने किया प्रदर्शन

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura
Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

श्रीराम मूर्ति जी ने ठुकरा दी स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन

स्व. श्रीराम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

सच्चे राष्ट्रभक्त और गांधीवादी नेता स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी मधुर स्वभाव होने के कारण मित्रों के साथ ही समाज में भी उनकी मिलनसार व्यक्ति छवि थी। देश की आजादी में सक्रिय संघर्ष करने के कारण वह अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की तरह कई बार जेल गए। कठोर यातनाएं सहीं। लेकिन कभी देशप्रेम की भावना को कमजोर नहीं होने दिया। देश की आजादी के बाद सरकार ने स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान देने वाले सेनानियों को पेंशन देने की घोषणा की। ऐसे में तमाम ऐसे लोग भी पेंशन पाने के लिए आवेदन करने लगे जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में कोई योगदान तक न दिया हो। लेकिन इस सबके बीच स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी ने सरकार द्वारा दी जा रही पेंशन लेने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने सरकार को लिख कर दिया कि उन्होंने भारत माता की सेवा अंग्रेजों से स्वतंत्र कराने के लिए की थी न कि किसी तरह की कोई पेंशन हासिल करने या संपत्ति पाने के लिए। अपनी मां की सेवा धन के लिए नहीं, उसके सम्मान के लिए की जाती है। और इसके लिए हमें किसी तरह की कोई पेंशन की जरूरत नहीं। राष्ट्रसेवा को कर्तव्य समझ कर जीने वाले और लोकहित में सर्वस्व अर्पण करने वाले स्वर्गीय राम मूर्ति जी को सादर नमन।

-श्रद्धांजलि

कृषि मेला का उद्घाटन करते उ.प्र. सरकार में कई विभागों में मंत्री रहने वाले स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस अकाईब)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

डा.एपीजे एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पाण्डेय का संदेश

सफलता के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण

मेडल और सर्टिफिकेट के साथ मेधावी विद्यार्थी

- एसआरएमएस ट्रस्ट के इंजीनियरिंग कालेजों का 25वां दीक्षांत समारोह धूमधाम से संपन्न
- अत्याधुनिक हास्पिटल के साथ यहां बनेगा इंडस्ट्रियल पार्क, आईटी पार्क और को-वर्किंग स्पेस
- फाइनेंशियल रिस्क फ्री होकर एसआरएमएस के विद्यार्थी इंडस्ट्रियल पार्क में शुरू करेंगे स्टार्टअप
- बीटेक, एमबीए, एमसीए, बीफार्मा और ला के 305 विद्यार्थियों को दी उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक
- सीईटी के हर्ष सक्सेना को मिला 'श्रीराम मूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार
- सीईटीआर के उत्कर्ष जायसवाल को 'श्रीराम मूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये का पुरस्कार
- पूजा काराकोटी, निजारिश उमर, अमूल्य शर्मा, राज कुशवाहा को गोल्ड मेडल संग 21,000 रुपये
- एसआरएमएस ट्रस्ट के अपने शैक्षिक संस्थानों के 14 विद्यार्थियों का शैक्षणिक शुल्क किया मांफ
- खेलों में सर्वश्रेष्ठ रहने पर सीईटी देवेश गंगवार, सीईटीआर के सौरभ सिंह को मिला 'विशेष पुरस्कार'

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी के 116वीं जन्म तिथि (08 फरवरी 2026) पर 25वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। इसमें बीटेक, बीफार्मा, एम फार्म, एमटेक, एमबीए, एमसीए (श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी बरेली, श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नोलाजी एंड रिसर्च बरेली, एमबीए (श्रीराम मूर्ति स्मारक आईबीएस, उन्नाव), बीए एलएलबी (ला कालेज, बरेली) पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-2025 में उत्तीर्ण 305 छात्र छात्राओं को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक वितरित किए गए। सीईटी और सीईटीआर में बी.टेक (2021-2025 बैच) में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए क्रमश: हर्ष सक्सेना और उत्कर्ष जायसवाल को 'श्रीराम मूर्ति गोल्ड मैडल' के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। सीईटी की पूजा काराकोटी, निजारिश उमर, राज कुशवाहा और अमूल्य शर्मा ने अपने कोर्स में सर्वाधिक अंक हासिल करने पर गोल्ड मेडल संग 21000 रुपये नकद प्राप्त किए। खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए सीईटी के देवेश गंगवार और सीईटीआर के सौरभ सिंह को ट्राफी के साथ 'विशेष पुरस्कार' दिया गया। दीक्षांत समारोह में डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर(डा.) जय प्रकाश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता के लिए आशीर्वाद दिया और इसके लिए अपना विजन और मिशन खुद बनाने की सलाह दी। उन्होंने सफलता के लिए सकारात्मक सोच को आवश्यक बताया और इसके लिए उत्साह (मोटिवेशन) के साथ प्रतिबद्धता (कमिटमेंट) को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि उत्साह के साथ जब प्रतिबद्धता दोगुनी हो तब सफलता मिलने का मौका चार गुना बढ़ जाता है।

स्मृति चिहन

डॉ. जयप्रकाश पाण्डेय (कुलपति एकेटीयू)

श्रीराम मूर्ति शतिक सभागार में डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में 8 फरवरी सुबह आयोजित दीक्षांत समारोह में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नई दिल्ली के चेयरमैन प्रोफेसर (डा.) प्रदीप कुमार जोशी मुख्य अतिथि और स्पेस एप्लीकेशन सेंटर इसरो अहमदाबाद के हेड-एम्पलीफायर डिवीजन की साइंटिस्ट इंजीनियर-जी पूजा श्रीवास्तव विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित हुई। इन अतिथियों के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देव मूर्ति जी, ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, गुरु नारायण मेहरोत्रा, सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना और आईबीएस के डीन डा.

सफलता के लिए सपना देखना और उसे पूरा करना जरूरीः डा.प्रदीप जोशी

मुख्य अतिथि डा. प्रदीप कुमार जोशी ने वर्ष 1971 में स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आप क्या छोड़ कर जाते हैं यह सबसे महत्वपूर्ण है। जिस तरह महान स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी समाज के लिए अपने आदर्श और विकसित समाज का सपना छोड़ कर गए। उन्हीं को यह संस्थान आगे बढ़ा रहा है। एआई टैक्नोलाजी और उसके महत्व और चुनौतियों के बारे में उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। कहा कि आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके भारत 2047 तक आत्मनिर्भर बन सकता है। लेकिन इसके लिए सकारात्मक विचार आवश्यक हैं। डा.जोशी ने सफलता के लिए विद्यार्थियों को सपना देखने और उसे पूरा करने को सबसे बड़ा मंत्र बताया। इसके लिए उन्होंने अनुकूलनशीलता को नई स्थिरता बताया। कहा कि करियर विकसित होंगे, भूमिकाएं बदलेंगी और कौशल पहले से कहीं अधिक तेजी से अप्रचलित हो जाएंगे। सीखने, पुरानी बातों को भूलने और नई बातें सीखने की आपकी तत्परता ही आपकी सफलता का राज होगी। डा.जोशी ने नैतिकता को प्रौद्योगिकी से आगे निकलना पर जोर दिया। कहा कि चाहे आप एल्गोरिदम डिजाइन करें, दवाएं विकसित करें, उद्यम प्रबंधित करें, कोड लिखें या कानून की व्याख्या करें। याद रखें कि नैतिकता के बिना प्रगति प्रतिगमन के समान है। डा.जोशी ने वैश्विक सोच में भारतीय जड़े खोजने पर जोर दिया। कहा कि वैश्विक स्तर पर सोचें, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करें, लेकिन अपने राष्ट्र के मूल्यों, चुनौतियों और आकांक्षाओं से जुड़े रहें। इसके साथ ही डा.जोश ने नौकरी चाहने वालों से ज्यादा नौकरी देने वाला बनने की सलाह दी। कहा कि भारत का एक विकसित राष्ट्र और 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने का सफर नवाचार, उद्यमिता और जोखिम उठाने की क्षमता की मांग करता है। स्टार्टअप इंडिया, अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र और इनक्यूबेशन प्लेटफार्म का अन्वेषण करें, जिनमें आपके शिक्षण संस्थान द्वारा स्थापित उत्कृष्ट सुविधाएं भी शामिल हैं।

तरुण सिंह गंगवार ने संस्थान के प्रांगण में स्थित स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सभागार में दीप प्रज्वलन किया। विद्यार्थियों की सरस्वती वंदना, संस्थान गीत एवं विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ दीक्षांत समारोह आरंभ हुआ। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने प्रेरणास्रोत्र स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी को उनके 116वें जन्मदिन पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और सभी डिग्री धारकों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा विगत वर्षो में किए गए शिक्षा, चिकित्सा एवं सामाजिक उत्थान के प्रयास से तकी जानकारी दी। कहा कि विगत वर्षो में एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा संचालित महाविद्यालयों के अध्यापक एवं छात्रध्छात्राएं तकनीकी रिसर्च एवं इनोवेशन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। जबकि यहां के एल्युमिनाई दुनिया भर में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं द्वारा अपनी पहचान को पुख्ता कर रहे हैं। इन्हीं में आज दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप मे आई पूजा श्रीवास्तव भी एक हैं। जो संस्थान के पहले बीटेक बैच 1995 की छात्रा रही थीं। देव मूर्ति जी ने स्वामी विवेकानंद के वाक्य उठो, जागो और तब तक नहीं रूको, जब तक लक्ष्य की पूर्ति न हो जाये से अपने वकतव्य समाप्त किया।

डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर (डा.) जय प्रकाश पांडेय ने विद्यार्थियों को सकारात्मक रहने पर जोर दिया और कहा कि सकारात्मक व्यवहार के साथ प्रतिबद्ध होकर कोई व्यक्ति यदि अपनी सारी ऊर्जा को किसी लक्ष्य के लिये समर्पित कर दें तो वह किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने खुद के साथ राष्ट्र और समाज को समृद्ध करने जोर दिया। कहा कि सिर्फ सर्विस सेक्टर के जरिए यह लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं। इसके लिए स्टार्टअप की जरूरत है और इसके लिए इनोवेशन पहली और इक्यूबेशन दूसरी सीढ़ी है। स्टार्टअप के जरिये समृद्धि मिलेगी। तभी देश वर्ष 2047 तक दुनिया में विश्व गुरु बन सकता है। उन्होंने आपरेशन विजय और आपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह युद्ध हमारे सामने हैं जिसमें पहला युद्ध में हमारे हजारों जवान वीरगति को प्राप्त हुए जबकि दूसरा युद्ध हमने दुश्मन की जमीन पर लड़ने के बाद भी कोई नुकसान नहीं उठाया। यह सिर्फ टेक्नोलाजी की बदौलत ही संभव हुआ। आज हमारे पास विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलाजी है और हम लगातार इसमें बेहतर कर रहे हैं। डा.

कर्म द्वारा सिद्धि की प्राप्तिः पूजा श्रीवास्तव

स्पेस एप्लीकेशन सेंटर इसरो अहमदाबाद के हेड-एम्पलीफायर डिवीजन की साइंटिस्टध्इंजीनियर-जी पूजा श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन के महत्व को बताया और 'किस तरह कर्म द्वारा सिद्धि की प्राप्ति हो सकती है' का गुरु मंत्र दिया। उन्होंने इसरो द्वारा स्वदेशी तकनीक पर आधारित नाविक सैटेलाइट सिस्टम के बारे में बताया जो कि इस समय देश की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं। एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज में वर्ष 1996 में बीटेक पहले बैच की विद्यार्थी रही पूजा ने कठिन परिश्रम को सफलता का मूल मंत्र बताया साथ ही अनुशासन, टीम वर्क, लीडरशिप पर भी ठीक से काम करने की सलाह दी। अपने नए साथियों को उन्होंने टेक्नोलश्वजी के समाजोन्मुख डेवलपमेंट पर जोर दिया। कहा कि जितना मिला है उससे ज्यादा वापस करना जरूरी है। इसके लिए बैलेंस शीट बनाने की सलाह दी।

पांडेय ने विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संदेश देते हुए कहा कि यदि नाव में छेद हो तो नाव में भरने वाला पानी हम पुनः नदी में फेकते हैं वैसे ही इस देश और समाज से लिए संसाधन हमें वापस करना चाहिए। तभी देश और समाज विकसित होगा।

इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डा.) प्रभाकर गुप्ता ने महाविद्यालयों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और यहां संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष महाविद्यालयों में चार राष्ट्रीय सेमिनार एवं दो इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आयोजित हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों के 114 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जनरलों में प्रकाशित हुए। 38 शोध-पत्रों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया गया है। महाविद्यालय के छात्रध्छात्राओं द्वारा इस वर्ष 18 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित हुए। जबकि 20 शोध-पत्रों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में स्थान मिला। डा.प्रभाकर ने पिछले वर्ष से एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थाओं में संचालित शैक्षणिक शुल्क मांफी योजना का भी जिक्र किया और इस वर्ष 14 मेधावी विद्यार्थियों की फीस मांफ किए जाने की जानकारी दी। समारोह के अंत में डायरेक्टर टीडीपी डा.अनुज कुमार ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन रुचि शाह ने किया। इस मौके आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, प्रोफेसर श्यामल गुप्ता, उषा गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, गुरु मेहरोत्रा, डा.वीएन राय, डा.आलोक खरे, डा. वंदना शर्मा, डा.जसप्रीत कौर, डा.मुथु महेश्वरी, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एमएस बुटोला, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.मुथु महेश्वरी, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, डीन पीजी डा. रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीन फार्मेसी डा.अमित शर्मा, डा.रीता शर्मा सहित सभी शैक्षिक संस्थानों के डायरेक्टर, डीन, फैकेल्टी और स्टाफ मौजूद रहा।

LIST OF AWARDEES STUDENTS

उत्कर्ष जायसवाल

हर्ष सक्सेना

Mr. Utkarsh Jaiswal - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 51,000/ for scoring the First Position in out-going batch of B.Tech. (2021-25 CET&R, Bareilly)

Mr. Harsh Saxena - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 51,000/- for scoring the highest position in out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Ms. Amulya Sharma - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/ for securing first position in her batch (2023-25, MBA, CET, Bareilly)

Mr. Raj Kushwaha - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/- for securing first position in his batch (2023-25, MCA, CET, Bareilly)

Ms. Nizarish Umar - Shri Ram Murti Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/- for securing first position of her batch (2021-25, B.PHARM CET, Bareilly)

Ms. Arushi Maurya - Shri Ram Murti Gold Medal for scoring the First Position in out-going batch of B.A. LLB.(BATCH 2020-25, College Of Law)

Ms. Asma Hussain - Shri Ram Murti Gold Medal for Gold Medal for securing first position in her MBA batch (2023-25, IBS, Unnao)

Mr. Shivam Pandey - Shri Ram Murti Gold Medal for the best all-rounder in the out-going batch of B.Tech (2021-25 CET&R, Bareilly)

Mr. Utkarsh Jaiswal - Shri Ram Murti Gold Medal for the highest scorer of B.Tech. Computer Science & Engineering Branch in the out-going batch (2021-25 CET&R, Bareilly)

Mr. Subroto Chatterjee - Prem Prakash Gupta Charitable Foundation Gold Medal for the best all-rounder in out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Mr. Harsh Saxena - Er. Subhash Mehra Gold Medal for the highest scorer of B.Tech.Computer Science & Engg. Branch in the out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Ms. Shreshtha Mishra - Dr. Usha Mehra Gold Medal for the highest scorer of B.Tech. Electronics & Communication branch in the out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Mr. Alok Sharma - Er. P.N. Gupta Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/- for the highest scorer of B.Tech. Electrical & Electronics branch in the out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Ms. Puja Karakoti - Sri Laxmi Bhushan Varshney Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/- for the highest scorer of B.Tech. Information Technology branch in the out- going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Mr. Aditya Kumar - Dr.Asha Gupta Gold Medal and a Cash Award of Rs. 21,000/- for the highest scorer of B.Tech. Mechanical Engineering branch in the out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Mr. Devesh Gangwar -A Special prize for the outstanding performance in overall sports activities of the college (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Ms. Sakshi Gangwar - Shri Ram Murti Silver Medal for the second highest scorer in out-going batch of B.A. LLB (BATCH 2020-25)

Ms. Harkirat Kaur - Shri Ram Murti Silver Medal for securing second position in her MBA batch (2023-25, IBS, Unnao)

Ms. Priyanshi Agarwal - Shri Ram Murti Silver Medal for scoring second highest position in the out-going batch of B.Tech. (2021-25 CET&R, Bareilly)

Ms. Vartika Saxena - Shri Ram Murti Silver Medal for securing second position in her batch (2023-25, MBA, CET, Bareilly)

Ms. Fatima Mohammadi - Shri Ram Murti Silver Medal for being the second position holder in her batch (2023-25, MCA, CET, Bareilly)

Mr. Arbaz Khan - Shri Ram Murti Silver Medal being for being the second position holder of his batch (2021-25, B.PHARM, CET, Bareilly)

Ms. Prerna Varshney - Shri Ram Murti Silver Medal for scoring second highest position in out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Ms. Titiksha Agarwal - Shri Ram Murti Bronze Medal for the third highest scorer in out-going batch of (2020-25, B.A. LLB, College of Law)

Ms. Sneha Raj - Shri Ram Murti Bronze Medal for securing third position in her MBA batch (2023-25, IBS, Unnao)

Mr. Abhiyansh Gupta - Shri Ram Murti Bronze Medal for scoring third highest position in the out-going batch of B.Tech. (2021-25 CET&R, Bareilly)

Amisha Varshney - Shri Ram Murti Bronze Medal for securing third position in her batch (2023-25, MBA, CET, Bareilly)

Mr. Saransh Gupta - Shri Ram Murti Bronze Medal for being third position holder in his batch (2023-25, MCA, CET, Bareilly)

Ms. Hansika Varshney - Shri Ram Murti Bronze Medal for being third position holder of her batch B.PHARM (2021-25, CET, Bareilly)

Ms. Tanisha Saxena - Shri Ram Murti Bronze Medal for scoring third highest position in out-going batch (2021-25, B.TECH, CET, Bareilly)

Ms. Sakshi Singh - A special prize for the outstanding performance in overall sports activities of the College Of Law

Ms. Iqura Parveen - Special prize for the outstanding performance in overall activities of the College (IBS, Unnao)

Mr. Saurabh Singh Rathore - Special prize for a special prize for the outstanding performance in overall sports activities of the college. (2021-25 CET&R, Bareilly)

रुहेलखंड और कुमायूं रीजन का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट एसआरएमएस में सफलतापूर्वक संपन्न

एसआरएमएस में अब बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा

बोन मैरो ट्रांसप्लांट की जानकारी देते चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी

- एक वर्ष से पीठ दर्द से पीड़ित महिला को था मल्टीपल मायलोमा, बोन मैरो ट्रांसप्लांट से इलाज
- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में शीघ्र स्थापित की जाएगी बोन मैरो ट्रांसप्लांट विंग: देव मूर्ति

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस मेडिकल कालेज) में रुहेलखंड और कुमायूं रीजन का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट (अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसकी घोषणा 6 जून को एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने की। उन्होंने कहा कि इस सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कालेज लखनऊ और दिल्ली के बीच पहला संस्थान बन गया है, जहां मरीजों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है।

एसआरएमएसर ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 2002 में मेडिकल कालेज की स्थापना और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बढ़ती हुई बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुविधा आरंभ की गई है। जिसके तहत पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अन्य चार लोग भी बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जल्द ही एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बोन मैरो ट्रांसप्लांट विंग स्थापित की जाएगी। एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डा. पियूष अग्रवाल ने कैंसर को महामारी बताया। उन्होंने कहा कि न्यूयार्क में हो या मुंबई में कैंसर का इलाज रेडिएशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी से ही किया जाता है। यही सुविधाएं भोजीपुरा स्थित हमारे एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उपलब्ध हैं। यहां पर अत्याधुनिक उपकरणों के साथ कैंसर सर्जरी के सभी विभाग और विशेषज्ञ मौजूद हैं। बनबसा (उत्तराखंड) निवासी 47 वर्षीय कमला (बदला हुआ नाम) का सफलतापूर्वक बोन मैरो ट्रांसप्लांट कर एसआरएमएस मेडिकल कालेज रुहेलखंड और कुमायूं रीजन का पहला संस्थान बन गया है, जहां पर यह सुविधा उपलब्ध है। कमला एक वर्ष से ज्यादा समय से पीठ दर्द से परेशान थीं। जांच में मल्टीपल मायलोमा की जानकारी मिली। यहां पर टारगेटेड थेरपी और कीमोथेरेपी के जरिये पहले उन्हें कैंसर मुक्त किया गया। मल्टीपल मायलोमा के दोबारा होने के खतरे को कम करने के लिए उनके परिवार को बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। उनके तैयार होने पर 19 मई को आटोलोगस ट्रांसप्लांट यानी मरीज के शरीर से ही स्वस्थ बोन मैरो लेकर उनका ट्रांसप्लांट किया गया। आज कमला पूरी तरह से स्वस्थ हैं और जल्द ही उन्हें घर जाने की अनुमति दी जाएगी। डा.पियूष ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में थैलेसेमिया के लिए भी बोन मैरो आपरेशन सुविधा उपलब्ध शुरू होने की जानकारी दी। प्रेस कांफ्रेंस का संचालन एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने किया। इस दौरान एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, कैंसर विभाग स्टाफ और बोन मैरो ट्रांसप्लांट की टीम मौजूद रहीं।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट को स्टेम सेल्स ट्रांसप्लांट भी कहते है: डा.दिशा

क्लीनिकल हेमेटोलाजिस्ट डा.दिशा सत्या ने बोन मैरो ट्रांसप्लांट की जानकारी दी और बताया कि बोन मैरो (अस्थि मज्जा) हड्डियों के अंदर का वह स्पंजी हिस्सा होता है, जहाँ 'स्टेम सेल्स' बनते हैं। बोन मैरो ट्रांसप्लांट में खराब हो चुकी बोन मैरो 'अस्थि मज्जा' को नष्ट कर स्वस्थ स्टेम सेल्स (रक्त बनाने वाली कोशिकाएं) मरीज के शरीर में डाले जाते हैं। इसका उपयोग ब्लड कैंसर, थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन अश्वटोलोगस ट्रांसप्लांट और एलोजेनिक ट्रांसप्लांट दो प्रकार का होता है।

मल्टीपल मायलोमा का बोन मैरो ट्रांसप्लांट से नियंत्रण बेहतर: डा.अनादि

मेडिकल ओंकोलाजिस्ट डा.श्रीनिवास अनादि नायडू ने बताया कि मल्टीपल मायलोमा ब्लड कैंसर का एक प्रकार है, जो बोन मैरो (अस्थि मज्जा) में मौजूद प्लाज्मा कोशिकाओं को प्रभावित करता है। ये कोशिकाएं सामान्य एंटीबाडी बनाने के बजाय असामान्य प्रोटीन बनाती हैं। रीढ़ और छाती की हड्डियों में तेज दर्द, अत्यधिक थकान और कमजोरी, खून की कमी, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से बार बार बीमार होना मल्टीपल मायलोमा के सामान्य लक्षण हैं। आधुनिक चिकित्सा में इसे नियंत्रित किया जा सकता है। कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने वाली दवाएं यानी कीमोथेरेपी और टारगेटेड थेरेपी, हड्डियों के दर्द में राहत दिलाने और ट्यूमर को सिकोड़ने के लिए रेडिएशन थेरेपी और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से मल्टीपल मायलोमा को नियंत्रित करते हैं।

आदित्य मूर्ति को चैंबर एक्सीलेंस अवार्ड

सेंट्रल यूपी चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री वेलफेयर एसोसिएशन की 61वीं आम सभा 24 मई 2026 को हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं उ.प्र के पूर्व वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में और एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को चैंबर एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इसमें शिक्षा, सांस्कृतिक कार्य में विशेष योगदान के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति को चैंबर एक्सीलेंस अवार्ड 2026 प्रदान किया गया।

आईएससीसीएम के जनरल सेक्रेटरी बने डा.ललित

एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित क्रिटिकल केयर एवं रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख एवं रुहेलखंड और कुमायूं रीजन के वरिष्ठ पल्मोलाजिस्ट डा.ललित सिंह ने इंडियन सोसायटी आफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (ISCCM) के राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी चुनाव में जीत हासिल की। डा.ललित सिंह इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, गुरुजनों एवं मित्रों को देते हैं। वो कहते हैं कि मैं अपने एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी और डायरेक्टर श्री आदित्य मूर्ति जी का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और मरीजों की सेवा की जिम्मेदारी दी। डा.ललित कहते हैं कि भारत, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड एवं इंग्लैंड जैसे कई देशों के सदस्यों के समर्थन की बदौलत इंडियन सोसायटी आफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (ISCCM) के चुनाव में जीत मिली है। इंडियन सोसायटी आफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के जनरल सेक्रेटरी के रूप में मेरी कोशिश होगी कि मैं क्रिटिकल केयर की उन्नति, उत्कृष्टता और मरीजों के उपचार को बेहतर बनाने एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत चिकित्सकों को क्रिटिकल केयर में प्रशिक्षित करने की दिशा में योगदान दे पाऊं। जिससे दूर दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज को 38वीं रैंक

देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों के बीच एसआरएमएस की उपलब्धि

बरेली: मेडिकल शिक्षा और मरीजों के उपचार में एसआरएमएस मेडिकल कालेज पिछले नौ वर्षों से इंडिया टुडे के सर्वेक्षण में टाप 40 में अपना स्थान सुरक्षित रखे हुए है। इंडिया टुडे ने वर्ष 2026 के अपने सर्वेक्षण में देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को 38वां स्थान दिया। इसके साथ ही इंडिया टुडे ने एसआरएमएस सीईटी को देश भर के इंजीनियरिंग कालेजों के बीच 120वीं रैंक प्रदान की है। यह जानकारी ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दी।

देव मूर्ति जी ने कहा कि इंडिया टुडे की ओर से नवंबर 2025 से जून 2026 के बीच देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेज का सर्वेक्षण हुआ। इसमें इनटेक क्वालिटी एंड गवर्नेंस, अकादमिक गुणवत्ता, इंफ्रास्ट्रक्चर और माहौल, व्यक्तित्व और नेतृत्व विकास, करियर की संभावना और प्लेसमेंट जैसे पैरामीटर पर सभी कालेजों का आकलन किया गया। और उनमें प्राप्त नंबरों के आधार पर रैंकिंग प्रदान की गई। पिछले दिनों जारी सर्वेक्षण में इंडिया टुडे ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को देश के सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कालेजों की श्रेणी में 38वें रैंक दिया। पिछले नौ वर्ष से देश के सभी मेडिकल कालेजों के बीच टाप 40 में स्थान बनाए रखना एसआरएमएस के लिए बड़ी उपलब्धि और गौरव की बात है। इसके साथ ही इंडिया टुडे ने एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी को 120वीं रैंक प्रदान की। इसी तरह पत्रिका आउटलुक ने अपने सर्वे में देश के निजी मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस को 11वां स्थान देने के साथ ही उ.प्र. में बेस्ट मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल में एसआरएमएस को दूसरे पायदान पर रखा। आउटलुक के सर्वे में आर्थोपेडिक हास्पिटल में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को 14वां, ओंकोलाजी में 17वां और कार्डियोलाजी में 21वीं रैंक दी गई। मैगजीन द वीक ने नार्थ जोन के निजी मेडिकल कालेज की सूची में एसआरएमएस को चौथी रैंक प्रदान की। पत्रिका द वीक ने देश के निजी मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस को 23वां स्थान देते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों की लिस्ट में एसआरएमएस को 40वां स्थान पर रखा। देव मूर्ति जी ने कहा यह उपलब्धि डाक्टर, शिक्षक और सारे स्टाफ को समर्पित है। सभी ने सही से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

INDIA TODAY | Outlook | THE WEEK

- सर्वेक्षण में एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी को मिली 120वीं रैंक
- पत्रिका आउटलुक के सर्वे में देश के निजी मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस को 11वां स्थान
- आउटलुक ने उ.प्र. में बेस्ट मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल में एसआरएमएस को दूसरा स्थान दिया
- आर्थोपेडिक हास्पिटल में 14वीं, ओंकोलाजी में 17वीं और कार्डियोलाजी में एसआरएमएस को 21वीं रैंक
- मैगजीन द वीक ने नार्थ जोन के निजी मेडिकल कालेजों की सूची में एसआरएमएस को दी चौथी रैंक
- द वीक के सर्वे में देश के निजी मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को 23वां स्थान
- देश के सर्वश्रेष्ठ सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में द वीक ने एसआरएमएस को दिया 40वां स्थान

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय यूपीसीसीडीएसआईकोन आयोजित

जन स्वास्थ्य पर विशेष जागरूकता जरूरीः डा.धीमन

स्वास्थ्य क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मरीज के पास बेड साइड रह कर सीखना जरूरीः देव मूर्ति

मेडिसिन अपडेट में उपस्थित अतिथियों के साथ पद्मश्री डॉ. आर.के. धीमन और चेयरमैन देव मूर्ति जी

- जीवन शैली पर आधारित बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष जागरूकता आवश्यकः डा.राय
- बीमारियों का उपचार करने के साथ ही इन पर शोध करना आज की बड़ी जरूरतः डा.महेश्वरी
- नामचीन कार्डियो डायबिटोलाजिस्ट ने मधुमेह और इससे संबंधित बीमारियों पर दिया व्याख्यान
- स्वस्थ रहने एवं बीमारियों से बचाव को सक्रिय दिनचर्या संग पौष्टिक एवं संतुलित आहार जरूरी

बरेलीः मरीजों का उपचार, भविष्य के चिकित्सकों को शिक्षा एवं ट्रेनिंग, बीमारियों पर शोध और जन स्वास्थ्य पर जागरूकता, यह स्वास्थ्य संस्थानों के चार पिलर हैं। इन सभी पर एक साथ काम होना जरूरी है। इसमें भी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक कर स्वस्थ समाज निर्माण सबसे जरूरी जिम्मेदारी है। यह बात एसजीपीजीआई लखनऊ के डायरेक्टर पद्मश्री डा. आरके धीमन ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय कांफ्रेंस दूसरी यूपीसीसीडीएसआईकोन और एसआरएमएस मेडिसिन अपडेट के छठवें संस्करण के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि किसी भी इंस्टीट्यूट का कद वहां किए जा रहे रिसर्च से ही बढ़ता है। इसी रिसर्च में आगे रहने की बदौलत ही एम्स जैसे संस्थान एक ब्रांड बने हैं। समय की जरूरत है कि चिकित्सकों के साथ ही विद्यार्थी भी रिसर्च पर फोकस करें। आईसीएमआर जैसी संस्थाएं इसके लिए विद्यार्थियों को एक लाख की ग्रांट प्रदान करती हैं। डा.धीमन ने मरीजों के उपचार में बीमारियों के प्रति जागरूकता की कमी और पोषण की कमी को भी महत्वपूर्ण बताया और स्वास्थ्य संस्थानों को इस पर काम करने की सलाह दी। एसोसिएशन आफ फिजीशियन आफ इंडिया की बरेली शाखा (एपीआई) के सहयोग से एसआरएमएस मेडिकल कालेज के जनरल मेडिसिन विभाग और क्लिनिको कार्डियो डायबिटीज सोसायटी आफ इंडिया यूपी चैप्टर (यूपीसीसीडीएसआई) की ओर से दो दिवसीय छठवीं एसआरएमएस मेडिसिन अपडेट और दूसरी यूपीसीसीडीएसआईकोन कांफ्रेंस 9 मई 2026 को आरंभ हुई। इसके पहले दिन उद्घाटन सत्र के साथ 8 साइंटिफिक सत्र हुए, जिसमें देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मधुमेह, कार्डियो-मेटाबोलिक रोग, हाइपरटेंशन, किडनी रोग, यौन स्वास्थ्य एवं आधुनिक चिकित्सा तकनीकों पर नवीनतम जानकारियां साझा कीं। उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए विद्यार्थियों को मरीज के पास बेड साइड रह कर सीखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाजसेवा का यह पेशा लगातार काम मांगता है। ऐसे में विद्यार्थियों का काम में पीछे रहना, सीखने की इच्छा न होना और डिप्रेशन में रहना गंभीर स्थिति है। इससे निजात पाकर ही मरीजों का उपचार कर अपने नाम को ब्रांड बनाया जा सकता है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में क्लिनिको कार्डियो डायबिटीक सोसायटी आफ इंडिया के फाउंडर प्रेसिडेंट डा.एएन राय ने तेजी से बढ़ते असंचारी रोगों पर विचार विमर्श के लिए गठित क्लिनिको कार्डियो डायबिटीज सोसायटी आफ इंडिया (सीसीडीएसआई) की स्थापना की जानकारी दी। उन्होंने जीवन शैली पर आधारित बीमारियों, उनकी रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। साथ ही जागरूकता पर भी जोर दिया। कहा कि 10 वर्ष पहले स्थापित सीसीडीएसआई ने इस पर महत्वपूर्ण काम किया है। संस्था की ओर से अगले महीने पहली बार यूके चैप्टर का आयोजन किया जा रहा है। कांफ्रेस में विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल रिसर्च सोसायटी फार स्टडी आफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआई) के प्रेसिडेंट डा.अनुज महेश्वरी ने बढ़ते मेडिकल संस्थानों के बाद भी बीमारियों पर रिसर्च कार्य में पिछड़ने पर दुख जताया और इस पर पर जोर दिया। उन्होंने अपनी संस्था द्वारा रिसर्च पर दिए जा रही ग्रांट की भी जानकारी दी। इससे पहले उद्घाटन सत्र के आरंभ में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया और कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी एवं एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) स्मिता गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उद्घाटन सत्र का संचालन डा.हिमांशी खट्टर ने किया।

स्मृति चिह्न

पद्मश्री डॉ. आर के धीमन

कांफ्रेंस के साइंटिफिक सत्र में डा.मधुकर राय ओरेशन में जमशेदपुर के डा.अनिल कुमार विरमानी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में क्लीनिकल मेडिसिन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और भविष्य

की चिकित्सा प्रणाली में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं डा. अनुज माहेश्वरी ने डायबिटीज में रेजिस्टेंट हाइपरटेंशन, एबीपीएम तथा स्टेप-वाइज मानिटरिंग की आवश्यकता पर विस्तृत व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता के रूप में एसजीपीजीआई के निदेशक पद्मश्री डा. आरके धीमन ने आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल पर व्याख्यान दिया। कार्डियोमेटाबालिक मेडिसिन का विकास सत्र में लो-ग्रेड क्रानिक इन्फ्लेमेशन, एथेरोस्क्लेरोसिस तथा कार्डियो-मेटाबोलिक रोगों के बीच संबंधों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने सूजन संबंधी प्रक्रियाओं के भविष्य में हृदय रोग उपचार की नई दिशा तय करने पर जोर दिया। डायबिटीज में ईसीजी की महत्वपूर्ण भूमिका एवं सर्केडियन रिदम और लोंगेविटी जैसे विषयों ने प्रतिभागियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। वर्ष 2026 में रोगियों की देखभाल के स्टैंडर्ड सत्र में मधुमेह में वैक्सीनेशन, हाइपरटेंशन के नए लक्ष्य, एडीए बनाम एनआईसीई एवं आरएसएसडीआई गाइडलाइंस तथा डिस्लिपिडेमिया के आधुनिक प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने व्यावहारिक सुझाव दिए। वक्ताओं ने एलडीएल का स्तर जितना कम उतना ही अच्छा की अवधारणा पर जोर देते हुए हृदय रोग जोखिम को कम करने में एलडीएल नियंत्रण की भूमिका पर प्रकाश डाला। स्मार्ट कार्डियो-डायबिटिक केयर सत्र में प्रीडायबिटीज की प्रगति एवं रिवर्सल, टाइप-2 डायबिटीज में सीजीएम (Continuous Glucose Monitoring) लगातार ग्लूकोज मानिटरिंग) की बढ़ती उपयोगिता, डायबिटीज, किडनी डिजीज एवं एसवीटी के आधुनिक प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा हुई। कांफ्रेंस के विशेष सत्र ब्रेकिंग द साइंस में वर्ष 2026 में इरेक्टाइल डिस्फंक्शन विषय पर डा. दीपक जुमानी ने यौन स्वास्थ्य से जुड़े मिथकों, मानसिक प्रभावों एवं आधुनिक उपचार विकल्पों पर खुलकर चर्चा की। विशेषज्ञों ने कहा कि इस प्रकार के विषयों पर जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य चिकित्सकों को नवीनतम वैज्ञानिक शोध, उपचार पद्धतियों एवं वैश्विक गाइडलाइंस से अवगत कराना है, जिससे रोगियों को बेहतर एवं साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

स्मृति चिह्न

डॉ. एएन राय

डॉ. अनुज महेश्वरी

डॉ. अनिल वीरमानी

कांफ्रेंस के दूसरे दिन हुए 6 साइंटिफिक सत्रों में देश भर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कार्डियो-मेटाबोलिक रोगों, मेटाबोलिक डिस्फंक्शन एसोसिएटेड स्टेटोटिक लीवर डिजीज (MASLD), सीकेएम सिंड्रोम और कार्डियो-रीनल-डायबिटीज के आधुनिक प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की। इसमें विशेषज्ञों ने कार्डियो-मेटाबोलिक और फैटी लीवर जैसी जीवनशैली से संबंधित बीमारियों पर गहन चर्चा की। सभी ने इन बीमारियों के इलाज के साथ इनकी रोकथाम पर ज्यादा जोर दिया और इसके लिए सक्रिय दिनचर्या के साथ ही पौष्टिक एवं संतुलित आहार पर जोर दिया। कार्डियो-मेटाबोलिक क्रासरोड्स सत्र में डा.राजीव गोयल (बरेली), डा.राजीव श्रीवास्तव (सुल्तानपुर), डा.सतेंद्र सोनकर (केजीएमयू), डा. प्रियंका बुधवानी (एम्स गोरखपुर), डा.सतीश कुमार (केजीएमयू) और डा.प्रिंसी जैन (एलएचएमसी नई दिल्ली) जैसे विशेषज्ञों ने एचबीएवनसी की सीमाओं, हार्ट फेल्योर गाइडलाइन, सीकेडी सिंड्रोम में एनीमिया मैनेजमेंट, पीसीओएस एवं कार्डियोवैस्कुलर रिस्क, डायबिटीज में इंटरमिटेंट फास्टिंग और सबक्लिनिकल हायपो थाइराइडिस्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। हार्ट एंड शुगर इंटरफेस सेशन में मधुमेह और मस्तिष्क के मेटाबोलिक संबंध तथा डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी में प्रीलोड आप्टिमाइजेशन जैसे विषय पर पीके महेश्वरी (एसएनएमसी, आगरा), डा.दीप चंद्र पंत (एसआरएमएस बरेली) ने चर्चा की। एमएएसएलडी मास्टर क्लास 'जेंडर, जेनेटिक्स और गट' पर डा.मीनाक्षी अवस्थी (बीआरडी गोरखपुर), डा.अमित गोयल (एसजीपीजीआई लखनऊ) और डा. एसके गौतम (जीएसवीएम कानपुर) ने व्याख्यान दिया। कांफ्रेंस के एजूकेटर्स फोरम सत्र में डा.निर्मल यादव (एसआरएमएस बरेली), डा.जयंत पांडा (एससीबीएमसी कटक), डा.मीना छाबरा (एसजीआरएच नई दिल्ली) और डा. सुदीप सरन (बरेली) ने मेडिकल शिक्षा में नई शिक्षण पद्धतियों, एक्सरसाइज एक्टिविटी, ओबेसिटी सोल्यूसन तथा ओबेसिटी मेडिसिन की उपयोगिता पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर कांफ्रेंस साइंटिफिक चेयरमैन डा.सुदीप सरन (बरेली), डा.सीमा सेठ (आरएमसीएच बरेली), साइंटिफिक सेक्रेटरी डा.दीपक दास, को आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.विद्यानंद झा, डा.तनु अग्रवाल, एपीआई बरेली के प्रेसिडेंट डा.अनुपम शर्मा, यूपी आईएमए के प्रेसिडेंट इलेक्ट डा.रवीश कुमार, आईएमए बरेली के प्रेसिडेंट डा.अतुल श्रीवास्तव, आईएमए के सेक्रेटरी डा.अंशु अग्रवाल, सीसीडीएसआई के पूर्व सचिव डा. मृत्युंजय सिंह, यूपीसीसीडीएसआई के वाइस चेयरमैन डा.नरसिंह वर्मा, डा. अमरेश अग्रवाल, डा.शरद अग्रवाल, डा. आंचल अग्रवाल, डा.सुनील कुमार, डा.दिव्यांत रावल, डा.संदीप गुप्ता मौजूद रहे।

डॉ. निर्मल यादव

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट एवं फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन

विद्या वर्ल्ड छठी बार और एपीएस सी. विंग दूसरी बार चैंपियन

फाइनल में विद्या वर्ल्ड ने एसआर को 8 विकेट से और एपीएस ने डीपीएस को 4-0 गोल से हराया

चैंपियन ट्रॉफी के साथ विद्या वर्ल्ड स्कूल की टीम

चैंपियन ट्रॉफी के साथ एपीएस सीनियर विंग स्कूल की टीम

बरेली: श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट और श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट में इस बार भी पिछले वर्ष 2025 का परिणाम आया। पिछले वर्ष की तरह विद्या वर्ल्ड स्कूल ने एसआर इंटरनेशनल स्कूल को 8 विकेट से हराकर छठी बार श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में चैंपियन ट्राफी पर कब्जा किया। वहीं आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) सीनियर विंग ने डीपीएस को 4-0 गोल से पराजित कर श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल चैंपियन ट्राफी अपने नाम की। पिछले वर्ष 2025 में श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में जीतने वाली विद्या वर्ल्ड की टीम टूर्नामेंट के दूसरे सीजन में रनर अप थी। उसके बाद तीसरे, चौथे और पांचवें, छठे और अब सातवें सीजन के टूर्नामेंट विद्या वर्ल्ड ने ट्रॉफी पर अपना कब्जा बरकरार रखा। मुख्य अतिथि इंडिपेंडेंट स्कूल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट निर्भय बेनीवाल, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी, सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सरफराज वली खां, सचिव सीताराम सक्सेना, ज्वाइंट सेक्रेटरी ओपी कोहली, बरेली फुटबाल संघ के सचिव मून राबिंसन, बरेली फुटबाल संघ के प्रेसीडेंट अमरजीत सिंह बग्गा एवं ट्रेजरार मनोज कुमार शर्मा, फुटबाल कोच नसीम अख्तर ने विजेता विद्या वर्ल्ड स्कूल और आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) सीनियर विंग को चैंपियंस ट्राफी एवं एसआर इंटरनेशनल स्कूल और डीपीएस बरेली को रनरअप ट्राफी के साथ सभी खिलाड़ियों को भी ट्राफियां प्रदान कीं। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने रनर और विनर दोनों टीमों को बधाई दी और हमेशा अपनी गलतियों से सीख लेकर निरंतर लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में 15 अप्रैल को श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ। पिछले नौ वर्ष से इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करने वाले एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) ने यह टूर्नामेंट 15 से 25 अप्रैल 2026 के बीच हुआ। यहीं पर दूसरी बार श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट 21 से 25 अप्रैल के बीच खेला गया। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन एवं बरेली फुटबाल एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त इन दोनों टूर्नामेंट में बरेली में संचालित 36 स्कूलों की टीमें शामिल हुईं। 22 टीमों ने इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट और 15 टीमों ने इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 25 अप्रैल को टूर्नामेंट के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण में संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने भरोसा जताया कि यहां खेलने वाले खिलाड़ी एक दिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल कर अपना और बरेली का नाम रौशन करेंगे। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने अतिथियों सहित सभी का टूर्नामेंट में स्वागत किया। उन्होंने टूर्नामेंट

ये रहे टूर्नामेंट के हीरो

- 1 छक्के और 9 चौकों की मदद से 36 गेंदों पर 58 रन बनाने वाले विद्या वर्ल्ड के अंकित नागर फाइनल मैच में बने मैन आफ द मैच
- टूर्नामेंट के 4 मैचों में सर्वाधिक 12 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज शिवांश मिश्रा को चुना गया प्लेयर आफ द टूर्नामेंट
- टूर्नामेंट के 3 मैच में 153.79 के औसत से एक शतक के साथ 223 रन बनाने वाले बेदी के विशाल बने टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन
- टूर्नामेंट के 3 मैच में 10 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज शिवांग श्रीवास्तव बने बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट
- इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट के तीन मैच में 10 गोल बचाने वाले आर्मी पब्लिक स्कूल के रौनक को मिली गोल्डन ग्लव्स ट्राफी
- टूर्नामेंट के 3 मैच में 5 गोल करने वाले आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग के हर्षित साही को दी गयी गोल्डन बूट ट्राफी

खिलाड़ियों का परिचय लेते एसआरएमएस ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी

फाइनल मैचः एसआर को 8 विकेट से हरा विद्या वर्ल्ड फिर चैंपियन

शिवांग मिश्रा (बैस्ट बॉलर ऑफ टूर्नामेंट)

विशाल (बैस्ट बैट्समैन ऑफ टूर्नामेंट)

शिवांश मिश्रा (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट)

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) की ओर से आयोजित श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सेवन का फाइनल मुकाबला 25 अप्रैल 2026 को हुआ। जिसमें एसआर इंटरनेशनल के कप्तान अभिमन्यु श्रीवास्तव ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन विद्या वर्ल्ड के गेंदबाजों के आगे एसआर इंटरनेशनल की बल्लेबाजी बिखर गई। एसआर ने 7 विकेट के नुकसान पर निर्धारित 20 ओवर में 93 रन बनाए। इसमें पांशुल (33 रन, 49 गेंद, 5 चौके, 1 छक्का), आर्यन चंद्रा (10 रन, 12 गेंद, 2 चौके), अथर्व (21 रन, 24 गेंद, 3 चौके) और अतिरिक्त के रूप में मिले 15 रनों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। टूर्नामेंट जीतने के लिए उतरी विद्या वर्ल्ड की टीम ने 10.4 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसमें अंकित नागर ने (58 रन, 36 गेंद, 9 चौके, 1 छक्का) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्या वर्ल्ड ने 8 विकेट से मैच जीत कर श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में छठी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एक छक्के और 9 चौकों की मदद से 36 गेंदों पर 58 रन बनाने वाले विद्या वर्ल्ड के अंकित नागर फाइनल मैच में मैन आफ द मैच बने। टूर्नामेंट के 4 मैचों में सर्वाधिक 12 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज शिवांश मिश्रा को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुना गया। जबकि टूर्नामेंट के 3 मैच में 153.79 के औसत से एक शतक के साथ 223 रन बनाने वाले बेदी इंटरनेशनल के विशाल को टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन की ट्राफी प्रदान की गई। टूर्नामेंट के 3 मैच में 10 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज शिवांग श्रीवास्तव ने बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी हासिल की।

सेमी फाइनल 01 (मैच 19)

मैच- सोबती पब्लिक स्कूल बनाम एसआर इंटरनेशनल, **टास**- एसआर इंटरनेशनल ने टास जीत कर 154/3 (20 ओवर), 18.3 ओवर में 71 रन बना पाई सोबती की टीम, **नतीजा**- एसआर इंटरनेशनल की 83 रन से जीत, **मैन आफ द मैच**- एसआर इंटरनेशनल के अभिमन्यु श्रीवास्तव (41 गेंदों पर 34 रन, दो विकेट)

सेमी फाइनल 02 (मैच 20)

मैच- विद्या वर्ल्ड वनाम बासुबरल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, **टास**- विद्या वर्ल्ड ने टास जीत कर 210/4 रन बनाए। बासुबरल की टीम 79 रन (13 ओवर) बना सकी।, **नतीजा**- विद्या वर्ल्ड की 131 रन से जीत, **मैन आफ द मैच**- विद्या वर्ल्ड के शिवांश मिश्रा चार विकेट

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट में शामिल टीमें

ग्रुप-ए- दिल्ली पब्लिक स्कूल, एयर फोर्स स्कूल, जयपुरिया स्कूल, सोबती पब्लिक स्कूल, विद्या वर्ल्ड स्कूल, चाइल्ड केयर बिशप कोनराड स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग।

ग्रुप-बी-सेक्रेड हार्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हार्टमैन कालेज, एसआर इंटरनेशनल स्कूल, बेदी इंटरनेशनल स्कूल, कृष्णा पब्लिक स्कूल, जिंगल बेल्स पब्लिक स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग, जीआरएम।

के सफलतापूर्वक संचालन के लिए बरेली क्रिकेट एसोसिएशन और बरेली फुटबाल संघ के पदाधिकारियों का धन्यवाद दिया और उनके सहयोग पर आभार जताया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के देवांश मूर्ति, टूर्नामेंट की आयोजन समिति के प्रेसिडेंट डा.प्रभाकर गुप्ता, आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.शोभित सक्सेना और डा.पुष्पेंद्र यादव, विद्या वर्ल्ड के डायरेक्टर हर्षित अग्रवाल, विद्या वर्ल्ड के प्रिंसिपल डा. योहान कुंवर, डीपीएस की प्रिंसिपल ऋतु अरोरा, आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग के फुटबाल कोच राशिद खान, डीपीएस के फुटबाल कोच कौशल पाल, विद्या वर्ल्ड के क्रिकेट कोच विश्वजीत, मोहित यादव, एसआर इंटरनेशनल के कोच राहुल श्रीवास्तव, डा. नितिन सक्सेना, मनीष सिंह, मुहम्मद यूसुफ अंसारी, अनुज शर्मा, शंकर पाल गंगवार मौजूद रहे।

फाइनल मैचः डीपीएस को 4-0 गोल से हरा आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग चैंपियन

रौनक (गोल्डन ग्लब्स)

हर्षित साहू (गोल्डन बूट)

ऐड वे (प्लेयर ऑफ द फाइनल मैच)

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) की ओर से आयोजित श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट सीजन 2 का फाइनल मुकाबला 25 अप्रैल 2026 को आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) सीनियर विंग और डीपीएस की टीम के बीच सुबह 9.00 आरंभ हुआ। 25 मिनट तक किसी भी खिलाड़ी गोल करने में सफलता नहीं मिली। 27वें मिनट में आर्यन ने गोल कर अपनी टीम आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) सीनियर विंग को बढ़त दिलाई। दीपांशु ने 34वें मिनट में इस बढ़त को 2-0 किया और हर्षित साहू ने 36वें और 51वें मिनट में 1-1 गोल कर अंतर को 4-0 पहुंचा दिया, जो अंत तक कायम रहा और आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) सीनियर विंग ने डीपीएस को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

पहला सेमी फाइनल- डीपीएस ने चाइल्ड केयर बिशप को टाईब्रेकर में 3-2 गोल से हराया

दूसरा सेमी फाइनल- आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग ने हार्टमैन को 2-1 गोल से हराया

पहला क्वार्टर फाइनल- डीपीएस ने सोबती पब्लिक स्कूल को 4-2 से मात दी

दूसरा क्वार्टर फाइनल- हार्टमैन ने एसआर को 5-0 गोल से पराजित किया

तीसरा क्वार्टर फाइनल- आर्मी पब्लिक स्कूल सी. विंग ने 9-0 गोल से जीता

चौथा क्वार्टर फाइनल- चाइल्ड केयर ने आर्मी पब्लिक स्कूल जू.विंग ने 2-1 से हराया

एसआर (रनर टीम क्रिकेट टूर्नामेंट)

डीपीएस (रनर टीम फुटबाल टूर्नामेंट)

टॉस फुटबाल टूर्नामेंट

फुटबाल टीमें - ग्रुप- ए- डीपीएस, एयर फोर्स स्कूल, जयपुरिया स्कूल, सोबती पब्लिक स्कूल, विद्या वर्ल्ड स्कूल, चाइल्ड केयर बिशप कोनराड स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग।

ग्रुप-बी- सेक्रेड हार्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हार्टमैन कालेज, एसआर इंटरनेशनल स्कूल, बेदी इंटरनेशनल स्कूल, कृष्णा पब्लिक स्कूल, जिंगल बेल्स पब्लिक स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग, जीआरएम।

निर्भय बेनीवाल

सीताराम सक्सेना

सरफराज वली खान

डॉ. योहान कुंवर

ऋतु अरोड़ा

अमरजीत सिंह बग्गा

मून रोबिन्सन

नसीम अख्तर

फुटबाल फाइनल मैच से पहले दोनों टीमों के साथ अतिथि

तकनीकी वार्षिक उत्सव 'टेकव्योम-2026' का आयोजन

तकनीकी वार्षिक उत्सव 'टेकव्योम-2026' में विजेताओं को पुरस्कार में मिले 50 हजार रुपये

टेकव्योम में विजेता प्रतिभागी

स्कॉलरशिप वितरित

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी, बरेली में 23 अप्रैल 2026 को 'तकनीकी वार्षिक उत्सव टेकव्योम-2026 आयोजित हुआ। ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा ने विजेताओं को पुरस्कार एवं पदक देकर सम्मानित किया। प्रबंध न्यासी देव मूर्ति ने टेक व्योम-2026 के अवसर पर छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की। 'टेकव्योम-2026' में विजेताओं को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार में दिया गया। एसआरएमएस सीईटी के आडिटोरियम में श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के प्रबन्ध न्यासी देव मूर्ति ने प्रौद्योगिकी के प्रति उत्साही लोगों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और नवाचार को बढ़ावा देने वाले टेकव्योम-2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कौशल (स्किल्स) के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, सोशल मीडिया और मोबाइल के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों के प्रति भी सचेत किया। उन्होंने कहा कि 'आपका कौशल ही आपकी वास्तविक पहचान और मूल्य हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शैक्षणिक छात्रवृत्ति को बढ़ाकर 4 करोड़ करने की घोषणा की। ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति ने वर्तमान युग में ड्रोन, रडार आदि आधुनिक तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये तकनीकें न केवल सुरक्षा और निगरानी के क्षेत्र में उपयोगी हैं, बल्कि विभिन्न औद्योगिक और सामाजिक क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिकता तकनीकों की भूमिका को भी रेखांकित करते हुए कहा कि इन से रोगों की पहचान, उपचार एवं निगरानी अधिक प्रभावी और सटीक हो गई है। टैक व्योम आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी उन्नति बिश्नोई ने सभी का स्वागत किया। ईसीई द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रतिभा पटेल ने सैंड आर्ट प्रस्तुति के माध्यम से संचार के तकनीकी विकास को अत्यंत सुंदर रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अलवीरा एवं कुशाग्र ने किया। जबकि कार्यक्रम की रिपोर्ट टेक व्योम आयोजन सचिव उन्नति बिश्नोई ई द्वारा प्रस्तुत की। टेकव्योम आयोजन सचिव रितिक अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य सीईटी प्रो. डा. प्रभाकर गुप्ता, उप-प्राचार्य डा.ऋतु सिंह, निदेशक (टीडीपी) डा. अनुज कुमार, सीईटीआर के डीन डा. शैलेश सक्सेना, फार्मेसी निदेशक डा. अमित कुमार शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा. सौरभ गुप्ता, चीफ प्राक्टर ई विवेक यादव और प्राक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्यों, विभिन्न विभागों के प्रमुख, संकाय सदस्य मौजूद रहे।

'टेकव्योम-2026' में विजेता

ब्लाइंड कोडिंग- प्रथम- विनय शर्मा एवं प्रखर त्रिवेदी, द्वितीय- रुद्र प्रताप, तृतीय- लवांश गुप्ता। **यूआई बग बाश**- प्रथम- लवांश गुप्ता, द्वितीय- अक्षत भल्ला, तृतीय- रुशिल दावला। **प्राम्ट इंजीनियरिंग बैटल**- प्रथम- शिवांशु अग्रवाल, द्वितीय- सिद्धि गुप्ता, तृतीय- देव सक्सेना। **स्टार्ट अप समिट**- प्रथम कनिष्क गुप्ता, द्वितीय- वंशिका बंसल, तृतीय- वंशिका तिवारी। **सिनर्जी स्ट्रेच**- प्रथम- अभास अग्रवाल, द्वितीय- सक्षण गांधी, तृतीय- अदीबा खान। **ड्रग एंड प्लेस**- प्रथम- अनुज गंगवार एवं आदित्य, द्वितीय- केशव कुमार, तृतीय आयुश गंगवार एवं प्रिंस गुप्ता। **अल्टीमेट क्लू हंट**- प्रथम- लवांश गुप्ता, द्वितीय- विनय शर्मा, तृतीय- प्रियांश सतनानी। **सिफेर क्लैश**- प्रथम- शिवांशु अग्रवाल, द्वितीय- अनिमा मिश्रा, तृतीय- प्रियांश सतनानी। **वेब रेंगनिट**- प्रथम- शिवांग सक्सेना, द्वितीय- सत्यम, तृतीय- यश राज दोगरा। **रोबो सासर**- प्रथम- अंकित सिंह, देवाशीष सक्सेना, पंकज ठाकुर, द्वितीय- अनुज गंगवार, आदित्य, प्रिंस गुप्ता, आयुष गंगवार, तृतीय- व्योम सक्सेना, मुहम्मद तायिफ, सूर्यांश मौर्य। **ड्रोन हर्डल रेस**- प्रथम- प्रखर गुप्ता, द्वितीय- सचिन मौर्या, तृतीय- मोहम्मद तायिफ। **डीकोडिंग द वर्ल्ड**- प्रथम- प्रियांशी अग्रवाल, द्वितीय- प्रतिभा पटेल, तृतीय- केशव सिंह ग्वाल। **द इनक्रिप्टेड हंट**- प्रथम- जयंश यादव, केशव ग्वाल, द्वितीय- प्रियांशी अग्रवाल, तृतीय- मुहम्मद कैफ खान। **थिंक एंड स्पीक**- प्रथम- ऋषभ वर्मा, द्वितीय- कुशाग्र गुप्ता, तृतीय- अक्षांश अग्रवाल। **फार्मड्रा**- प्रथम- सिद्धि वालिया, द्वितीय- अंशिका कंचन, तृतीय- अनंत सिंह। **लैन वार**- प्रथम- अमन सिंह अनारिया, द्वितीय- ओम अग्रवाल, तृतीय हंश चहल। **आविष्कारक**- प्रथम- उज्ज्वल मिश्रा, द्वितीय- शुभ शर्मा, तृतीय- संदीप सिंह। **फार्मडेस्क**- प्रथम- मुहम्मद सैप अली, द्वितीय- ताजिम खान, तृतीय केशव बघेल। **आरसी कार**- प्रथम- आयुष गंगवार, द्वितीय- आदित्य श्रोती, तृतीय- मुहम्मद तायिफ। **रोबो वार**- प्रथम- अनुज गंगवार, द्वितीय- स्पर्श सक्सेना, तृतीय- सचिन। **लाइन फालोइंग रोबोट**- प्रथम- अनुज गंगवार, द्वितीय- अभय सिंह राठौर, तृतीय- शौर्य इंदवार। **ब्लाइंड बिल्डर्स**- प्रथम- आभास अग्रवाल, द्वितीय- आयुष, तृतीय- अंशिका। **नेक्स जेन माइंड्स**- प्रथम- अर्शिमान पाटिल एवं अजय गंगवार, द्वितीय- पारस शर्मा एवं विशाल गंगवार, तृतीय- बृंदा भटनागर एवं अंशिका अग्रवाल। **टेक गैलरी**- प्रथम- विजय कृष्ण दुबे, अभिषेक मौर्य, उमेश साहू, सुधांशु गंगवार, हुसैन नसीम, संजय कुमार, द्वितीय- मुहम्मद वालिद, अमान उर रहमान, अर्शउद्दीन, तृतीय- वैभव सिंह राघव, अक्षत रस्तोगी, अनिरुद्ध चौरसिया

एसआरएमएस ट्रस्ट इंस्टीट्यूशंस रनिंग क्रिकेट कप सीजन 3 आयोजित

रोमांचक मुकाबले में सीईटी चैंपियन

नाकआउट के सभी मैच जीत फाइनल में पहुंची सीईटी की टीम को मिली ट्राफी

विजेता टीम सीईटी

डॉ. एम.एस. बुटोला ने दी आदित्य सक्सेना को मैन ऑफ द टूर्नामेंट की ट्राफी

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट इंस्टीट्यूशंस रनिंग क्रिकेट कप 2026 सीजन 3 का फाइनल मैच पिछले वर्ष 2025 की तरह एसआरएमएस आईपीएस (इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल) और एसआरएमएस सीईटी (कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी) के बीच हुआ। पिछली बार की तरह ही इस बार भी अपने सभी नाकआउट मैच जीत कर सीईटी की टीम फाइनल में पहुंची। लेकिन पिछले वर्ष फाइनल में आईपीएस से हारने वाली सीईटी की टीम ने आईपीएस को इस बार 5 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्राफी अपने नाम की। फाइनल मैच में दस रन देकर दो विकेट लेने के साथ ही 23 गेंदों पर 23 रन बनाने वाले सीईटी के आलराउंडर आदित्य सक्सेना मैन आफ द मैच बने। टूर्नामेंट के 4 मैच में 109 रन बनाने और 9 विकेट लेने के लिए आदित्य सक्सेना को ही मैन आफ द टूर्नामेंट चुना गया। सीईटी के ही सूर्य प्रताप सिंह ने टूर्नामेंट के चार मैच में 9 विकेट लिए। उन्हें बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी प्रदान की गई। पिछले वर्ष इसी टूर्नामेंट में सूर्य प्रताप ने 85 रन बनाने के साथ 9 विकेट लिए थे और मैन आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी हासिल की थी। टूर्नामेंट में एसआरएमएस ट्रस्ट के कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी), इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आईएमएस), इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल (आईपीएस) की टीमों के साथ कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी एंड रिसर्च (सीईटीआर) एवं कालेज आफ नर्सिंग की संयुक्त टीम ने हिस्सा लिया। वर्ष 2024 में टूर्नामेंट के पहले सीजन में आईएमएस और 2025 में हुए दूसरे सीजन में आईपीएस की टीम ने चैंपियंस ट्राफी हासिल की थी।

एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज स्थित श्रीराम मूर्ति क्रिकेट स्टेडियम में 17 फरवरी से 20 फरवरी के बीच एसआरएमएस ट्रस्ट इंस्टीट्यूशंस रनिंग क्रिकेट कप 2026 सीजन 3 खेला गया। इसमें सीईटी की टीम ने अपने सभी तीनों नाकआउट मैच में जीत हासिल कर 6 अंक हासिल किए। तीन मैच में दो में जीत हासिल कर आईपीएस की टीम 4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। चार टीमों के बीच इन्हीं दोनों टीमों के बीच शुक्रवार (20 फरवरी) को टूर्नामेंट का डे नाइट फाइनल मैच हुआ। इसमें पहले खेलते हुए आईपीएस की टीम ने 14.2 ओवर में 90 रन बनाए। सीईटी ने 18 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 94 रन बना आसान से जीत हासिल कर ली। फाइनल मैच में सीईटी के आलराउंडर आदित्य सक्सेना ने 23 गेंदों पर 23 रन बनाने के साथ 10 रन देकर दो विकेट भी हासिल किए। आदित्य को मैन आफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के दो अन्य लीग मैच में भी आदित्य मैन आफ द मैच रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में 109 रन बनाने के साथ 9 विकेट भी हासिल किए। दूधिया रौशनी के बीच खेले गए रोमांचक मैच के बाद

- 109 रन बनाने के साथ 9 विकेट लेने वाले सीईटी के आदित्य बने मैन आफ द टूर्नामेंट
- चार मैच में 9 विकेट लेने वाले सीईटी के सूर्य प्रताप सिंह बने बालर आफ द टूर्नामेंट
- वर्ष 2025 में 85 रन बनाने के साथ 9 विकेट लेने वाले सूर्य बने थे मैन आफ द टूर्नामेंट
- दो विकेट लेने के साथ 23 रन बनाने वाले आदित्य सक्सेना बने फाइनल में मैन आफ द मैच
- टूर्नामेंट में सीईटी, सीईटीआर एवं नर्सिंग, पैरामेडिकल और आईएमएस की टीमें शामिल हुईं
- टूर्नामेंट के सभी लीग मैच जीतने के साथ फाइनल में भी अपराजेय रही सीईटी की टीम

डॉ. जसप्रीत कौर ने सूर्यप्रताप सिंह को दी बैस्ट बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी

पुरस्कार वितरण हुआ। जिसमें आईएमएस के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, आईपीएस की प्रिंसिपल डा. जसप्रीत कौर एवं सीईटी की वाइस प्रिंसिपल डा.ऋतु सिंह और सीईटीआर के डीन डा. शैलेश सक्सेना ने सीईटी के कप्तान आदित्य मौर्य को चैंपियन ट्राफी प्रदान की। इसके साथ ही आदित्य सक्सेना को फाइनल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए मैन आफ द मैच और टूर्नामेंट में आलराउंडर प्रदर्शन करने के लिए मैन आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी प्रदान की गई। सीईटी के ही सूर्य प्रताप सिंह को बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट चुना गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी, सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता ने विजेता टीम को बधाई देने के साथ ही सभी खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर डा.सोवन मोहंती, मेडिकल कालेज के डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, आईपीएस के डीएसडब्ल्यू डा. शिवांग चौधरी, नितिन सक्सेना, मनीष सिंह, अनुज शर्मा सहित सभी फैकल्टी व स्टाफ मौजूद रहा।

एसआरएमएस फाइटर ने सुपर ओवर में टीता समर कप

जून के पहले सप्ताह मे आयोजित एसआरएमएस समर कैंप के फाइनल मैच के रोमांचक मुकाबले में एसआरएमएस फाइटर ने एसआरएमएस किंग्स को सुपर ओवर में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए फाइटर की टीम ने 158 रन बनाए। एसआरएमएस किंग्स की टीम भी 158 रन ही बना पाई। लेकिन सुपर ओवर में फाइटर विजेता बने। इस मैच में मुहम्मद सैफ ने 20 रन देकर 5 विकेट हासिल किए और प्लेयर आफ द मैच बने। करन वर्मा को बेस्ट बैट्समैन आफ टूर्नामेंट और अंश कुमार को बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेट चुना गया। श्रेयांश मौर्य मैन आफ द टूर्नामेंट बने। एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने विजेता टीम के साथ अन्य सभी को ट्राफी और मेडल प्रदान किए।

एसआरएमएस ट्रस्ट इंस्टीट्यूशंस रनिंग क्रिकेट कप 2026 सीजन 3 एक नजर

मैच-1

सीईटी बनाम सीईटीआर एवं नर्सिंग। सीईटी ने 9 विकेट खोकर 154 रन बनाए। सीईटीआर एवं नर्सिंग की टीम 12 ओवर में 54 ही बना सकी। **रिजल्ट:** सीईटी ने 103 रन से मैच जीता। **मैन आफ द मैच:** अदनान अंसारी (सीईटी)

मैच-2

आईएमएस बनाम आईपीएस। आईएमएस ने 9 विकेट खोकर 112 रन बनाए। आईपीएस की टीम ने 5 विकेट पर 12.4 ओवर में 115 रन बनाकर मैच जीता। **रिजल्ट:** आईपीएस ने 6 विकेट से आईएमएस को हराया। **मैन आफ द मैच:** मोइन (आईपीएस)

मैच-3

सीईटी बनाम आईपीएस। आईपीएस ने 9 विकेट पर 127 रन बनाए। सीईटी ने तीन विकेट खोकर 15.4 ओवर में 128 रन बना मैच जीता। **रिजल्ट:** सीईटी ने आईपीएस को 7 विकेट से हराया। **मैन आफ द मैच:** आदित्य सक्सेना (सीईटी)

मैच-4

आईएमएस बनाम सीईटीआर एवं नर्सिंग। सीईटीआर एवं नर्सिंग की टीम ने 9 विकेट खोकर 167 रन बनाए। आईएमएस की टीम 18.1 ओवर में 125 ही बना सकी। **रिजल्ट:** सीईटीआर एवं नर्सिंग ने 42 रन से विजयी। **मैन आफ द मैच:** प्रसून सिंह (सीईटीआर एवं नर्सिंग)

मैच-5

सीईटी बनाम आईएमएस। सीईटी ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 173 रन बनाए। आईएमएस की टीम 19.3 ओवर में 144 रन बना सकी। **रिजल्ट:** सीईटी ने 29 रन से आईएमएस को हराया। **मैन आफ द मैच:** आदित्य सक्सेना (सीईटी)

मैच-6

आईपीएस बनाम सीईटीआर व नर्सिंग आईपीएस ने 15.2 ओवर में 100 रन बनाए। सीईटीआर व नर्सिंग की संयुक्त टीम 7 ओवर में 15 रन ही बना सकी। **रिजल्ट:** आईपीएस ने 85 रन से जीत हासिल की। **मैन आफ द मैच:** इमरान (आईपीएस)

मैच-7

(फाइनल) सीईटी बनाम आईपीएस सीईटी ने 5 विकेट खोकर 94 रन बनाए। आईपीएस की टीम 14.2 ओवर में 90 रन बना सकी। **रिजल्ट:** सीईटी ने 5 विकेट से आईपीएस को हराया। **मैन आफ द मैच:** आदित्य सक्सेना (सीईटी)

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी– 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सिक्स का शानदार समापन

चैंपियन ट्रॉफी के साथ एमडीसीए को 2 लाख रुपये नकद

एमडीसीए ने आईके नेक्स्ट जनरेशन को 6 विकेट से हरा कर जीती खिताबी जंग

श्रीराम मूर्ति मैमोरियल टी-20 प्राइज मनी टूर्नामेंट विजेता एमडीसीए की टीम

बरेली: मेरठ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (एमडीसीए) ने आईके नेक्स्ट जनरेशन को 6 विकेट से पराजित कर श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी– 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सिक्स में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 12 अप्रैल की रात हुए फाइनल मैच में आईके नेक्स्ट जनरेशन से मिले लक्ष्य 155 रन को 15.4 ओवर में सिर्फ 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर एमसीडीए की टीम विजेता बनी। फाइनल मैच में 35 गेंदों पर 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 रन बनाने वाले एमडीसीए के बल्लेबाज ऋतुराज शर्मा मैन आफ द मैच रहे। टूर्नामेंट में 233.11 की स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतकों के साथ 345 रन बनाने के साथ एक विकेट लेने वाले ऋतुराज शर्मा को ही टूर्नामेंट का बेस्ट प्लेयर घोषित किया गया। टूर्नामेंट के पांच मैच में 10 विकेट लेने वाले एमडीसीए के गेंदबाज अंकुर शर्मा बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट और टूर्नामेंट की पांच इनिंग में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ 271 रन बनाने वाले एमडीसीए के हर्ष त्यागी बेस्ट बैट्समैन आफ द टूर्नामेंट बने। टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह, विशिष्ट अतिथि पीएनबी के सर्किल हेड रंजीत चौधरी, ब्रांच मैनेजर अंकित भारद्वाज, एलआईसी के मैनेजर पीसी बिष्ट, ब्रांच मैनेजर मनोज कुमार, मैनेजर कौशल ज्योति, स्वास्तिक मार्वल के निखिल अग्रवाल, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति, सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता ने विजेता टीम एमडीसीए को 2 लाख रुपये के साथ चैंपियन ट्राफी प्रदान की। उप विजेता टीम आईके नैक्स्ट जनरेशन को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला। प्लेयर आफ द टूर्नामेंट को 11 हजार रुपये, बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बालर को भी 5100– 5100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह ने विजेता और उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को बधाई दी।

टूर्नामेंट में मुकेश चंद्र मिश्रा (एसपी नार्थ) शिवम आशुतोष (सीओ हाईवे), डा.अतुल कुमार श्रीवास्तव (अध्यक्ष आईएमए बरेली), डा.राजीव गोयल, विनय खंडेलवाल, मयूर धीरवानी (प्रेसीडेंट, आईआईए), राजेश गुप्ता (प्रेसीडेंट चैंबर आफ कामर्स), आशीष खंडेलवाल (डायरेक्टर बीएल एग्रो), सीताराम सक्सेना (सेक्रेटरी बीसीए), ओपी कोहली (ज्वाइंट सेक्रेटरी बीसीए), संतोष कुमार गुप्ता (डिप्टी रीजनल मैनेजर बीओबी), राजीव

- फाइनल में पहले खेलते हुए आईके नेक्स्ट ने बनाए 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 रन
- 15.4 ओवर में 4 विकेट खोकर एमडीसीए ने हासिल किया विजयी लक्ष्य, बनी चैंपियन
- 35 गेंदों पर 61 रन बनाने वाले एमडीसीए के बल्लेबाज ऋतुराज बने मैन आफ द मैच
- 345 रन बनाने के साथ एक विकेट लेने वाले ऋतुराज को ही चुना गया टूर्नामेंट का बेस्ट प्लेयर
- 271 रन बनाने वाले एमडीसीए के हर्ष त्यागी बने बेस्ट बैट्समैन आफ द टूर्नामेंट
- टूर्नामेंट में 10 विकेट लेकर एमडीसीए के अंकुर शर्मा चुने गये बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट
- आईके नेक्स्ट जनरेशन को उपविजेता के रूप में मिला एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार

उद्घाटन

डॉ. उमेश गौतम

आदित्य मूर्ति जी

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सिक्स टूर्नामेंट सीजन सिक्स का उद्घाटन

जीवन में सफलता के लिए अहंकार से दूर रहना जरूरीः डा. उमेश गौतम
टी-25 फार्मेट में होगा प्राइज मनी टूर्नामेंट का अगला सीजनः देव मूर्ति

एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 3 अप्रैल 2026 को श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के छठवें सीजन का शानदार आगाज हुआ। मुख्य अतिथि महापौर डा.उमेश गौतम ने एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति की गेंद पर शाट खेल कर विधिवत रूप से मैच के आरंभ होने की घोषणा की और टूर्नामेट की ट्राफी का अनावरण किया। श्रीराम मूर्ति स्मारक इंजीनियरिंग कालेज स्थित एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में महापौर डा. गौतम ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और खेलों से सीख लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट ऐसा खेल है जिसे खेलने वाले के जीवन में जीतने के शक्ति आ जाती है। वह हर काम में सफलता हासिल करने में सक्षम हो जाता है। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 20-20 ओवर के स्थान पर प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट का अगला सीजन टी-25 फार्मेट में होने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अहंकार से दूर रहने वाला व्यक्ति सफल होता है और सभी लोग उसे याद रखते हैं। खेलों से भी यही सीख मिलती है। एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी एवं बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सीताराम सक्सेना का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति ने बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट इनामी राशि भी इस बार बढ़ाई है। पिछले वर्ष 2025 में विजेता टीम को ट्राफी के साथ एक लाख हजार रुपये और रनरअप टीम को ट्राफी के साथ 51 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया था, जबकि इस बार विजेता टीम को दो लाख रुपये और रनर अप टीम को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार रखा गया है। आदित्य ने बरेली में विकसित हो रहे क्रिकेट के लिए सभी क्रिकेट प्रेमियों और बरेली क्रिकेट एसोसिएसन को बधाई दी। कहा कि एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी में इस समय दो सौ से ज्यादा बच्चे क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसमें 25 से ज्यादा लड़कियां भी शामिल हैं। इनके लिए अलग से कोच रखा गया है।

उद्घाटन

खिलाड़ियों से परिचय

चेयरमैन देव मूर्ति जी

डॉ. उमेश गौतम

उद्घाटन मैच | अमरोहा पर एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी की दस रन से जीत

श्रीराम मूर्ति स्मारक इंजीनियरिंग कालेज स्थित एसआरएमएस क्रिकेट स्टेडियम में 3 अप्रैल 2026 को पहला मैच ग्रुप- बी की एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी और बजाज टेक्सटाइल अमरोहा की टीमों के बीच हुआ। इसमें एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के कैप्टन आदर्श शर्मा ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और टीम ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 162 रन बनाए। इसमें 26 गेंदों सामना करते हुए 7 चौके और 2 छक्के की मदद से विश्वेंद्र चौधरी ने टीम की ओर से सर्वाधिक 50 रन बनाए। बजाज टैक्सटाइल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 18 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 18.4 ओवर में 152 रन बना सकी। नतीजा एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी ने 10 रन से मैच जीत लिया। एसआरएमएस की ओर से अनुज शर्मा ने 3.4 ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सौरभ और अभिषेक ने 2-2 विकेट लिए। आक्रामक अर्धशतक लगाने वाले एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी के विश्वेंद्र को मैन आफ द मैच चुना गया।

श्रीवास्तव (ब्रांच मैनेजर बीओबी), दीपेंद्र कमथान (सेक्रेटरी, टेबल टेनिस एसोसिएशन बरेली), इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.शैलेश सक्सेना, डा.एमएस बुटोला, डा.आरपी सिंह, डा.जसप्रीत कौर, डा.मुथ्थु महेश्वरी, डा.अनुज कुमार, डा.अमित शर्मा, श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सिक्स आयोजन समिति के सचिव डा.नितिन सक्सेना, मनीष सिंह, रविंदर, शंकर पाल, अनुज शर्मा, युसुफ अंसारी, टूर्नामेंट आर्गनाइजिंग कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

की नजर

ग्रुप ए – आईके कलेक्शन बरेली, एसएनएस बुलंदशहर, जीएसटी आरसीसी इलेवन बरेली। **ग्रुप बी** – एसआरएमएस क्रिकेट एकेडमी बरेली, बजाज टेक्सटाइल अमरोहा, 22 यार्ड्स पीलीभीत। **ग्रुप सी** – मेरठ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन, मनीष शर्मा स्पोर्ट्स फेडरेशन दिल्ली, एसआरएमएस किंग्स बरेली। **ग्रुप डी**–आईके नेक्स्ट जनरेशन बरेली, तेजस्वी स्पोर्ट्स मेरठ, जीका इलाहाबाद।

पहला सेमी फाइनल – बजाज टेक्सटाइल अमरोहा को 34 रन से हरा कर मेरठ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (एमडीसीए) फाइनल में। एमडीसीए ने 6 विकेट के नुकसान पर 243 रन बनाए। बजाज टेक्सटाइल अमरोहा 209 रन ही बना पाई।

दूसरा सेमी फाइनल – एसएनएस बुलंदशहर को 73 रन से मात देकर आईके नेक्स्ट जनरेशन की टीम फाइनल में पहुंची। आईके नेक्स्ट ने 8 विकेट पर 212 रन बनाए। एसएनएस बुलंदशहर निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 139 रन ही बना सकी।

अतिथियों का स्वागत

अविनाश सिंह (डीएम, बरेली)

मुकेश चन्द्र मिश्रा (एसपी, नॉर्थ)

शिवम आशुतोष (आईपीएस)

रंजीत चौबे (सर्किल हेड पीएनबी)

मनोज कुमार (एलआईसी)

पीसी बिष्ट (एलआईसी)

ऋतु राज
(मैन ऑफ द सीरीज)

ऋतु राज
(मैन ऑफ द फाइनल मैच)

आईके नेक्स्ट
(रनर अप
टी-20 क्रिकेट)

हर्ष त्यागी
(बेस्ट बैट्स मैन ऑफ टूर्नामेंट)

अंकुर शर्मा
(बेस्ट बॉलर ऑफ टूर्नामेंट)

एसआरएमएस सीईटीआर में दो दिवसीय स्पंदन 2026 'उत्सर्ग' आयोजित

व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम जरूरी: आदित्य

स्पदंन के ग्रुप डांस स्पर्धा में विजेता ट्रॉफी के साथ आईपीएस टीम

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी एण्ड रिसर्च (एसआरएमएस सीईटीआर) में दो दिवसीय (27-28 मार्च 2026) सांस्कृतिक फेस्ट स्पंदन 2026 'उत्सर्ग' आयोजित हुआ। एसआरएमएस सीईटीआर एवं एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग के संयुक्त तत्वावधान में 'उत्सर्ग- वेयर हार्ट परफॉर्मस एण्ड सोल आफर्स' थीम पर आधारित हुए इस फेस्ट की ग्रुप डांस प्रतियोगिता में आईपीएस और बैंड ओ मेनिया में सीईटी की टीम विजेता रही। मूवी स्पूफ में सीईटीआर विनर और नर्सिंग को रनर अप की ट्राफी मिली। फैशन शो में सीईटीआर की माहीन खान और आईपीएस के सार्थक सैनी अपने अपने वर्गों में विजेता रहे। जबकि आईपीएस की अदिति एवं सीईटीआर के अरिजित भटनागर को दूसरा स्थान मिला। इसी तरह आईपीएस की सत्तची और आईपीएस के ही प्रशांत वाजपेई को तीसरा स्थान मिला।

- ग्रुप डांस प्रतियोगिता में आईपीएस और बैंड ओ मेनिया में सीईटी की टीम विजेता
- फैशन शो में सीईटीआर की माहीन खान और आईपीएस के सार्थक सैनी विजेता
- आईपीएस की अदिति एवं सीईटीआर के अरिजित भटनागर को मिला दूसरा स्थान
- 'उत्सर्ग' में फैशन शो, ग्रुप डांस, डीजे नाइट सहित 16 से ज्यादा इवेंट आयोजित
- आर्ट गैलरी में अपने पोस्टर से विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने सभी विजेताओं को ट्राफी और सर्टिफिकेट के साथ पुरस्कार राशि प्रदान की। सीईटीआर के आडिटोरियम में 27 मार्च को एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने स्पंदन 2026 'उत्सर्ग' के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने स्पंदन 2026 'उत्सर्ग' के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल उत्सवों को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि सभी में कोई न कोई विशेषता होती है। इस विशेष प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्पंदन 2026 'उत्सर्ग' भी ऐसा ही आयोजन है। पढ़ाई और करियर के साथ यह भी जरूरी है। आर्ट गैलरी में अपने पोस्टर के माध्यम से विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इससे पहले 'केयरिंग हैंड' की अध्यक्षा हरमनदीप कौर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें इस सांस्कृतिक उत्सव के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। वर्व के सेक्रेटरी वैभव पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन समारोह का संचालन शिखर मेहरोत्रा और माहीन खान ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्टी देविशा मूर्ति, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, एसआरएमएस सीईटीआर के डीन एकेडेमिक्स डा.शैलेश सक्सेना, नर्सिंग प्रिंसिपल डा.मुथु महेश्वरी, सीईटी के प्राचार्य डा.प्रभाकर गुप्ता, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा.अनुज कुमार, फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर डा. अमित कुमार शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.केके अग्रवाल, डा. पारसराम सहित ट्रस्ट से सम्बद्ध महाविद्यालयों के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष, मुख्य निरीक्षक, प्राध्यापक, स्टाफ एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं की उपस्थिति रहीं।

13वां श्रीराम मूर्ति मेमोरियल फर्स्ट यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट का समापन

अंडर 19, अंडर 17, अंडर 15, अंडर 13 वर्ग में लक्ष्य चैंपियन

वुमन्स में गाजियाबाद की आरती चौधरी और मेन्स में सहारनपुर के अंश सभरबाल चैंपियन

टेबिल टेनिस टूर्नामेंट में चैंपियन खिलाड़ियों के साथ जिला टेबिल टेनिस एसोसिएशन के पदाधिकारी व अन्य अतिथि

- गाजियाबाद की अनिका अंडर-19 में और आयुषि अंडर-17 में विजेता
- अंडर-15 में अंशिका गुप्ता को हराकर आगरा की पहल गुप्ता बनी विजेता
- अंडर-13 में आगरा की फातिमा को हरा प्रयागराज की अंशिका गुप्ता बनी विजेता
- अंडर-11 में आगरा की वेदांशी, अंडर-11 में लखनऊ के प्रनीत विजेता
- तीन दिवसीय टूर्नामेंट में 12 कैटेगरी में शामिल हुए 25 जिलों के 425 खिलाड़ी
- विजेता को मिले 3000, उपविजेता को 2000 और सेमीफाइनलिस्ट को 1000 रूपये
- एसआरएमएस सीईटी स्थित इनडोर स्टेडियम में खेले गए सभी 725 मुकाबले

बरेली: वर्ष 2025 में 12वें श्रीराम मूर्ति मेमोरियल टेबल टेनिस टूर्नामेंट की वुमन्स चैंपियन गाजियाबाद की आरती चौधरी ने इस वर्ष 13वें श्रीराम मूर्ति मेमोरियल एवं फर्स्ट यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट की वुमन्स कैटेगरी में भी खिताब जीता। मेन्स कैटेगरी में पिछले वर्ष 2025 की ही कहानी इस बार भी दोहराया गई। पिछले वर्ष के मेन्स के उप विजेता गाजियाबाद के सार्थ मिश्रा इस बार भी दूसरे स्थान पर रहे। फाइनल में सार्थ को सहारनपुर के अंश सभरवाल से 4-11, 11-6, 7-11, 11-7, 11-7 प्वाइंट्स से हार का सामना करना पड़ा। पिछले वर्ष 2025 में इसी टूर्नामेंट में कैडेट बायज (अंडर 13) में विजेता और सब जूनियर बायज (अंडर 15) में रनर अप रहने वाले लखनऊ के लक्ष्य कुमार इस बार टूर्नामेंट की सनसनी बन कर उभरे। उन्होंने अंडर 19, अंडर 17, अंडर 15 और अंडर 13 वर्ग में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को पराजित कर चार वर्गो में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। पिछले वर्ष कैडेट गर्ल्स (अंडर 13) में विजेता रही प्रयागराज की अंशिका गुप्ता इस बार भी इसी वर्ग में विजेता रहीं। टूर्नामेंट में विजेता को 3000, उपविजेता को 2000 और सेमीफाइनलिस्ट को 1000 नकद पुरस्कार के साथ ट्राफी और सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। यूपीटीटीए के सेक्रेटरी अरुण बनर्जी और श्रीराम मूर्ति कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के डीन डा. प्रभाकर गुप्ता, टूर्नामेंट डायरेक्टर एनके लाहिरी, चीफ रेफरी अमित सिंह, डिप्टी रेफरी प्रमोद यादव, डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर के सेक्रेटरी श्याम कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी और नकद पुरस्कार प्रदान किया। एसआरएमएस सीईटी परिसर स्थित इनडोर स्टेडियम में पांच जून को शानदार उद्घाटन के साथ 13वां श्रीराम मूर्ति मेमोरियल फर्स्ट यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट आरंभ हुआ। 'स्टैग ग्लोबल' द्वारा प्रायोजित, उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन (UPTTA) के तत्वावधान में जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन, बरेली द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा ने फीता काटकर किया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव

उद्घाटन

फाइनल में यह रहा परिणाम

अंश सभरवाल

लक्ष्य कुमार

प्रनीत अग्रवाल

मेन्स फाइनल- अंश सभरवाल (सहारनपुर) ने सार्थ मिश्रा (गाजियाबाद) को 4-11, 11-6, 7-11, 11-7, 11-7 अंकों से हराया।

वुमन्स फाइनल- आरती चौधरी (गाजियाबाद) ने अंबिका गुप्ता (प्रयागराज) को 11-8, 11-8, 11-3 अंकों से पराजित किया।

यूथ बायज (अंडर 19)- लक्ष्य कुमार (लखनऊ) ने गर्व सिंगला (गौतमबुद्ध नगर) को 7-11, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अंकों से पराजित किया।

यूथ गर्ल्स (अंडर 19)- अनिका गुप्ता (गाजियाबाद) ने वान्या बंसल (आगरा) को 13-11, 11-6, 13-11 अंकों से पराजित किया।

जूनियर बायज (अंडर 17)- लक्ष्य कुमार (लखनऊ) ने विख्यात कटियाल (मुरादाबाद) को 9-11, 7-11, 11-6, 11-6, 11-5 अंकों से पराजित किया।

जूनियर गर्ल्स (अंडर 17)-आयुषि सिंघला (गौतम बुद्ध नगर) ने अनोखी केशरी (वाराणसी) को 12-10, 11-8, 11-5 अंकों से हराया।

सब जूनियर बायज (अंडर 15)- लक्ष्य कुमार (लखनऊ) ने शौर्य गोयल (लखनऊ) को 11-3, 11-8, 11-5 अंकों से हराया।

सब जूनियर गर्ल्स (अंडर 15)- पहल गुप्ता (आगरा) ने अंशिका गुप्ता (प्रयागराज) को 6-11, 11-7, 13-11, 5-11, 11-0 अंकों से पराजित किया।

कैडेट बायज (अंडर 13)- लक्ष्य कुमार (लखनऊ) ने विक्रम दुबे (गाजियाबाद) को 11-9, 6-11, 11-6, 11-5 अंकों से हराया।

कैडेट गर्ल्स (अंडर 13)- अंशिका गुप्ता (प्रयागराज) ने इनाया फातिमा (आगरा) 11-1, 11-7, 6-11, 11-3 अंकों से पराजित किया।

होप्स बायज (अंडर 11)- प्रनीत अग्रवाल (लखनऊ) ने एचएस मोहाल (गौतम बुद्ध नगर) को 11-7, 11-7, 11-4 अंकों से हराया।

होप्स गर्ल्स (अंडर 11)- वेदांशी पोद्दार (आगरा) ने किमायरा (आगरा) को 13-15, 11-4, 11-8, 11-7 अंकों से पराजित किया।

आरती चौधरी

अनिका गुप्ता

पहल गुप्ता

लक्ष्य कुमार

श्रद्धा सुमन

आयुषि सिंघला

अंशिका गुप्ता

वेदांशी पोद्दार

पहला राष्ट्रीय पदक जीतने पर यूपी टीटी टीम एसआरएमएस में सम्मानित

श्रद्धा सुमन

बरेली: 13वें श्रीराम मूर्ति मेमोरियल फर्स्ट यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट के दौरान एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज में 6 जून को यूपी की महिला टेबल टेनिस टीम के सदस्यों को सम्मानित करने के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। इसमें महिला टीम की पांचों सदस्य आरती चौधरी, अवनी त्रिपाठी, दिशा, अंबिका गुप्ता और एलोना मिश्रा को 6000-6000 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। नेशनल विमेंस डबल्स में कांस्य पदक जीतने वाली आरती चौधरी और अवनी त्रिपाठी को 15000-15000 रुपये की राशि अलग से दी गई। महिला टीम के कोच पराग अग्रवाल और सौरभ पोद्दार को भी 5000-5000 की राशि से सम्मानित किया गया। बरेली टेबल टेनिस एसोसिएशन ने भी प्रत्येक खिलाड़ी और कोच को 5000-5000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति, यूपीटीटीए के सेक्रेटरी अरुण बनर्जी, निर्मोय मित्रा ने पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान यूपीटीटीए के ट्रेजरार राजेश सिंह, संयुक्त सचिव सर्वेश कुमार, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट योगेंद्र गौतम, चेयरमैन टेक्निकल कमेटी एनके लाहिरी, डा.नितिन सक्सेना और शंकर पाल मौजूद रहे।

आदित्य मूर्ति, बरेली टेबल टेनिस संघ के सचिव दीपेंद्र कमथान, चीफ रेफरी अमित सिंह, टूर्नामेंट डायरेक्टर एनके लाहिरी, टूर्नामेंट के डिप्टी रेफरी प्रमोद यादव, नेशनल टीम के कोच पराग अग्रवाल और इंजीनियरिंग कालेज के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, आईएमएस के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने दीप प्रज्वलित किया। उद्घाटन समारोह के बाद मेंस और विमेंस सिंगल्स, यूथ ब्वायज और गर्ल्स (अंडर 19), जूनियर बायज और गर्ल्स (अंडर 17), सब जूनियर बायज और गर्ल्स (अंडर 15), कैडेट बायज और गर्ल्स (अंडर 13), होप्स बायज और गर्ल्स (अंडर 11) जैसे 12 वर्गों में स्पर्धाएं आरंभ हुईं। डा.दीपेंद्र कमथान ने भी टूर्नामेंट के शानदार आयोजन के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट का आभार जताया। उद्घाटन समारोह में आदित्य मूर्ति ने खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन बरेली के पदाधिकारियों का स्वागत किया और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एसआरएमएस में प्रति वर्ष टूर्नामेंट आयोजित करवाने के लिए डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन बरेली और उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन का आभार जताया। टूर्नामेंट के कन्वीनर डा.पुष्पेंद्र यादव ने उद्घाटन समारोह में सभी अतिथियों का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन समारोह का संचालन साक्षी गोयल ने किया। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर के सेक्रेटरी श्याम कुमार, मृदुल खिललानी, टूर्नामेंट के कन्वीनर डा.पुष्पेंद्र यादव, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर डा.अमित कुमार शर्मा, चीफ प्रोक्टर डा.विवेक यादव, सौरभ गुप्ता, टूर्नामेंट आयोजन कमेटी के सदस्य , फैकेल्टी मेंबर्स भी मौजूद रहे।

रिद्धिमा के पांचवें स्थापना दिवस पर देव मूर्ति जी ने किया श्रीराम मूर्ति जी को याद

स्थापना दिवस पर फोटोग्राफी और पेंटिंग प्रदर्शनी

चेयरमैन देव मूर्ति जी ने फोटोग्राफी और पेंटिंग प्रदर्शनी के विजताओं एवं विद्यार्थियों को किया सम्मानित

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा के पांचवें स्थापना दिवस पर आठ फरवरी को फाइन आर्ट्स की ओर से पेंटिंग वर्कशाप 'द गोल्डन स्ट्रोक' और विजुअल आर्ट्स की तरफ से फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'नजरिया' का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन कानपुर विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डा. नीलिमा गुप्ता जी ने किया। पेंटिंग प्रदर्शनी 'द गोल्डन स्ट्रोक' में सोनिया कोहली और फोटोग्राफी प्रदर्शनी नजरिया में हर्षित को पहला स्थान मिला। दूसरे और तीसरे स्थान पर चुने गए प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। स्थापना दिवस पर रिद्धिमा के विद्यार्थियों को भी प्रशंसा पत्र दिए।

रिद्धिमा के स्थापना दिवस पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री समाजसेवी श्रीराम मूर्ति जी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज बाबू जी की 116वीं जयंती है। उनकी याद में स्थापित रिद्धिमा के विभिन्न कोर्स में 5 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक के विद्यार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। अब तक यहां सभी विधाओं में एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी प्रशिक्षण ले चुके हैं। यह सब आप सभी कलाप्रेमियों के विश्वास की बदौलत ही संभव हुआ है।

पेंटिंग प्रदर्शनी

मुख्य अतिथि डॉ. नीलिमा गुप्ता को सम्मानित करते चेयरमैन देव मूर्ति जी

स्थापना दिवस पर गायन प्रस्तुति देती डॉ. रजनी, इन्दु परडल, डॉ. रीता शर्मा

इससे पहले मां शारदे की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ स्थापना दिवस कार्यक्रम आरंभ हुआ। गायन गुरुओं ने सरस्वती वन्दना और संस्थान गीत को अपनी आवाज दी। कथक के गुरुओं के साथ विद्यार्थियों ने समर्पण के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कथक और भरतनाट्यम गुरुओं और शिष्यों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। थिएटर गुरु विनायक श्रीवास्तव और उनके विद्यार्थियों ने हास्य नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इंस्ट्रूमेंट, वोकल, पेंटिंग और फोटोग्राफी प्रदर्शनी नजरिया को सभी दर्शकों ने सराहा। स्थापना दिवस कार्यक्रम का संचालन डा. अनुज कुमार ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत किया और पिछले वर्ष में हासिल रिद्धिमा की उपलब्धियों की भी जानकारी दी। स्थापना दिवस समारोह में आदित्य मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, देविशा मूर्ति जी, उषा गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा. शैलेश सक्सेना, डा. जसप्रीत कौर, डा. रीटा शर्मा, डा. आशीष कुमार, अजीत सक्सेना, विनीत वर्मा, सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाल एवं युवा महोत्सव में गायन, नृत्य, वादन, थिएटर चित्रकला, फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं आयोजित

स्वरांजलि

इलैक्ट्रिका

बरेली: बच्चों और युवाओं के चहुंमुखी विकास के साथ उन्हें ललित कलाओं से जोड़ने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से रिद्धिमा में 17 अप्रैल से लेकर 24 मई के बीच बाल एवं युवा महोत्सव का आयोजन हुआ। इसमें एकल गायन प्रतियोगिता (स्वरांजलि), नृत्य प्रतियोगिता (कल के कलाकार), वादन प्रतियोगिता- इलेक्ट्रिका (द बैंड वार), थिएटर प्रतियोगिता (स्टेज स्पार्क), चित्रकला वर्कशाप एवं प्रतियोगिता (रंगोदय), फोटोग्राफी वर्कशाप एवं प्रतियोगिता (इंस्ट्रा रील्स) हुई। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी और ऋचा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। महोत्सव 17 अप्रैल 2026 को सिंगिंग कंपटीशन (स्वरांजलि) के जूनियर वर्ग में हार्टमैन कालेज के स्वरित तिवारी को प्रथम, रिद्धिमा के अतिशय गोयल को द्वितीय, एसआर इंटरनेशनल के अर्णव त्रिवेद और रिद्धिमा के अर्णव कनौजिया को तृतीय पुरस्कार मिला। बीबीएल पब्लिक स्कूल की बख्शीश कौर और द गुरु स्कूल की अग्रिमा को स्पेशल मेंशन प्राइज मिला। सीनियर वर्ग में रिद्धिमा की शालिनी पांडे प्रथम, गीतू अरोड़ा द्वितीय और चंदन मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। बाल एवं युवा महोत्सव में सोलो डांस कंपटीशन 'कल के कलाकार' का आयोजन 24 अप्रैल 2026 करो हुआ। इस के जूनियर वर्ग में हार्टमैन कालेज क आद्या पटेल को पहला, रिद्धिमा की गुरनूर कौर को दूसरा और सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र की पीहू चौधरी को तीसरा पुरस्कार मिला। डांस कृति इंस्टीट्यूट की अव्यन और जीआरएम स्कूल की पाखी रस्तोगी को विशेष उल्लेखनीय प्रतिभा पुरस्कार मिला। सीनियर वर्ग में रिद्धिमा की माही कटारिया को पहला, रिद्धिमा की नित्या जैन को दूसरा और गौतम बुद्ध विवि की त्वरा आर्या को तीसरा पुरस्कार मिला। 15 मई 2026 को वर्कशाप के साथ कंपटीशन रंगोदय का आयोजन हुआ। फाइन आर्ट गुरु सौरव रस्तोगी ने वर्कशाप में बच्चों को पेंटिंग की विभिन्न तकनीकों, रंगों के संयोजन एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही बच्चों की बनाई पेंटिंग को भी प्रतियोगिता में शामिल किया। इस में हार्टमैन कालेज की वंशिका कपूर की पेंटिंग को पहला स्थान मिला। दूसरे स्थान पर जीआरएम के अर्श प्रजापति की पेंटिंग और तीसरे स्थान पर नारायण ई टेक्नो स्कूल की काश्वी की पेंटिंग को चुना गया। हावी टाउन इंस्टीट्यूट की सृजना ग्वाल और एसआर इंटरनेशनल स्कूल के अम्मार अकरम की पेंटिंग को सांत्वना पुरस्कार मिला। पुरस्कार वितरण समारोह में देविशा मूर्ति जी, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. आशीष कुमार, डा. रीता शर्मा एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कल के कलाकार (जूनियर वर्ग)

कल के कलाकार (सीनियर वर्ग)

स्टेज स्पार्क

कुचिपुड़ी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

विजयंती काशी

एसआरएमएस रिद्धिमा आडिटोरियम में 25 अप्रैल 2026 को कुचिपुड़ी नृत्य का विशेष कार्यक्रम हुआ। जिसमें प्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यांगना गुरु विजयन्ती काशी ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। उनकी पुत्री प्रतीक्षा काशी ने नट्ठवंगम प्रस्तुत कर कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया। उनकी प्रस्तुति में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा और भावनात्मक गहराई स्पष्ट रूप से झलक रही थी। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति, ट्रस्टी आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, देविशा मूर्ति, डा. अनुज कुमार एवं डा. प्रभाकर गुप्ता सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरुणा गंगवार ने किया।

1 फरवरी 2026

श्री शारदा उत्सव में भरतनाट्यम के गुरुजनों और विद्यार्थियों का अद्भुत प्रदर्शन

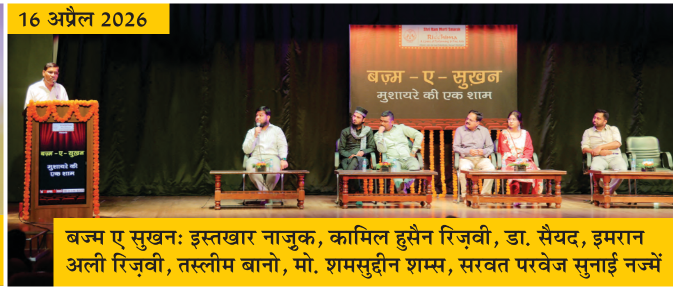

16 अप्रैल 2026

बज़्म ए सुखन: इस्तखार नाज़ुक, कामिल हुसैन रिज़्वी, डा. सैयद, इमरान अली रिज़्वी, तस्लीम बानो, मो. शमसुद्दीन शम्स, सरवत परवेज सुनाई नज़्में

15 फरवरी 2026

नाटक दूल्हा भाई में गलतफहमियों और हास्य का ताना-बाना

22 फरवरी 2026

फाल्गुन की फुहार 'रंग रसिया'- गायन एवं वादन के गुरुओं और विद्यार्थियों की प्रस्तुति

03 मई 2026

नाटक श्याम कली का जादू ने बिखेरा हंसी का जादू

5 अप्रैल 2026

भरतनाट्यम के गुरुजनों और विद्यार्थियों का अमृत मंथन

19 अप्रैल 2026

रिद्म एंड बीट्स से किया गायिका आशा जी को याद

29 मार्च 2026

कोमल गांधार' गांधारी ने बांधी अपनी आंखों पर पट्टी

15 मार्च 2026

अभिलाषा' में कथक गुरुओं और विद्यार्थियों ने दर्शकों का मन मोहा

08 मार्च 2026

नाटक तीन थे भाई में अभिनय में सफलता का संघर्ष

26 अप्रैल 2026

नाटक पौलस्त्य में रावण के अनकहे पहलू उजागर

19 फरवरी 2026

साहित्य सरिता: कवि उमेश त्रिगुणायत, हिमांशु श्रोत्रिय, डा. केपी सिंह, विकल बहराइची, दीपा विरमानी, पीके दीवाना और डा संजय गुप्ता

24 मई 2026

साहित्य सरिता: डा. अनुज कुमार, डा. संजना साईमन, प्रभाकर सक्सेना, मनोज वर्मा, विकास आर्य, सीमा सागर शर्मा ने किया मंत्रमुग्ध

17 मई 2026

नृत्य नाटिका जोधा अकबर में प्रेम आस्था और सांस्कृतिक समन्वय

31 मई 2026

'साँच' में दिखी सामाजिक चेतना

10 मई 2026

गजल संध्या में गायकों की प्रस्तुति पर झूमें श्रोता

14 जून 2026

ब्रोकन चेयर में दोस्ती पर मोह, अधिकार और स्वामित्व भारी

चित्रकारी

7 जून 2026

मेहा बरसे में भरतनाट्यम, मोहिनीयट्टम और कथक की त्रिवेणी

25 जून 2026

बज़्म ए सुखन में इमरान सैदपुरी, तस्लीम बानो, सरवत परवेज़ सहसवानी, मिर्ज़ा मख़्दूम बेग बरेलवी और सुरेन्द्र नाज़ बदायुंनी ने अपने कलाम से किया रोमांचित

28 जून 2026

द प्रपोजल्स में रिश्तों में अहंकार, जटिलता और प्रेम

22 मार्च 2026

सम्पूर्ण भैरवी

21 जून 2026

कोमल निषाद में गूंजे मधुर सुर

एसआरएमएस सीईटी में दो दिवसीय खेल महोत्सव आमोद 2026 आयोजित

25 पदक के साथ सीईटी बना आमोद 2026 चैंपियन

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विजेता टीमों को प्रदान की ट्राफी

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने विजेता टीम को प्रदान की ट्रॉफी

आमोद का उद्घाटन करती गुडलाइफ हॉस्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 19 और 20 मार्च को दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव आमोद 2026 आयोजित हुआ। इसमें एसआरएमएस सीईटी ने 14 गोल्ड, 8 सिल्वर और 3 ब्रांज मेडल के साथ आमोद के चैंपियन होने की ट्राफी हासिल की। सभी स्पर्धाओं के विजेताओं खिलाड़ियों को एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी, सचिव आदित्य मूर्ति जी ने ट्राफी प्रदान की और पुरस्कृत किया।

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (एसआरएमएस सीईटी) स्थित फुटबाल ग्राउंड में 19 मार्च 2026 को गुड लाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति ने मशाल प्रज्वलित कर खेल शुरू होने की घोषणा की और विद्यार्थियों को खेलों की तरह हार-जीत से सीख लेकर स्वस्थ प्रतियोगिता के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। आमोद 2026 की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी दिव्यांशी सिंह ने सभी कालेजों के खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई और टूर्नामेंट आरंभ हो गया। इसके साथ ही कालेज में विभिन्न स्थानों पर फुटबाल, वालीबाल, बास्केटबाल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम के साथ एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं आरंभ हुई। इसमें एसआरएमएस ट्रस्ट संचालित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों सीईटी, सीईटीआर, मेडिकल, पैरामेडिकल, नर्सिंग के विद्यार्थियों ने बालक और बालिका वर्ग में हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में सीईटी के विद्यार्थियों के क्लब टायरो के प्रेसिडेंट स्वास्तिक ने सभी का स्वागत किया और आमोद 2026 की जानकारी दी। उन्होंने इसे खेल प्रतियोगिता से ज्यादा बताया और कहा कि यह अनुशासन, टीम वर्क, धैर्य, साहस, ऊर्जा, प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है। टायरो सेक्रेटरी प्राची शर्मा ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों और खिलाड़ियों को धन्यवाद दिया और आभार जताया। जबकि उद्घाटन समारोह का संचालन ट्रस्ट की इवेंट कोआर्डिनेटर सदफ रसूल ने किया। दो दिन के खेल के बाद पुरस्कार वितरण के साथ आमोद 2026 का समापन हुआ। सभी स्पर्धाओं में 14 गोल्ड, 8 सिल्वर और 3 ब्रांज मेडल सहित कुल 25 मेडल हासिल करने पर एसआरएमएस सीईटी को आमोद 2026 का चौंपियन घोषित किया गया। एसआरएमएस आईएमएस ने 11 गोल्ड, 15 सिल्वर और 3 ब्रांज मेडल हासिल किए। प्रतियोगिता में लंबी कूद स्पर्धा के बालिका वर्ग का रिजल्ट घोषित नहीं किया गया। इस अवसर पर देविशा मूर्ति, एसआरएमएस ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, आईपीएस की प्रिंसिपल डा. जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.मुथु महेश्वरी, मेडिकल कालेज के डा.एमएस बुटोला, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, फार्मेसी विभाग के डीन डा. अमित कुमार शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा. सौरभ गुप्ता, चीफ प्रॉक्टर इंजीनियर विवेक यादव, कोच नितिन सक्सेना, कोच अनुज शर्मा, कोच युसुफ अंसारी, कोच शंकरपाल मौजूद रहे।

आमोद 2026 के विजेता

100 मीटर (बायज)- प्रथम- सिद्धार्थ साहू (आईएमएस), **द्वितीय-** ओम अग्रवाल (सीईटी), **तृतीय-** अविनाश सिंह (आईबीएस)। **100 मीटर** (गर्ल्स)- **प्रथम-** अग्रिमा मिश्रा (सीईटी), **द्वितीय-** नियति (आईएमएस), **तृतीय-** अनन्य (सीईटीआर)। **200 मीटर** (बायज)- **प्रथम-** सिबत उर रहमान (सीईटी), **द्वितीय-** वात्सल्य जैन (आईएमएस), **तृतीय-** अश्विनी यादव (आईपीएस)। 200 मीटर (गर्ल्स)- **प्रथम-** अग्रिमा मिश्रा (सीईटी), **द्वितीय-** निधि (आईएमएस), **तृतीय-** अंकिता (सीईटीआर), **400 मीटर** (बायज)- **प्रथम-** आकाश मौर्य (सीईटी), **द्वितीय-** अचल मिश्रा (सीईटी), **तृतीय-** अर्नव सिंह (आईएमएस)। **400 मीटर** (गर्ल्स)- **प्रथम-** करीना यादव (नर्सिंग), **द्वितीय-** अनुष्का (आईपीएस), **तृतीय-** समृद्धि चौहान (आईएमएस)। **400 मीटर रिले** (बायज)- **प्रथम-** सीईटीआर, **द्वितीय-** आईएमएस, **तृतीय-** सीईटी, **400 मीटर रिले** (गर्ल्स)- **प्रथम-** आईएमएस, द्वितीय- आईपीएस, **तृतीय-** नर्सिंग। **लांग जंप** (बायज)- **प्रथम-** देवांश (सीईटीआर), **द्वितीय-** कृष (आईएमएस), **तृतीय-** हर्ष (सीईटी)। **लांग जंप** (गर्ल्स)- **प्रथम-** परमिता (आईएमएस), **द्वितीय-** कराइना (नर्सिंग)। **हाई जंप** (बायज)- **प्रथम-** देवांश मेहरा (सीईटीआर), **द्वितीय-** हिमांशु रनवा (आईएमएस), **तृतीय-** गोलू यादव (आईपीएस)। **हाई जंप** (गर्ल्स)- **प्रथम-** शिखा यादव (आईएमएस)। **शाट पुट** (बायज)- **प्रथम-** आदित्य सक्सेना (सीईटी), **द्वितीय-** पारुल कृष्णा (आईएमएस), **तृतीय-** मुनाजिर अली (सीईटीआर)। **शाट पुट** (गर्ल्स)- **प्रथम-** नेहा गुप्ता (आईएमएस), **द्वितीय-** अनुपम (नर्सिंग), **तृतीय-** श्रुति (सीईटी)। **डिस्कस थ्रो** (बायज)- **प्रथम-** अभिजीत (सीईटी), **द्वितीय-** मुहम्मद इबराक (सीईटीआर), **तृतीय-** आर्यन चौधरी (आईएमएस)। **डिस्कस थ्रो** (गर्ल्स)- **प्रथम-** आयुषि पांडेय (आईएमएस)। **बैडमिंटन** (बायज)- **प्रथम-** सीईटी, **द्वितीय-** आईएमएस। **बैडमिंटन** (गर्ल्स)- **प्रथम-** आईएमएस, **द्वितीय-** सीईटी। **बास्केटबाल** (बायज)- **प्रथम-** सीईटी, **द्वितीय-** आईएमएस। **बास्केटबाल** (गर्ल्स)- **प्रथम-** आईएमएस, **द्वितीय-** सीईटी। **फुटबाल** (बायज)- **प्रथम-** आईएमएस, **द्वितीय-** सीईटी। **चेस** (बायज)- **प्रथम-** आदित्य राज (आईएमएस), **द्वितीय-** दीपक शर्मा (सीईटी)। **चेस** (गर्ल्स)- **प्रथम-** खुशी भाटिया (सीईटी), **द्वितीय-** मानसी सेठी (आईएमएस)। **खोखो** (बायज)- **प्रथम-** सीईटीआर, **द्वितीय-** आईएमएस। **खोखो** (गर्ल्स)- **प्रथम-** सीईटी, **द्वितीय-** आईएमएस। **टेबल टेनिस** (बायज)- **प्रथम-** आईएमएस, **द्वितीय-** सीईटी। **टेबल टेनिस** (गर्ल्स)- **प्रथम-** सीईटी, **द्वितीय-** सीईटीआर। **वालीबाल** (बायज)- **प्रथम**-सीईटी, **द्वितीय-** आईएमएस। **वालीबाल** (गर्ल्स)- **प्रथम-** सीईटी, **द्वितीय-** आईएमएस। **कैरम** (बायज)- **प्रथम-** रकीब (सीईटीआर), **द्वितीय-** नैतिक (आईबीएस)। **कैरम** (गर्ल्स)- **प्रथम-** एंजेल (आईबीएस), **द्वितीय-** गौरी (सीईटी)। **कबड्डी** (बायज)- **प्रथम-** सीईटी, **द्वितीय-** आईबीएस। **कबड्डी** (गर्ल्स)- **प्रथम-** आईबीएस, **द्वितीय-** आईएमएस

की नजर...

एडीजी रमित शर्मा ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में किया कैंसर विजेताओं का सम्मान

महामारी के खिलाफ जिंदगी की उम्मीद हैं कैंसर विजेता

कैंसर विजेताओं को सम्मानित एडीजी रमित शर्मा एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी

- कैंसर विजेताओं ने सुनाए एसआरएमएस में इलाज के दौरान के अपने संस्करण
- दिया कैंसर के महामारी न होने की संदेश, कहा- घबराएं नहीं हिम्मत रखें और लड़ें
- नुक्कड़ नाटक के जरिये एमबीबीएस और पैरामेडिकल स्टूडेंट ने किया जागरूक

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट अश्वफ मेडिकल साइंसेज में चार फरवरी 2026 को विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर से जंग लड़कर और उसे मात देने वाले कैंसर विजेताओं को सम्मान किया गया। कैंसर विजेताओं ने बीमारी की जानकारी और इसके उपचार के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। सभी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मिले उपचार पर संतुष्टि जताई और यहां के डाक्टर और स्टाफ की सराहना की। एडीजी जोन रमित शर्मा ने कैंसर विजेताओं की हिम्मत को सराहा और उन्हें इस महामारी से पीड़ितों की जिंदगी की उम्मीद बताया। एमबीबीएस और पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए कैंसर जैसी बीमारी से जागरूक करने के साथ ही स्वस्थ भविष्य के लिए खराब जीवनशैली और असंतुलित आहार को छोड़ने का संदेश दिया। एडीजी ने कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

स्मृति चिहन

एडीजी रमित शर्मा

एडीजी जोन रमित शर्मा ने कहा कि कैंसर विजेताओं को सम्मानित कर हम खुद को सौभाग्यशाली समझते हैं। यह सब उन सभी लोगों के लिए उम्मीद की किरण हैं जिन्होंने इस बीमारी के कारण जीने की आशा छोड़ दी है। इन्हें देख कर कैंसर के लाइलाज होने का भ्रम जरूर टूटेगा और इस महामारी को हराने की हिम्मत बंधेगी। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी भयावह बीमारी को लड़कर हराने वाले ये योद्धा कैंसर से जूझ रहे लोगों के लिए बड़ी उम्मीद की तरह हैं। इनसे उम्मीद बनती है कि यह बीमारी लाइलाज नहीं। इससे पूरी तरह स्वस्थ हुआ जा सकता है। बस जरूरत इसके प्रति सजग और जागरूक रहने की है। उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कश्वलेज में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा आरंभ करने पर सभी को बधाई दी। अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए एडीजी ने कहा कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में थी। मेरा सपना ब्रेन फंक्शन को रिस्टोर करने पर रिसर्च का था। जिससे उन लोगों की जिंदगी कुछ सरल हो सके जिनका किसी कारण से अपने दिमाग पर नियंत्रण कम हो जाता है या याददाश्त कम हो जाती है। लेकिन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस में जाने के बाद इस पर काम नहीं हो पाया, लेकिन आज यह सपना सच है। आज मेटा (फेसबुक) आपके दिमाग को पढ़ कर उसी के अनुसार सूचनाएं भेजता है। एआई आज दिमाग को पढ़ कर रिएक्ट कर रहा है। सिर्फ दिमाग के जरिए काम करने वाले बायो ड्रोन बनाए जा रही हैं। एडीजी ने एमबीबीएस विद्यार्थियों से कहा कि कैंसर जैसी महामारी और अन्य बीमारियों से निजात दिलाने के लिए आप आज जो सपना देखेंगे और उस पर काम करेंगे वह जरूर पूरा होगा। सिर्फ इस ओर सोचने की जरूरत है। एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी कैंसर मरीजों की हिम्मत को सराहा और उन्होंने इस महामारी से बचाव के लिए दूसरों को जागरुक करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में एसआरएमएस हास्पिटल के स्थापित होने के बाद माती जी की याद में वर्ष 2007 में कैंसर इंस्टीट्यूट कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित किया गया। तब कैंसर का इलाज आसपास नहीं होता था, इसके लिए दिल्ली और लखनऊ जाना मरीजों की मजबूरी थी। आज यहां प्रति माह ढाई सौ से ज्यादा मरीजों का इलाज हो रहा है। सौ से ज्यादा मरीज कीमोथेरेपी के लिए पहुंच रहे हैं।

इससे पहले एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डा.पियूष कुमार अग्रवाल ने कैंसर, इससे बचाव के उपाय बताने के साथ सेंटर में उपलब्ध तकनीक और उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2007 में स्थापित इस कैंसर इंस्टीट्यूट को 19 वर्ष हो चुके हैं। इन

सम्मान

डॉ. पियूष कुमार

कैंसर विजेताओं का हुआ अभिनंदन

मोहम्मद नबील (28 वर्ष), मोहम्मदी (लखीमपुर), अस्मा (55 वर्ष), धौरा टांडा (बरेली), ब्रजपाल सिंह (79 वर्ष), शाहजहांपुर, महेश चंद्रा (62 वर्ष), बदायूं, मधु (65 वर्ष), हरदोई, अमरजीत कौर (63 वर्ष), बाजपुर (उत्तराखंड), सुशीला देवी (51 वर्ष), लखीमपुर, कमला देवी (46 वर्ष), गांव सिमायरा गौसिया (पीलीभीत), रामवती (58 वर्ष), इज्जतनगर, बरेली, लता शर्मा (49 वर्ष), बदायूं, हफीज अहमद (71 वर्ष), मोहनपुर (बरेली), मालती देवी (74 वर्ष), अल्मोड़ा (उत्तराखंड)

कैंसर परीक्षण कैंप में जांचों पर 15 फीसद छूट

एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डा.पियूष कुमार अग्रवाल कहते हैं कि 19 वर्ष से संचालित 100 बेड का यह डेडिकेटेड कैंसर अस्पताल विश्व स्तरीय कैंसर चिकित्सा के लिए उ.प्र. और उत्तराखंड का अग्रणी संस्थान है। यहां रेडिएशन आन्कोलाजी, मेडिकल आन्कोलाजी, सर्जिकल आन्कोलाजी, गायनी आन्कोलाजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, इंटरवेंशनल रेडियोलाजी, प्रिवेन्टिव आन्कोलाजी और पैलिएटिव केसर जैसी सुविधाएं एक ही छत के नीचे और वाजिब कीमत पर उपलब्ध हैं। इस वर्ष विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में यहां पर तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कैंसर विशेषज्ञों द्वारा लिखी जांचों पर 15 फीसद की छूट प्रदान की गई।

नुक्कड़ नाटक

वर्षों में यहां पर 45 हजार से अधिक कैंसर के मरीज परामर्श ले चुके हैं। इनमें 11 हजार से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी, साढ़े 11 हजार से ज्यादा कैंसर सर्जरी, 29 हजार से ज्यादा मरीजों की कीमोथेरेपी, साढ़े तीन हजार से ज्यादा मरीजों की ब्रेकीथैरेपी, साढ़े आठ हजार से ज्यादा पैट सीटी स्कैन किया जा चुका है। यह सेंटर रुहेलखंड रीजन और आसपास के इलाके में कैंसर के उपचार में बड़ा सेंटर बन चुका है। जहां उत्तराखंड, नेपाल तक से मरीज अपना इलाज कराने आते हैं। यहां सभी प्रकार के कैंसर की पहचान और इसका इलाज संभव है। हजारों मरीज यहां से स्वस्थ होकर सामान्य और कैंसर से बेखौफ जीवन बिता रहे हैं। इस मौके पर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, आईपीएस की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, डा.अरविंद सिंह चौहान, गायनी ओंको सर्जन कर्नल डा.मनोज कुमार टांगड़ी, डा.पवन मेहरोत्रा, डा.शुभांशु गुप्ता, प्राची उपाध्याय, डा.श्रीनिवास नायडू, डा.सिद्धांत सिंह, डा.अनिकेत, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष और आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट सेंटर का स्टाफ और टीम मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन डा.हिमांशी खट्टर ने किया।

मेडिकल कालेज में पहली वार्षिक ओंको लाजिक्स पैनल्स में कैंसर पर विमर्श

इलाज जरूरी, बचाव ज्यादा महत्वपूर्ण: देव मूर्ति

ओंको लाजिक्स पैनल्स में वर्क बुक का लोकार्पण करते डॉ. आर.एन. दत्ता, चेयरमैन देव मूर्ति जी व अन्य अतिथि

बरेली: देश के नामचीन कैंसर विशेषज्ञों ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में सेंट्रल नर्वस ट्यूमर, सिर और गर्दन के कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल के ऊपरी और नीचे के भाग के कैंसर, गाइनेकोलाजिकल कैंसर और पैलिएटिव केयर जैसे विषयों पर विमर्श किया। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के रेडियोथेरेपी विभागाध्यक्ष कैंसर विशेषज्ञ डा.आरएन दत्ता ने कैंसर पर व्याख्यान दिया और इसकी रोकथाम के उपायों के साथ इन्हें अपनाने पर ज्यादा जोर दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने बीमारी के इलाज के स्थान पर बीमारी से बचाव को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बचाव के लिए नियमित जांच जरूरी है। इससे कैंसर जैसी महामारी का भी पता लगाना संभव है और प्रारंभिक चरण में जानकारी होने पर इस महामारी को हराना पूरी तरह संभव है। उद्घाटन सत्र में सभी ने रेडिएशन ओंकोलाजी के पीजी विद्यार्थियों के लिए कैंसर से संबंधित सवालों के जवाब देने वाली प्ले वर्कबुक का भी लोकार्पण किया।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के रेडिएशन ओंकोलाजी विभाग की ओर से 22 फरवरी 2026 को पहली वार्षिक ओंको लाजिक्स पैनल्स का आयोजन हुआ। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के रेडियोथेरेपी विभागाध्यक्ष कैंसर विशेषज्ञ डा.आरएन दत्ता ने कैंसर पर अपने व्याख्यान में कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा के साथ इसकी रोकथाम के भी उपाय साझा किए। उद्घाटन सत्र में उन्होंने पहले ओंको लाजिक्स पैनल्स की सराहना की और इसे सीखने और सिखाने का बड़ा मंच बताया। कहा कि कैंसर जैसी तेजी से बढ़ती महामारी से निपटने के लिए आज से ही तैयारी और जागरूकता जरूरी है। इसके लिए इस तरह के कार्यक्रम मार्गदर्शन कर आज से ही भविष्य के कैंसर विशेषज्ञों को गढ़ने का काम करते हैं। लेकिन विशेषज्ञता और सफलता के लिए लीडरशिप जरूरी है और हम सौभाग्यशाली हैं कि यहां के विद्यार्थियों के सामने इसका प्रत्यक्ष उदाहरण देव मूर्ति जी के रूप में सामने है। जिनसे सीख कर हर क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी बीमारी का इलाज जरूरी बताया, लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण बीमारी से बचाव को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी को उसके होने से पहले ही रोकना, उससे बचाव करना ज्यादा अच्छी बात है। यह काम एसआरएमएस मेडिकल कालेज काफी समय से कर रहा है। हम गांव गांव जाकर हर घर की हेल्थ कुंडली बनवा रहे हैं। इससे पहले एसआरएमएस के आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर एवं कार्यक्रम के आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.पियूष कुमार ने सभी का स्वागत किया और पहले वार्षिक ओंको लाजिक्स पैनल्स के बारे में जानकारी दी। इसकी थीम टुडे वी मीट, टुमारो वी ग्रीड को समझाया। कहा कि भविष्य के कैंसर विशेषज्ञों को गढ़ने और उनका स्वागत करने के लिए यह ओंको लाजिक्स पैनल्स महत्वपूर्ण है। आज यहां पर देश के चुनिंदा संस्थानों के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों के साथ ही 34 मेडिकल कालेजों के 150 पीजी विद्यार्थी उपस्थित हैं। यह सभी भविष्य के कैंसर विशेषज्ञ हैं। इन्हें यहां सीखने का मौका मिल रहा है। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को तीन लाख की राशि वितरित की जा रही है। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एसएस बुटोला ने संस्थान के साथ ही आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. हिमांशी खट्टर ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा.दिव्यांशी बैजल ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, डा. निर्मल यादव, सभी विभागाध्यक्ष, पीजी विद्यार्थी और आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के फैकल्टी और स्टाफ मौजूद रहा।

देश के नामचीन कैंसर विशेषज्ञों ने की चर्चा

मस्तिष्क ट्यूमर में मोलिकुलर मार्कर्स की क्लीनिकल फैसिबिलिटी विषय पर पैनल में शामिल डा.सार्थक मिगलानी (मौलाना आजाद मेडिकल कालेज), डा.अदिति मिश्रा (केजीएमयू), डा.दिपंजन नंदी (बीएचयू), डा.नितिन अग्रवाल (एसआरएमएस), डा.मीशा गर्ग (एसआरएमएस) ने अपनी बात रखी। डा.नरेंद्र कुमार (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़) ने इनसे सवाल पूछे, जबकि केशव मोहन झा (एसआरएमएस), डा.शशांक शाह (एसआरएमएस) और डा. अरविंद चौहान (एसआरएमएस) चेयरपर्सन के रूप में और डा.लक्ष्मण पांडेय (आरएमसी बरेली), डा.अरुन कुमार वर्मा (सुभारती मेडिकल कालेज) जज के रूप में शामिल हुए। पैनल का संचालन डा.तनशी दलजीत (एमएएमसी) और डा.धीरज यादव (आरआर दिल्ली) ने किया।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ब्रेन ट्यूमर का शीघ्र निदान पर वर्कशाप

कम खर्च पर मेडिकल सुविधा देने का प्रयास: देव मूर्ति

एसजीपीजीआई के न्यूरो सर्जन डा.अवधेश जायसवाल ने किया लाइव आपरेशन

ब्रेन ट्यूमर वर्कशॉप में उपस्थित डॉ. अवधेश जायसवाल, चेयरमैन देव मूर्ति जी, डॉ. बुटोला, डॉ. केएम झा, डॉ. शशांक साह

- आपरेशन के बाद ब्रेन ट्यूमर से मुक्ति पाने वाले मरीजों ने किया सभी को जागरूक
- एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी मरीजों को सम्मानित किया

स्मृति चिह्न

डॉ. अवधेश जायसवाल

बरेली: मरीजों और उनके तीमारदारों को इलाज के बेवजह के खर्चो से मुक्ति दिलाना और अपने ही शहर में सर्वश्रेष्ठ उपचार देकर स्वस्थ करना एसआरएमएस मेडिकल कालेज का प्रयास रहा है। उपचार में सर्जन के साथ ही दूसरे विभागों का समन्वय और पूरी टीम की जरूरत होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यहां के सभी सुपरस्पेशियलिटी और अन्य विभाग एक साथ काम कर रहे हैं। यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ब्रेन ट्यूमर का शीघ्र निदान और उपचार विषय पर आयोजित वर्कशाप के उद्घाटन समारोह में कही। समारोह में अश्वपरेशन के बाद ब्रेन ट्यूमर से मुक्ति पाने वाले मरीजों ने ब्रेन ट्यूमर से न घबराने की सलाह दी और जागरूक किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने मरीजों को सम्मानित कर उन्हें बधाई दी। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के न्यूरो सर्जरी विभाग की ओर से 7 जून 2026 को ब्रेन ट्यूमर का शीघ्र निदान और उपचार विषय पर वर्कशाप आयोजित की गई। इसमें एसजीपीजीआई लखनऊ के न्यूरो सर्जन डा.अवधेश जायसवाल ने अपनी टीम के साथ पिट्यूटरी ग्रंथि में हुए नान कैंसर ट्यूमर के दबाव को कम करने के लिए पिट्यूटरी एडेनोमा डीकंप्रेशन सर्जरी की और उसके लाइव से संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ। न्यूरो सर्जन डा.अवधेश जायसवाल ने ब्रेन ट्यूमर से न घबराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह लाइलाज नहीं। आज एडवांस टेक्नोलाजी से इसकी जानकारी होना आसान हो गया है। समय से इसका पता चलने पर कैंसरयुक्त ट्यूमर का भी बिना रेडिएशन और कीमोथेरेपी से ही पूरी तरह उपचार संभव है। बस जागरूकता की जरूरत है। इससे संबंधित किसी भी तरह के लक्षण की अनदेखी न करें और समय समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच करवाते रहें। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के सर्जन डा.शशांक साह ने उद्घाटन समारोह में सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस पर इसके संबंध में जागरूकता ज्यादा जरूरी है। ब्रेन ट्यूमर जितना मरीज और उसके परिवार वालों के लिए परेशान करने वाली बात है उतना ही उसका उपचार करने वाले चिकित्सक के लिए भी। ब्रेन ट्यूमर होना चिंताजनक है। पहली बार ब्रेन ट्यूमर का सफल आपरेशन करीब डेढ़ सौ साल पहले 27 जुलाई 1879 में स्काटलैंड के सर्जन डा. विलियम मैकेवेन ने किया था। यह आपरेशन बिना किसी अत्याधुनिक टेक्नोलाजी के हुआ। अब तो अत्याधुनिक टेक्नोलाजी मौजूद है। ऐसे में अब ब्रेन ट्यूमर से घबराने की जरूरत नहीं। हां इसके लक्षणों का देरी से पता चलना और उसके बाद भी उनकी अनदेखी ठीक नहीं। ब्रेन ट्यूमर का मरीज जितनी जल्दी विशेषज्ञ न्यूरो सर्जन के पास जाता है, उतना ही उपचार और स्वस्थ होना आसान होता है। इसके इलाज में न्यूरो सर्जन के साथ ही रेडियोलाजिस्ट, एनेस्थेसिएसिस्ट, ओंकोलाजिस्ट के साथ ही अन्य विभागों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में मरीज को ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए ऐसे ही संस्थान में जाना चाहिए जहां पर यह सभी विभाग हों। डा.साह ने कहा कि हम सब का लक्ष्य ब्रेन ट्यूमर के आपरेशन करने के ज्यादा इसके प्रति लोगों को जागरुक करना और चिकित्सकों को अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी देना है। वर्कशाप में एसजीपीजीआई लखनऊ के न्यूरो सर्जन डा.अवधेश जायसवाल ने डा.अभिषेक शुक्ला और डा.विकास विश्वकर्मा के साथ ऐसे ही पिट्यूटरी एडेनोमा डीकंप्रेशन सर्जरी की और इसका लाइव प्रसारण कर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर के बड़े हो जाने पर ये आसपास की आप्टिक नसों पर दबाव डालते हैं। इससे दृष्टि हानि, धुंधलापन और सिरदर्द जैसी गंभीर समस्याएं हो जाती हैं। इसके उपचार के लिए पिट्यूटरी एडेनोमा डीकंप्रेशन सर्जरी की जाती है। आज ऐसे ही मरीज की एंडोस्कोपिक विधि से सर्जरी की गई। कार्यक्रम में सभी का स्वागत न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी प्रोफेसर (डा.) केएम झा ने किया और अंत में डा.प्रवीण त्रिपाठी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम का संचालन डा.अनु त्यागी ने किय। इस दौरान एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डा. शरत जौहरी, डीन पीजी डा. एसके सागर, डा. आरके महाजन, डा. सुधीर गुप्ता, डा. सतीश कुमार, डा. अमित खन्ना, डा. कमल जिंदल, डा. मनीष गुप्ता, सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मेडिकल एथिक्स और अच्छी क्लीनिकल प्रैक्टिस पर हुई सीएमई

मेडिकल एथिक्स और गुड प्रैक्टिस का ध्यान रखना जरूरी

मेडिकल एथिक्स में उपस्थित डॉ. दिनेश बद्याल, डॉ. आर.के. दीक्षित, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. जसविंदर सिंह

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 19 मार्च 2026 को मेडिकल एथिक्स और गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पर सीएमई हुई। इसमें मरीजों के उपचार में मेडिकल एथिक्स का ध्यान रखने के साथ ही गुड प्रैक्टिस का जिम्मेदारी के साथ पालन करने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने इसके लिए नियमों और जिम्मेदारियों की भी जानकारी दी। आनलाइन और आफलाइन मोड पर आयोजित इस हाइब्रिड सीएमई में बरेली परिक्षेत्र के मेडिकल कालेजों के चिकित्सक, पीजी स्टूडेंट शामिल हुए। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के मेडिकल एजुकेशन विभाग की ओर से आयोजित सीएमई में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईएमसी के नेशनल कन्वीनर एवं सीएमसी लुधियाना के प्रोफेसर (डा.) दिनेश बदयाल शामिल हुए। गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस एवं आईसीएच जीसीपी पर व्याख्यान देने के साथ ही उन्होंने क्लीनिकल ट्रायल में इंवेस्टीगेटर, स्पांसर और स्टडी टीम की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मरीजों के उपचार के लिए गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पर जोर दिया और इसे सफल चिकित्सक बनने की दिशा में पहला स्टेप बताया। एसीएमई और एमएचपीई के को- कंवीनर, मेडिकल एजूकेशन टीम के सक्रिय सदस्य एवं केजीएमयू के प्रोफेसर (डा.) आरके दीक्षित ने बायोएथिक्स के नियम, बायो मेडिकल एवं हेल्थ रिसर्च में मानव भागीदारी के संबंध में नेशनल इथिकल गाइडलाइंस, बायो मेडिकल एवं हेल्थ रिसर्च में बच्चों की भागीदारी के संबंध में नेशनल इथिकल गाइडलाइंस की विस्तृत चर्चा की। डा. दीक्षित ने बायोएथिक्स को मेडिकल प्रोफेशन का कोर बताया। कहा कि गुड क्लीनिकल एथिक्स में गुड व्यापक शब्द है। इसे मेडिकल प्रोफेशन में अपनाने के साथ ही जीवन में जरूरी है। सीएमई में रुहेलखंड मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल की डा.शालिनी चंद्रा ने नई दवाइयां और उनके क्लीनिकल ट्रायल, भारत में क्लीनिकल ट्रायल और रिसर्च के लिए वर्तमान में नियामक जरूरतें पर विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने सीएई रिपोर्टिंग और फार्माकोविजिलेंस लिंकेज पर भी चर्चा की। रुहेलखंड मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल की डा.सुजाता सिंह ने क्लीनिकल ट्रायल प्रोटोकाल्स, जरूरी दस्तावेजों का संग्रह, अभिलेखन और उनका रखरखाव पर व्याख्यान दिया। इससे पहले सीएमई का उद्घाटन सत्र दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ आरंभ हुआ। इसमें मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया और सीएमई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेडिकल एथिक्स और गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस के संबंध में पीजी विद्यार्थियों को जानकारी देने के संबंध में एनएमसी कोई दिशा निर्देश नहीं देता, लेकिन मरीजों के उपचार और श्रेष्ठ चिकित्सकों के निर्माण के लिए यह जरूरी है। इसलिए एसआरएमएस में मेडिकल एथिक्स और गुड मेडिकल प्रैक्टिस पर जोर दिया जाता है। आज की सीएमई का भी यही उद्देश्य है कि पीजी के विद्यार्थियों को इसकी जानकारी मिले और वह भविष्य में अच्छे चिकित्सक के रूप में समाज को स्वस्थ करने में अपना योगदान दें। मेडिकल एजूकेशन विभाग के कन्वीनर डा.जसविंदर सिंह ने रिसर्च के लिए मेडिकल एथिक्स ट्रेनिंग को जरूरी बताया और पीजी विद्यार्थियों को अपने प्रतिदिन के अभ्यास में इसे शामिल करने की सलाह दी। डा.आरपी सिंह ने उद्घाटन सत्र में आफलाइन और आनलाइन रूप में शामिल सभी चिकित्सकों, विद्यार्थियों और अतिथियों का आभार जताया और धन्यवाद दिया। उद्घाटन सत्र का संचालन मेडिकल एजूकेशन की को कंवीनर डा.संध्या चौहान ने किया। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, डा.मीनाक्षी जिंदल, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी पीजी विद्यार्थी मौजूद रहे।

डॉ. सुजाता सिंह सम्मानित

- सफल चिकित्सक के लिए गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पहला स्टेप: (डा.) दिनेश बदयाल
- गुड क्लीनिकल एथिक्स को मेडिकल प्रोफेशन में अपनाना जरूरी: डा. आरके दीक्षित

मेडिकल कालेज में पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट का आयोजन

बच्चों के इलाज विशेष सावधानी आवश्यक

एनेस्थीसिया अपडेट में उपस्थित डॉ.अंशु गप्ता, देव मूर्ति जी अन्य अतिथि

एनेस्थीसिया वर्कशॉप

बरेली: युवाओं और बुजुर्गो के मुकाबले दवाइयों और जांचों के प्रति बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं, ऐसे में उनके उपचार और आपरेशन में विशेष सावधानी आवश्यक है। यह तभी संभव है जब विशेषज्ञ चिकित्सकों को अत्याधुनिक उपकरणों के साथ ही इस क्षेत्र में हो रही रिसर्च की जानकारी मिलती रहे। यही जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आयोजित पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट 2026 में दी गई। चिकित्सकों के साथ ही डेलीगेट्स और रेजिडेंट इससे लाभान्वित हुए। एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित एनेस्थेसियोलाजी क्रिटिकल केयर एवं पेन मैनेजमेंट विभाग की ओर से 17 मई 2026 को एक दिवसीय पीडिया सेफ एनेस्थेसिया अपडेट का आयोजन हुआ। इसमें विशेषज्ञों चिकित्सकों के व्याख्यान के साथ ही वर्कशाप में में प्रैक्टिकल जानकारी दी गई। पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट 2026 के उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने डेलीगेट्स और रेजीडेंट को वर्कशाप में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज पीजी की डिग्रियां बिक रही हैं। जिन संस्थानों में इलाज के लिए मरीज ही नहीं पहुंचते, वहां से डिग्री लेकर चिकित्सक बनने से मरीजों का किस तरह भला हो सकता है, यह सोचने की बात है। लेकिन याद रहे सीखने की इच्छा ही सफलता के रास्ते पर ले जाती है और यह एसआरएमएस मेडिकल कालेज में लगातार हो रही कांफ्रेंस और वर्कशाप आपको सीखने का मौका मिलता है। ऐसे में अपने क्षेत्र से संबंधित जानकारी लेकर अपडेट होना और मरीजों को अच्छे से अच्छा उपचार देकर उन्हें स्वस्थ करना आवश्यक है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज दिल्ली के पीडियाट्रिक एवं निओनेटल विभाग की डायरेक्टर डा.अंशु गुप्ता और वर्कशाप डायरेक्टर के रूप में नोएडा स्थित यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के एनेस्थियोलाजी एवं पेन मेडिसिन विभाग के डायरेक्टर डा.अंशुमान मिश्रा ने वर्कशाप को सीखने का बड़ा मौका बताया। डा.अंशु ने कहा कि सभी आपरेशन में एनेस्थीसिया विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण होती है लेकिन बच्चों की सर्जरी में यह भूमिका और भी संदेवनशील हो जाती है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा सतर्क होना और अपडेट रहना जरूरी है। इससे पहले उद्घाटन समारोह में पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.गीता कार्की ने सभी का स्वागत किया और वर्कशाप की जरूरत को बताते हुए इसकी जानकारी दी। प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला ने संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी और वर्कशाप को सफल बताया। पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.दिव्या विजय ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उद्घाटन समारोह का संचालन डा.शुभ्रा कुमारी ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, डीन पीजी डा.एस. के सागर, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डा.ललित सिंह, डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डा.केएम झा, डा.ब्रजेश मेहरोत्रा, डा.मनोज कुमार टांगड़ी, एनेस्थीसिया विभाग के फैकल्टी सदस्य, रेजीडेंट्स और पीजी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बच्चों के बेहतर उपचार के लिए विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान

पीडिया सेफ एनेस्थेसिया अपडेट में लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज दिल्ली के पीडियाट्रिक एवं निओनेटल विभाग की डायरेक्टर डा.अंशु गुप्ता ने पीडियाट्रिक एयरवे शरीर रचना और चुनौतियां, नोएडा स्थित यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के एनेस्थियोलाजी एवं पेन मेडिसिन विभाग के डायरेक्टर डा.अंशुमान मिश्रा ने बच्चों में निचले अंगों और ट्रंकल में ब्लाक और नोएडा स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ चाइल्ड हेल्थ के प्रोफेसर (डा.) मुकुल कुमार जैन ने बच्चों में आपरेशन से पहले का आकलन और तैयारी विषय पर व्याख्यान दिया। बीएचयू की डा.रीना ने पीडियाट्रिक में फ्लूड थेरेपी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन, यथार्थ हास्पिटल की सीनियर कंसल्टेंट डा.शिप्रा सिंह ने बाल चिकित्सा में क्षेत्रीय एनेस्थीसिया - शरीर रचना विज्ञान और औषध विज्ञान, यहीं की कंसल्टेंट डा.जसमीत गिल ने बच्चों में एपिड्यूरल, स्पाइनल, काडल सेंट्रल न्यूरोक्सियल ब्लाक, सीनियर कंसल्टेंट डा.आशीष कुमार ने बच्चों में ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लाक और डा. अपूर्वा साधो ने पीडियाट्रिक इमरजेंसी में प्रबंधन विषय पर जानकारी दी।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में डिकोडिंग चाइल्डहुड 'अणु से आरोग्य तक' पर कार्यशाला

बीमारी से बचाव और जागरूकता स्वास्थ्य केंद्रों की जिम्मेदारी

दो दिवसीय पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल अपडेट कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दिया व्याख्यान

पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल अपडेट में उपस्थित डॉ. शुभ्रा फड़के, चेयरमैन देव मूर्ति, डॉ. वंदना नेगी व अन्य

बरेली: दूसरे देशों की तुलना में अभी हम बच्चों के इलाज काफी पीछे हैं। इसके लिए नवजात बच्चों की पूरी जांच न होना और उनकी अनदेखी भी एक बड़ा कारण है। नवजात बच्चों की मृत्यु दर कम करने और उन्हें उचित उपचार मुहैया करने में सरकार की भूमिका तो महत्वपूर्ण है ही, लेकिन इसमें मेडिकल कालेजों की जिम्मेदारी भी कम नहीं। बीमारी से बचाव के लिए नवजात बच्चों की पूरी जांच और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मेडिकल कालेजों को आगे आना चाहिए। यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दो दिवसीय पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल अपडेट कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि स्थापना के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने बीमारियों की रोकथाम पर फोकस किया। इसी के तहत नवजात बच्चों की संपूर्ण जांच सुनिश्चित की जाती है। उनके मां-बाप को इसकी जानकारी देकर उन्हें जागरूक भी किया जाता है।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज की ओर से अलखनंदा रिसोर्ट में 7-8 मार्च 2026 को दो दिवसीय पीडियाट्रिक एवं नियोनेटल अपडेट कार्यशाला हुई। पीडियाट्रिक्स एवं नियोनेटोलाजी विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में डिकोडिंग चाइल्डहुड 'अणु से आरोग्य तक' थीम पर अत्याधुनिक जनेटिक्स, पीडियाट्रिक्स और नियोनेटोलाजी से संबंधित विषयों पर देश के चुनिंदा बाल रोग विशेषज्ञों ने विमर्श किया और व्याख्यान दिए। एसजीपीजीआई की पूर्व विभागाध्यक्ष डा.शुभा फड़के ने मालिक्यूलर मेडिसिन युग में बदलते निदान के प्रतिमान विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जेनेटिक मेडिसिन और मालिक्यूलर मेडिसिन को इलाज में महत्वपूर्ण बताया और इसके इस्तेमाल से सभी के बेहतर इलाज का जिक्र किया। विशेषकर नवजात बच्चों से संबंधित बीमारियों के उपचार में जेनेटिक मेडिसिन और मालिक्यूलर मेडिसिन की मदद लेने की सलाह दी। इससे नवजात बच्चों की मृत्यु दर काफी हद तक कम होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बीमारी का इलाज महत्वपूर्ण है लेकिन उससे ज्यादा हम सबका ध्यान बीमारी की रोकथाम पर होना जरूरी है। तभी हम स्वस्थ समाज का निर्माण करने में सक्षम होंगे। इसके लिए एमबीबीएस से ही जेनेटिक मेडिसिन और मालिक्यूलर मेडिसिन की जानकारी देना भविष्य के फायदेमंद साबित होगा।

इससे पहले कार्यशाला की आर्गनाइजिंग को चेयरपर्सन ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डा.वंदना नेगी ने अतिथियों सहित कार्यशाला में शामिल होने पहुंचे सभी लोगों का स्वागत किया और कार्यशाला की थीम की जानकारी दी। उन्होंने वर्कशाप के जरिये चिकित्सकों की प्रैक्टिस और रिसर्च के बीच के गैप को दूर करने का प्रयास बताया। कहा कि बच्चों को बीमारियों से दूर रखने और उनके स्वास्थ्य के लिए इस तरह की वर्कशाप जरूरी हैं। कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत) डा.एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियों की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र के अंत में कार्यशाला के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. अतुल कुमार ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा. अर्चिता द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डा.प्रेम कुमार, कार्यशाला की आर्गनाइजिंग को चेयरपर्सन डा.संध्या चौहान, को सेक्रेटरी डा.गुंजन अग्रवाल और डा.अर्चिता द्विवेदी, साइंटिफिक सेक्रेटरी डा.सुरभि चंद्रा, ट्रेजरार डा.अमृत अग्रवाल एवं रूबी अहलावत, पीडियाट्रिक एवं नियोनेटोलाजी विभाग के सभी चिकित्सक व स्टाफ, सभी विभागाध्यक्ष, इंटर्न, पीजी एवं एमबीबीएस के विद्यार्थी मौजूद रहे।

बच्चों से संबंधित बीमारियों पर दिया व्याख्यान

कार्यशाला में कर्नल डा. राहुल सिन्हा ने बच्चों में मिर्गी के दौरे की वर्तमान स्थिति, कर्नल डा.आराधना द्विवेदी ने नियोनेटल जेनोमिक्स का नवजात के आरंभिक उपचार पर प्रभाव एवं क्लीनिकल प्रैक्टिस में एमपीएस टू का डायग्नोसिस, डा. सफल मोहम्मद ने आनुवांशिक हीमोलिटिक एनीमिया की जेनेटिक, कर्नल डा. पुनीत सिंह ने आरटीए एवं ट्यूबलर डिसआर्डर एवं उनके जेनेटिक्स, कर्नल डा.आशीष सिमाल्ती ने पीआईसीयू के पर्सनलाइज केस में गंभीर इंफेक्शन एवं सेप्सिस पर व्याख्यान दिया। डा. विवेक कुमार ने बच्चों में हेरिटेबल कार्डियोवैस्कुलर डिजीज की जेनेटिक्स टेस्टिंग, डा.शालिनी त्रिपाठी ने रेयर जेनेटिक डिजीज 'पेंडोराज बाक्स' पर केस प्रेजेंटेशन दिया। डा.प्रज्ञा काफिले ने लाइसोसोमस स्टोरेज डिसआर्डर एवं गौचर डिजीज के बारे में व्याख्यान दिया।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हुआ बरेली रिवीजन आर्थोप्लास्टी सिंपोजियम

मरीजों को जल्द मिलेगी एयर एंबुलेंस की सुविधा: देव मूर्ति

सीईटी में विदाई समारोह में 2025 की उपलब्धियों के लिए सम्मानित शिक्षक और विद्यार्थी

- विधायक डा.राघवेंद्र शर्मा ने दिया काम करने और मुश्किलों में हार न मानने का संदेश
- बरेली आर्थोपैडिक एसोसिएशन की ओर से हुआ दो दिवसीय आर्थोप्लास्टी सिंपोजियम
- आठ सत्रों में चुनिंदा विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान में दी विस्तृत जानकारी

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बरेली आर्थोपैडिक एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय बरेली रिवीजन आर्थोप्लास्टी सिंपोजियम (28 फरवरी एक मार्च 2026) आयोजित हुआ। इसमें रिवीजन टेक्निक्स पर विमर्श, वीडियो के माध्यम से आपरेशन की नई तकनीक की जानकारी, घुटने और कूल्हे की रिवीजन आर्थोप्लास्टी में बुनियादी बातों के साथ अश्वपरेशन के महत्वपूर्ण प्वाइंट्स का चरण दर चरण वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। देश के चुनिंदा आर्थोपैडिक चिकित्सकों ने आठ सत्रों में अपने अपने विषय की विस्तृत जानकारी दी। इंडियन आर्थोप्लास्टी एसोसिएशन (आईओए) की थीम सभी हड्डियां और जोड़ सुरक्षित हाथों में और यूपी आर्थोप्लास्टी एसोसिएशन (यूपीओए) की थीम बेहतर देखभाल के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का समन्वय के अनुसार हुए इस सिंपोजियम के उद्घाटन सत्र में आर्थोपैडिक सर्जन एवं बिथरी चौनपुर के विधायक डा.राघवेंद्र शर्मा ने बढ़ते हादसों पर चिंता जताई और उन्हें रोकने के लिए जागरूकता और सही विधि से उपचार पर जोर दिया। उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज से अपने करियर आरंभ होने करने का जिक्र किया और आरंभिक कम संसाधनों से निकल कर आज बड़े ब्रांड में परिवर्तित होने वाले एसआरएमएस मेडिकल कालेज की सफलता के लिए ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति को श्रेय दिया। यहां आने को घर आने जैसी खुशी महसूस करने की बात कह कर उन्होंने कहा कि यहां से सभी को सीखना चाहिए। सीमित संसाधनों का सही इस्तेमाल और मुश्किलों में भी पश्वजिटिव रह कर काम कर सफलता तक पहुंचना यहां से सीखा जा सकता है। इंडियन आर्थोपैडिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि डा.उत्तम गर्ग ने सिंपोजियम की सराहना की और इसे सीखने और सिखाने का बड़ा मंच बताया। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सिंपोजियम के कांसेप्ट की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी काम की सफलता में रिवीजन सबसे जरूरी हिस्सा होता है। रिवीजन से ही बाधाओं के बारे में जानकारी मिलती है। जो उसी के अनुरूप रणनीति बनाने तय करने में मदद देती है। देव मूर्ति जी ने जल्द ही मरीजों के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एयर एंबुलेंस सेवा आरंभ होने की बात कही। साथ ही मेडिकल कालेज में लेबल वन का ट्रामा सेंटर स्थापित किए जाने की भी घोषणा की। उन्होंने बीमारी के उपचार के साथ ही बीमारी के प्रति जागरुक करने और बीमारी होने से पहले ही उपचार पर जोर दिया। कहा कि ऐसा तभी हो सकता है जब हम अपनी स्किल में लगातार सुधार करें और इंफेक्शन रेट को कम से कम करने का प्रयास करें। यही रिवीजन आर्थोप्लास्टी सिंपोजियम का भी संदेश है। इससे पहले उद्घाटन सत्र में बरेली आर्थोपैडिक एसोसिएशन के प्रेसिडेंट एवं सिंपोजियम के आर्गनाइजिंग चेयरमैन डा.संजय गुप्ता ने सिंपोजियम के विषय में सभी को बताया। कहा कि यह सही सर्जिकल फैसले लेने को और बढ़ाएगा। कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियों का जिक्र किया। सिंपोजियम के कोआर्गनाइजिंग चेयरमैन एवं यूपीओए के वाइस प्रेसिडेंट डा.विनोद पागरानी ने बरेली आर्थोपैडिक एसोसिएशन को ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज का सहयोग मिलने पर आभार जताया। कार्यक्रम के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.ध्रुव गोयल ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डा.राहुल वर्मा ने किया। इस मौके पर मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डा.आरबी कालिया (ऋषिकेश), डा.एसएस मोहंती, डा.सिद्धार्थ एम शाह, डा.जतिन तलवार, डा.सुजीत के त्रिपाठी, डा.अजीत सिंह, डा.प्रेम गुप्ता, डा.जफर इस्राइल, डा.बीएस मूर्ति, डा.संजय श्रीवास्तव, डा.आर जी शर्मा, डा.जीआर गंगवार, डा.वरुण अग्रवाल, डा.मनोज हीरानी, डा.निकुंज गोयल और अन्य आर्थोपेडिक चिकित्सक मौजूद रहे।

सम्बोधन

एसआरएमएस सीईटी में तीन दिवसीय हैकाथान 4.0 का शानदार आयोजन

सीईटीआर की टीम सेमीकालन सर्वाइवर्स को पहला स्थान

डिग्री से ज्यादा स्किल जरूरी, प्रतियोगिताओं से निखरती है स्किल देव मूर्ति

हैकाथॉन 4.0 में विजेता प्रतिभागी

- विजेता सीईटीआर की टीम को मिला 41000 रुपये के नकद पुरस्कार, मेडल और सर्टिफिकेट
- सीईटी की टीम इलेक्ट्रो इंफिनिटी को दूसरा, सीईटी की ही टीम टेक टोर्नेडो को तीसरा स्थान
- दूसरे स्थान के लिए 21000 रुपये, तीसरे स्थान के लिए 11000 रुपये का नकद पुरस्कार
- अगले वर्ष से बढ़ेगी हैकाथान की इनामी राशि, प्रतियोगी टीमों की संख्या भी बढ़ेगी
- हैकाथान 4.0 में हिस्सा लेने सीईटी पहुंचीं छह राज्यों के 205 प्रतिभागियों की 60 टीमें

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी (एसआरएमएस सीईटी) में 02 से 04 अप्रैल 2026 के बीच तीन दिवसीय हैकाथान 4.0 का शानदार आयोजन हुआ। इसमें सीईटीआर की टीम सेमीकालन सर्वाइवर्स पहले स्थान पर रही, टीम को 41000 रुपये के नकद पुरस्कार के साथ ही मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। दूसरे स्थान पर सीईटी की टीम इलेक्ट्रो इंफिनिटी रही। उसे 21000 रुपये के नकद पुरस्कार के साथ मेडल और सर्टिफिकेट दिया गया। सीईटी की टीम टेक टोर्नेडो ने तीसरा स्थान पाया। उसे 11000 रुपये के नकद पुरस्कार के साथ मेडल एवं सर्टिफिकेट दिया गया। हैकाथश्वन में सीईटी की छात्राओं की टीम को पांच हजार रुपये का विशेष पुरस्कार दिया गया।

सम्बोधन

चेयरमैन श्री देव मूर्ति

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 2 अप्रैल को फीता काट कर हैकाथान 4.0 का उद्घाटन किया और इसके आरंभ होने की घोषणा की। प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देने के बाद उन्होंने स्किल पर जोर दिया। कहा कि आज डिग्री से ज्यादा स्किल जरूरी है और ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को अपनी स्किल अपडेट करने और प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। देव मूर्ति जी ने एक लाख रुपये की इनामी राशि वाले हैकाथश्वन 4.0 में पहले स्थान पर रहने वाली टीम के लिए इनामी राशि बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले स्थान पर रहने वाली टीम को 31 हजार के बजाय इस बार 41 हजार रुपये दिए जाएंगे। अगले वर्ष से प्रतियोगिता की राशि एक लाख रुपये से बढ़ाई जाएगी। देव मूर्ति जी ने प्रतियोगियों को स्किल पर फोकस करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में स्किल पर फोकस न होना आज चिंता का विषय बन गया है। बीटेक और एमटेक करने के बाद भी युवाओं को आज नौकरी नहीं मिलती। इसकी वजह स्किल न होना है। ज्यादातर संस्थान भी स्किल डेवलपमेंट को वरीयता देने के बजाय सिर्फ डिग्री बेचने में लगे हैं। विद्यार्थियों की गुरु से ज्यादा गूगल पर निर्भरता भी इसकी एक बड़ी वजह है। डिग्री अर्न करने के बजाय डिग्री खरीदी जा रही है। यह चिंताजनक स्थिति है। ऐसे में स्किल बढ़ाना जरूरी है। स्किल की ही डिमांड है। ऐसी प्रतियोगिताएं स्किल को निखारने का काम करती हैं। ऐसे में जीत और हार की चिंता छोड़कर प्रतियोगिताओं में शामिल होना ही अपने आप में महत्वपूर्ण है। आप सब पढ़ने पर ध्यान दें और हमेशा दिमाग को एक्टिव रखें और स्किल के माध्यम से इसका इस्तेमाल करते रहें। श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (एसआरएमएस सीईटी) के प्रिंसिपल, प्रेसिडेंट आईआईसी एवं हैकाथश्वन 4.0 के इवेंट डायरेक्टर डा.प्रभाकर गुप्ता ने कहा कि कालेज के टेक एज सेल द्वारा आयोजित हैकाथान 4.0 में इस बार तमिलनाडु, हैदराबाद, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली-एनसीआर के कोयंबटूर, इरोड, हैदराबाद, जबलपुर, हरिद्वार, हल्द्वानी, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, मुरादाबाद और बरेली शहरों में संचालित इंजीनियरिंग कालेजों की 60 टीमें शामिल हो रही हैं। तीन दिन गहनता से काम करने बाद सभी टीमों की ओर से हैकाथान 4.0 के अंतिम दिन 04 अप्रैल 2026 को शिक्षाविदों और नवप्रवर्तकों सहित निर्णायकों के पैनल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। शिक्षाविद एवं उद्योग विशेषज्ञों के साथ ही निर्णायक मंडल में एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज के पूर्व छात्र कैपजेमिनी के वरिष्ठ सलाहकार अंकित पटेल और हैशेडिन बाय डेलाइट के आर्किटेक्ट कृष्णा भासिन भी शामिल रहे। सभी ने

1

2

3

विशेष पुरस्कार

दूसरे दिन प्रोटोटाइप विकास एवं विशेषज्ञ व्याख्यान के नाम

हैकाथान 4.0 का दूसरा दिन पूर्णत: प्रोटोटाइप विकास को समर्पित रहा। इस दिन प्रतिभागी टीमों ने अपने विचारों को संशोधित करने, तकनीकी चुनौतियों का समाधान खोजने तथा व्यावहारिक एवं उपयोगी माडल विकसित करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी एवं एसआरएमएस सीईटी के प्राचार्य डा. प्रभाकर गुप्ता ने हैकाथान एरिना का निरीक्षण किया तथा प्रतिभागी टीमों को प्रोत्साहित करने के साथ उनके नवाचारों की सराहना की। दूसरे दिन के विशेष सत्र में लीगल कंसल्टेंट एवं उद्योग विशेषज्ञ सारांश शुक्ला ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने नवाचारों को कापीराइट एवं पेटेंट के माध्यम से सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया।

उद्योग विशेषज्ञ सारांश शुक्ला को स्मृति चिहन देती सीईटी की वाइस प्रिंसिपल डॉ. ऋतु सिंह

ये रहीं विजेता टीमें

प्रथम पुरस्कार (41,000 रुपये)- टीम सेमीकालन सर्वाइवर्स (सीईटीआर)

द्वितीय पुरस्कार (21,000 रुपये)- टीम इलेक्ट्रो इनफिनिटि (सीईटी)

तृतीय पुरस्कार (11,000 रुपये)- टीम टेक टोर्नेडो (सीईटी)

सांत्वना पुरस्कार (5,000 रुपये)-

द लाइफ सेवर्स (सीईटीआर)-एक्वासेंस (सीईटी), कंट्री साइटर (एमआईटी मुरादाबाद)

विशेष पुरस्कार (5,000 रुपये)- सिफर (सीईटी)

प्रोटोटाइप का अंतिम मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति एवं डा. प्रभाकर गुप्ता ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.मुत्थु महेश्वरी, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, सीईटी की वाइस प्रिंसिपल डा.ऋतु सिंह, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, फार्मेसी डायरेक्टर डा.अमित कुमार शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.सौरभ गुप्ता, कन्वीनर आईआईसी इं. आशीष अग्रवाल, हैकाथान 4.0 के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सत्य देव, आयोजन सचिव इं. निपुण पांडे, इंजीनियर अश्विनी चौहान, मेडिकल कालेज स्थित पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक अंकित भारद्वाज तथा संस्थान के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र अंकित पटेल, सभी विभागाध्यक्ष और स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन इं. पारुल दीक्षित ने किया।

लखनऊ की आखिरी शाम

सुबह तो हर दिन की तरह ही हुई थी।
किसी माँ ने जल्दी उठकर अपने बच्चे के लिए नाश्ता बनाया था,
किसी पिता ने जाते- जाते कहा था,
मन लगाकर पढ़ना बेटा, एक दिन बड़ा आदमी बनना है।
वो बच्चे घर से निकले थे सपने लेकर...
किसी को अफसर बनना था
किसी को इंजीनियर
किसी को अपने माता-पिता की सारी परेशानियाँ दूर करनी थीं।
कौन जानता था कि किताबों के बीच बैठा वह कल,
इतनी जल्दी अतीत बन जाएगा।
जब आग ने अपना कहर बरपाया,
कुछ ही मिनटों में
हँसी, उम्मीदें और सपने
चीखों और धुएँ में बदल गए
माँ घर पर इंतजार करती रही,
रोटी ठंडी होती रही,
पिता बार-बार फोन मिलाते रहे,
पर जवाब कहीं खो गया।
कुछ घरों में अब भी कमरे वैसे ही रखे हैं,
किताबें मेज पर खुली हैं,
कापी में अधूरे नोट्स लिखे हैं,
दीवारों पर सपनों की सूची लगी है,
जो अब शायद कभी नहीं पहने जाएँगे।
इस हादसे में सिर्फ कुछ जिंदगिया नहीं गई,
बल्कि कई परिवारों के सपने,
उम्मीदें और खुशिया भी चली गई।
जरूरी है कि हम ऐसी व्यवस्था बनाएँ
जहाँ कोई माँ अपने बच्चे का इंतजार करते करते न रोए
कोई पिता अपने सपनों को यूँ टूटता न देखे,
और कोई छात्र अपने सपनों की कीमत अपनी जान देकर न चुकाए।

Tiya Jaiswal
BBA 2nd Year
SRMS IBS,
Lucknow

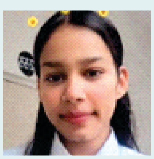

When Self-Love Became the Hardest Truth

I am ready to sacrifice everything,
If I can truly become a part of my own share.
I celebrate my birthdays alone,
Pretending there isn't a single tear.
I left pieces of myself in the past, Yet they still live quietly within me, year after year.
I lift myself up, only to pull myself down,
Trapped in a cycle I have yet to break.
Now love is the answer, Where I feel the most fear.
I contradict myself often, Yet the truth still lingers in the air.
I wake up trembling in the night,
Unsure of what I am still afraid to lose.
Emotions I cannot speak in words,
Quietly flow through silent tears.
There are many layers within me,
Many shades I am still learning to accept.
I was once called an outcast, But I am slowly learning to see my own worth.
I speak to myself in countless ways -
Through silence, struggle, and quiet hope.
I have been hired by my own ambitions, And fired by my own fears.
Confidence is my strength, And I am learning to show it without apology.
Misjudgments and past mistakes no longer define me, For I now understand that true love begins with accepting myself.
Though fear still lingers in the corners of my mind, I am learning that self-love is the only answer
That can finally set me free.

Mr. Sarvesh Pandey
Assistant Professor
SRMS IBS, Lucknow

Relevance of Vedas in Modern Management

The Vedas, among the oldest scriptures in the world, offer timeless wisdom that holds significant relevance in contemporary management practices. Rooted in principles of Dharma (ethical duty) and Karma (action), Vedic philosophy emphasizes integrity, self-discipline, and long-term vision - qualities essential for effective leadership today. One of the most valuable teachings comes from the concept of Nishkama Karma, which encourages individuals to perform their duties without excessive attachment to outcomes. This principle helps modern managers maintain emotional balance, make rational decisions, and reduce stress in high-pressure environments. Additionally, the Vedic emphasis on harmony, respect for all beings, and collective well-being aligns closely with today's focus on sustainable and people-centric management.

In an era dominated by rapid technological advancement and ethical challenges, the Vedas remind organizations to balance profit with purpose. By integrating ancient wisdom with modern strategies, businesses can foster ethical leadership, build trust among stakeholders, and create more resilient and value-driven organizations. Thus, the teachings of the Vedas continue to serve as a guiding force for meaningful and responsible management in the 21st century.

Saurabh Singh
MBA 1st Year
SRMS IBS, Lucknow

Beyond Gender Roles

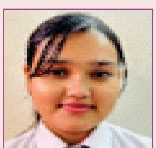

Maanya Singh
BBA 1st Year
SRMS IBS, Lucknow

Many people assume that patriarchy has affected only women, but that is not true. Patriarchy has harmed men as well. In our country we still live in a society where the way we live our lives is often used to judge our character. Girls are expected to be soft and caring, while boys are told to be strong, never cry, and always stay in control.

While women face inequality and unfair treatment, men are often judged for showing emotions or asking for help. As a result, both genders feel pressure to hide who they truly are. This is where feminism comes into the picture. Feminism is often misunderstood. It is not about making women superior to men. It is about giving everyone equal rights and respect. It teaches us that gender roles do not define a person. The stereotypes that have been built over the years through patriarchy should be challenged. Society must understand that feminism is not against men, it is against inequality.

Cyber security Challenges in the Digital Age

Have you ever paid attention to when you last changed your password? Or whether a link is actually safebefore you click it? Well, most of us don't really give it a thought. And that is the issue right there. We use the internet for everything today - paying bills, talking to friends, storing important information. Ithas made life so much easier. But at the same time, it has given access to those who wish to misuse that information.

Cybersecurity is about "keeping yourself safe online" and I assure you, it is way more important than mostpeople think. And we aren't just talking about large companies here. Hackers go after easy targets. Maybe youthat falls for a fake email which appear to be totally real. But the good news is, protecting yourself isn't as hard as you may think. Use strong passwords. Don't click onlinks you aren't sure about. Enable two-step login wherever you can. Small actions like these go a long way. Schools should be teaching this. Parents should be having these conversations at home. Because in the end,what will protect you the most is your own awareness. Be alert. Be safe.

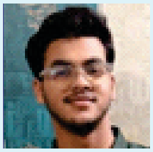

Shlok Modanwal
BCA 1st Year
SRMS IBS, Lucknow

The Man behind the Uniform

Ms. Tanu Dubey
Assistant Professor
SRMS IBS Lucknow

He doesn't just wear a uniform (reference: Indian Policeman) - he wears responsibility, stitched with sleepless nights and silent accountability.While the world finds comfort in peaceful rest,he walks through darkness, always giving his best. He leaves behind the warmth of family hands,the stories of home, the comfort of planned plans.His child may wait for a father who's never on time,yet he serves strangers, treating every life as a sacred sign. No one hears the battles he fights within,the exhaustion he hides, the pain beneath his skin.The storms he stands in are not only of rain and wind,but of loneliness where few understand the life he is pinned in.

And still he rises, every single day, choosing duty over everything life may say. A silent hero who asks for nothing in return - only peace for others, while inside, he continues to burn.

Women Empowerment: A Necessity for India's Workforce Development

Women's participation in the Indian workforce remains significantly low despite improvements in education and legal rights. Many women continue to face challenges such as gender bias, unequal pay, unsafe working environments, and limited opportunities for career advancement. Deep-rooted societal norms and lack of supportive infrastructure often force women to choose between their professional growth and family responsibilities. As a result, a large section of the female population remains either unemployed or underemployed, restricting both individual development and national progress. This situation highlights the urgent need to address structural and cultural barriers that prevent women from contributing equally to the economy.

Dr. Ankita Kumari
Assistant Professor,
SRMS IBS, Unnao

Empowering women in the workforce is essential for India's economic and social development. When women are given equal opportunities and representation in leadership roles, organizations benefit from diverse perspectives, improved innovation, and better decision-making. Increased participation of women can significantly contribute to the country's GDP and help build a more inclusive economy. Moreover, financially independent women lead to better education, health, and overall well-being of families, creating a positive impact on future generations. Therefore, women empowerment is not just a matter of social justice but a strategic necessity for sustainable national growth.

To achieve meaningful women empowerment, both organizations and the government must take concrete steps. This includes implementing fair recruitment policies, ensuring workplace safety, providing flexible work options, and promoting women to leadership positions. Awareness programs, skill development initiatives, and strict action against gender discrimination are equally important. True empowerment will only be possible when women are not just hired but are supported to grow, lead, and thrive in their professional journeys without facing systemic barriers.

ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट विभाग में वर्कशाप का आयोजन

सीईटी बरेली के ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से दो दिवसीय (09-10 मार्च 2026) वर्कशाप और तीन दिवसीय (30 मार्च से 01 अप्रैल 2026) वर्कशाप का आयोजन किया गया। पहली वर्कशाप में नेटकैम्प साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कोलकाता के डायरेक्टर शांतु पुकरेत ने एंड्राइड एवं एथिकल हैकिंग के बारे में विशेष जानकारी दी। जबकि दूसरी वर्कशाप में वोडावेल फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, बरेली के डायरेक्टर डा. प्रमित कुमार ने गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के बारे में बताया। वर्कशाप में इसमें प्रधानाचार्य डा. प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट के निदेशक डा. अनुज कुमार, डायरेक्टर फार्मेसी डा.अमित शर्मा मौजूद रहे।

विश्व योग दिवस

एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी शैक्षिक संस्थानों (एसआरएमएस सीईटी, सीईटीआर, नर्सिंग और मेडिकल कालेज) में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया गया

ज्येष्ठ के बड़े मंगल पर हुआ भंडारा

एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से इस वर्ष भी श्रीराधा कृष्ण मंदिर (बरेली), देवग्रीन लान (अर्जुनगंज, लखनऊ), एफआईएमसी (गोमतीनगर, लखनऊ) में ज्येष्ठ मास के सभी बड़े मंगल पर भंडारे का आयोजन हुआ

सीईटीआर में वार्षिक स्पोर्टस वीक स्पर्धा 2026: देवांश और दिवा दिओपा टूर्नामेंट बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एसआरएमएस सीईटीआर में स्टूडेन्ट क्लब 'वर्व' के सहयोग से बीटेक एवं नर्सिंग के छात्र छात्राओं के बीच उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ टीमवर्क, अनुशासन, फिटनेस और खेल भावना को बढावा देने हेतु वार्षिक स्पोर्टस वीक स्पर्धा 2026 का आयोजन 10 से 14 फरवरी 2026 के बीच हुआ। 10 फरवरी को ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा ने इसका उद्घाटन किया। इस स्पोर्टस् वीक में क्रिकेट, फुटबाल, वालीबाल, बैडमिंटन, बास्केटबाल, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, खो-खो और कबड्डी सहित विभिन्न प्रकार के इंडोर और आउटडोर खेल आयोजित हुए। इसमें बास्केटबाल ब्वायज में सीईटीआर (टीम बी) और गर्ल्स में सीईटीआर (टीम ए), वालीबाल ब्वायज में सीईटीआर और गर्ल्स में नर्सिंग, खोखो ब्वायज में सीईटीआर (टीम ए) और गर्ल्स में नर्सिंग, कबड्डी ब्वायज एवं गर्ल्स में नर्सिंग कालेज की टीम ने जीत हासिल की। क्रिकेट में सीईटीआर (टीम बी), बैडमिंटन ब्वायज में स्मिथ एलेन (नर्सिंग) और गर्ल्स में पलक (सीईटीआर), फुटबाल में सीईटीआर (टीम बी), टेबल टेनिस ब्वायज में साकेत एवं निर्देश (सीईटीआर) और गर्ल्स में दिव्या (सीईटीआर), शतरंज में अलफैज (नर्सिंग), कैरम में रकीब रजा एवं उदय यादव (नर्सिंग), 100 मीटर दौड़ ब्वायज में देवांश मेहता (सीईटीआर) और गर्ल्स में आन्या (सीईटीआर), शाटपुट ब्वायज में मुनाजिर अली (सीईटीआर) और गर्ल्स में अनुपम (नर्सिंग), जैवलिन थ्रो ब्वायज में अक्षय प्रताप (नर्सिंग) और गर्ल्स में अनुपम यादव (नर्सिंग), लांग जंप ब्वायज में देवांश मेहता (सीईटीआर) और गर्ल्स में करीना कुमारी (नर्सिंग), डिस्क थ्रो ब्वायज में सैयद मोहम्मद इदराक और गर्ल्स में साक्षी सारस्वत ने पहला स्थान हासिल किया। 14 फरवरी को खेल महोत्सव का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। स्पर्धा 2026 की विभिन्न स्पर्धाओं में सबसे अधिक पदक हासिल करने पर देवांश मेहरा और दिवा दिओपा को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। दोनों विशेष ट्राफियां भी दी गई। इस अवसर पर कालेज के डीन एकेडेमिक्स डा.शैलेश सक्सेना मौजूद रहे।

डर्मा विजन 2026 वर्कशाप का आयोजन

डर्मेटोलाजी विभाग की ओर से 18 अप्रैल 2026 को डर्मा विजन 2026 वर्कशाप का आयोजन हुआ। इसमें आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज में एडिशनल डायरेक्टर जनरल और बेस हास्पिटल कैंट, दिल्ली में कंसल्टेंट (डर्मेटोलाजी) मेजर जनरल (डा.) मानस चटर्जी ने डर्मेटोस्कोपी के नए अपडेट्स की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डर्मेटोस्कोपी से बिना किसी इनवेसिव तकनीक (शरीर के अंदर उपकरण डाले बिना) के त्वचा, नाखून और बालों की विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकेगा। वर्कशाप में वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज और रोहिलखंड हास्पिटल (बंथरा, शाहजहांपुर), रोहिलखंड मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल और राजश्री मेडिकल कालेज (बरेली) के 30 से ज्यादा डाक्टरों ने डर्मेटोस्कोपी का प्रैक्टिकल अनुभव लिया। इस अवसर पर रोहिलखंड डर्मेटोलाजिकल सोसाइटी के फैकल्टी डा. वीके चावला, डा. विजय गुप्ता, डा. आयुष अग्रवाल, डा. फहीम शमशी, डा. दीपक गंगवार और बरेली के सीनियर डर्मेटोलाजिस्ट व रोहिलखंड डर्मेटोलाजिकल सोसाइटी के सदस्यों ने भी डर्मेटोस्कोपी की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ली। वर्कशाप में डर्मेटोलाजी विभागाध्यक्ष डा.प्रतीक गहलौत, डा.मधुर कांत रस्तोगी सहित विभाग के सभी लोग मौजूद रहे।

चार्ट कंपटीशन आयोजित

मेडिकल कालेज में फार्माकोलाजी विभाग की ओर से 19 मार्च 2026 को चार्ट कंपटीशन हुआ। इसमें विजेता पुरस्कृत हुए

बरेली स्थित श्रीराममूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट आफ एलाइड एण्ड हेल्थ केयर साइसेज में 22 मई 2026 को तकनीकी कौशल प्रदर्शनी पैरा एक्सो 2026 आयोजित हुई। इसमें BOPTOM बैच 2024 के माडल Low Vision device को प्रथम पुरस्कार, BMRIT बैच 2024 के माडल Medi Cart and Radiation Armour को द्वितीय पुरस्कार और BMRIT बैच 2023 के माडल Pigg ^o* stat को तृतीय पुरस्कार मिला प्रतिभागियों को चेयरमैन देव मूर्ति जी और एलाइड एण्ड हैल्थ केयर कालेज की प्राचार्य डा.जसप्रीत कौर ने पुरस्कृत किया।

एलाइड एंड हैल्थ केयर साइंसेज में पैरा एक्सपो

निशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई

मेडिकल कालेज के कम्युनिटी विभाग ने वर्ल्ड हेल्थ डे पर 7 अप्रैल 2026 को एचपीवी वैक्सीन कैंप में 16 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों को निशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई।

नर्सिंग- अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

कालेज आफ नर्सिंग में 12 मई 2026 को अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस समारोह में रेडिएशन आन्कोलाजी वार्ड की स्टाफ नर्स रामजीत कौर को सर्वश्रेष्ठ नर्स पुरस्कार प्रदान किया गया।

गायनी वर्कशाप आयोजित

मेडिकल कालेज में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से 21 जून 2026 को आब्स्टेट्रिक्स अंडर स्केनर गायनी वर्कशाप आयोजित हुई

वर्ल्ड बाइपोलर डे पर जागरुकता

मेडिकल कालेज में मनोरोग विभाग की ओर से 25 मार्च 2026 को वर्ल्ड बाइपोलर डे पर क्विज और पोस्टर प्रतियोगिता के साथ नुक्कड़ नाटक से लोगों को जागरूक किया।

आईबीएस में 2026 बैच को दिल से दी यादगार विदाई

आईबीएस लखनऊ में 2026 बैच के विद्यार्थियों को विदाई देने के लिए 30 अप्रैल 2026 को दासविदानिया 4.0 का आयोजन हुआ। डीन एकेडमिक्स, प्रो. (डा.) तरुण सिंह गंगवार ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

भविष्य की कामयाबी के लिए युवा प्रतिभाओं को निखारना

आईबीएस में काम्पिटिटिव इवेंट 'IgniteX Junior' का आयोजन हुआ। इसमें कल्चरल इवेंट्स के साथ टेक्निकल चुनौतियों को सुलझाने के लिए भी स्पर्धाएं हुई। इसके साथ ही खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विजयी प्रतिभागियों को आईबीएस के सम्मानित डीन एकेडमिक्स डा. तरुण सिंह गंगवार, असिस्टेंट प्रोफेसर तनु दुबे और समता बहादुर ने सम्मानित किया।

आईबीएस में आईटी की दुनिया को बदलने वाले एआई ट्रेंड्स पर वर्कशाप

लखनऊ स्थित आईबीएस में 24 फरवरी 2026 को आईटी की दुनिया को बदलने वाले एआई ट्रेंड्स पर वर्कशाप आयोजित हुई। इसमें डिजी कोडर्स के जाने-माने इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स एवं इंजीनियर गोपाल सिंह और इंजीनियर वेद प्रकाश ने AI ट्रेंड्स और साइबर सिक्योरिटी, पायथन प्रोग्रामिंग और एथिकल हैकिंग पर जानकारी दी। आईबीएस के डीन एकेडमिक्स डा. तरुण सिंह गंगवार, बीसीए कोआर्डिनेटर डा. अभिनव श्रीवास्तव, रतनजीत सिंह और कार्पोरेट रिलेशंस के सीनियर मैनेजर राजेश कुमार सिंह मौजूद रहे।

आर्ट कंपटीशन में अनुष्का को प्रथम पुरस्कार

एसआरएमएस सीईटीआर में 19 मार्च, 2026 को ट्रस्ट स्तरीय आर्ट कंपटीशन का आयोजन हुआ। संस्थान में समृद्ध कला और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत अतुल्य भारत-अनेकता में एकता थीम पर आयोजित इस प्रतियोगिता विभिन्न संस्थानों लगभग 50 विद्यार्थी शामिल हुए। इसमें अनुष्का (एसआरएमएस सीईटी) ने प्रथम, प्रतिभा पाल (एसआरएमएस सीईटी) ने द्वितीय और अलीना बी (डीएचएम) ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। प्रथम सांत्वना पुरस्कार वैभव कुमार (जेएनएम) और द्वितीय पुरस्कार आस्था राजपूत (बीएससी नर्सिंग) को मिला। ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति जी एवं ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने विजेताओं को सर्टिफिकेट के साथ नकद पुरस्कार भी दिए। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट की देविशा मूर्ति, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, सीईटी के प्रधानाचार्य डा प्रभाकर गुप्ता, डायरेक्ट (टीडीपी) डा. अनुज कुमार मौजूद रहे।

सीईटी में दो दिवसीय हैंड्स-आन कार्यशाला आयोजित

सीईटी बरेली में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से 16-17 फरवरी को सीएडी प्रिंटिंग का परिचय विषय पर दो दिवसीय हैंड्स-आन कार्यशाला

आईबीएस में वसंत पंचमी का आयोजन

विश्व लैबोरेटरी दिवस

वर्ल्ड हेल्थ डे पर नर्सिंग में जागरुकता

आईबीएस में विद्यार्थियों ने खेली होली

Farewel 2026 CET, Bareilly All Branch

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1999 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कहानी

एक था गुलाटी

लेखक- अखलेश कुमार, पता- मोहल्ला इन्द्रानगर छिवरामऊ, कन्नौज

कुत्तों के भोंकने से वह डर जाती। भय का अंदेशा विराट होने लगता। घुटनों में दुबक जाती वह। उसे लगता कुत्तों के भौंकने से ही रात में भय प्रलब्ध हो रहा है। जैस कुत्ते न भौंके तो रात भयावह न हो। कुत्ते भी क्या? लम्बे! मोटे! पतले! खजहे! डूडू! भूरे! काले......। तमाम तरह के कुत्ते। जब भी जी चाहा भौंकना शुरू। इस गली से उस गली। उस नुक्कड़ से इस मैदान। सारी रात धमा-चौकड़ी। थकने लगते तो सभी मिल कर रोना आरम्भ कर देते। बड़े विचित्र होते वह क्षण। उस कुई-कोहराम में कितनी पीर होती? सब कुछ भूल जाती वह। कभी-कभी तो बच्चों की तरह सिसकने भी लगती। झूठ-मूठ नहीं? सच्चे आंसू निकलते। एक समय ऐसा भी आता जब कुत्तों का रूदन बौना होता चला जाता उसका व्यापक। वह अपने रूदन में घिर जाती। वह क्यों रोती जाती? यह तो वह कभी न जान पायी। बस आंसू निकलते जाते वह रोती जाती। आंसू क्यों निकलते? उसने कभी नहीं सोंचा सोचने की फुर्सत ही कहां मिलती? एक हूक सी उठती कहीं से। उस हूक का अता-पता तो आज तक नहीं मिला उसे। बचपन से सुनती आयी है कि कुत्तों को इन्हीं आंखों से यम दिख जाते हैं। जब कहीं कोई मरने वाला होता, तभी कुत्ते ज्यादा भौंकते। उस यम को देखकर अगर कभी गांव या आसपास में कोई मरता तो लगता इस रात तभी कुत्ते खूब भौंके थे। अगली रात उसके लिये बहुत बुरी होती। जरा-जरा सी आहट पर चौंक पड़ती। कुत्तों के भौंकते ही डरना शुरू कर देती। अंधेरे में तो हरगिज न जाती। कोई डांटे तो कान में तेल डालकर सुन लेती। इससे ज्यादा और क्या, कोई मार तो डालेगा नहीं? अंधेरे में दिल जरूर बैठ सकता है। रात कुत्तों का रोना प्रारम्भ होता तो उसके भी आंसू ढलके बिना न मानते। कहीं से किसी की गाढ़ी बीमारी की खबर मिलती तो सारी सारी रात रतजगा करती। उस रात जान पड़ता आज बहुत भौंक रहे हैं। कहीं यह कुत्ते ही तो यमराज को आगाह नहीं कर देते यहीं आ जाओ। किसी गांव से हर ले जाओ किसी के प्राण। कुत्तों से घृणा का यही एक कारण भी था उसका। उस मरियल खजहे कुत्ते को जरूर वह दूध पिला देती थी। अम्मा डांटती तब भी परवाह न करती। अगर भूले-भटके कोई दूसरा कुत्ता आ गया तो नैना के हाथों खैर नहीं। वैसे तो सारा दिन व्यस्त रहती वह, लेकिन सांझ ढलते ही सिमटने लगती। अपने अंदर। लगता माँ कुछ बात करें। कोई कहानी ही कहे ताकि कुत्तों की दहशत से ध्यान खिंचा रहे उसका। परन्तु कहां? उसे याद नहीं कि किसी रात अम्मा ने कहानी कही हो। कहानी कहने का ठेका तो दादा-दादी का होता है। सो वह तो बचपन में ही गुजर गये। अम्मा को तो मरने का भी वक्त नहीं मिलता। ऑफिस से लौटती तो रसोई में खटने लगतीं। बाकी समय टेलीवीजन में गुजर जाता। काम और टीवी साथ-साथ चलते। अम्मा को अगर घर में किसी चीज से मोह था तो बस टेलीवीजन से और तो सब निरर्थ ही था अम्मा के लिए। बाऊ जी से कहानी की उम्मीद ही व्यर्थ थी। उनको तो बोल सुने भी अरसा गुजर जाता। अम्मा कितनी भी खरी-खोटी कह लें, उनका मौन न टूटता। अम्मा को टुकुर-टुकुर ताकते भर रह जाते। ऐसे निरीह छण उसे बड़ी दया आती बाऊ जी पर। लेकिन अम्मा न पसीजती। बाऊ जी की इस गहन चुप्पी के बाद भी उसे स्मृति नहीं कि उन्होंने कभी उसकी मांग को नजरअंदाज किया हो। कुत्तों का रूदन बढ़ा तो अंतस में भय खदबदाने लगा रात गहरा रही थी। अम्मा को न लौटे आज दूसरा दिन था। डरते-डरते उसने कमरें की खिड़की बन्द कर देनी चाही। कुत्तों के शोर से निजात पाने की आशा में। यह खिड़की गली की ओर खुलती थी। कुत्तों का शोर भी इधर से ही कमरे में उतरता था। खिड़की बन्द करने के उपक्रम में सहसा ही एक नजर पलाश पर जा टिकी। देखरेख के अभाव में पेड़ पतझड़ हो गया था। बाऊ जी के हाथ का लगाया हुआ था यह पलाश। ज्यादा देर तक न देख सकी वह उस ओर। आंखें बन्द कर बिस्तर पर आ बैठी। बत्ती देर से गुल थी। आंख खोलती तो अंधेरे के कतरे कुत्तों में तब्दीलते लगते। कुत्तों का स्वर अब भी कमरे में टूट रहा था। वह असहाय हो गयी। कुत्तों के मर्मस्पर्शी कलाप से कैसे बचे वह? जल्द ही कोई उपाय न मिला तो हार्ट अटैक हुये बिना न बचेगा? असमंजस बिलख उठा। जब कुछ उपाय न सूझा तो वह कहानी कहने लगी। पर कौन सी कहानी कहें? वह सोच में पड़ गयी। कुछ न मिला तो अपना भोगा यथार्थ ही दोहराने लगी। तेज-तेज स्वर में। एक था गुलाटी। गुलाटी। आगे के शब्द साथ छोड़ गये। कभी कहानी सुनी हो तो प्रवाह मिले। विवशता के झंझावत घेरने लगे। कुत्तों के रोने की वेदना सीधा हृदय पर प्रहार करती प्रतीत होती। परेशान हाल वह फिर कश्य से तारतम्य जोड़ने लगी। एक था गुलाटी। गुलाटी माने मेरे बाऊजी। यह अलग बात कि अम्मा स्टैण्डर्ड से उन्हें जी दास कहतीं। उसके कॉलेज अभिलेखों में भी अम्मा ने बाऊ जी का यही नाम दर्ज कराया था। लेकिन उनका नाम गुलाटी ही था। बच्चों जैसी सरल बुद्धि के थे गुलाटी बाऊ जी। अम्मा तो उन्हें मन्दबुद्धि कहतीं। कहानी को धारा मिली तो

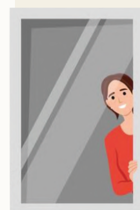

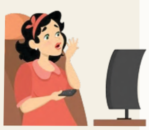

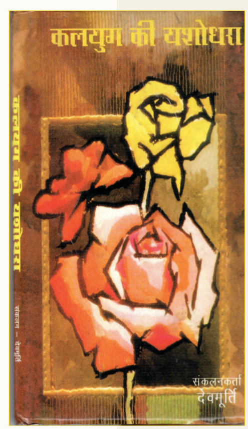

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1999 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कहानी

बढ़ने लगी। कुत्तों की ओर से ध्यान फारिग करने में उसका यह नुस्खा कारगर साबित हो रहा था। बतौर नुस्खे जिंदगी के जीवंत अनुभवों को कहानी की कीली पर गढ़ने की व्यस्तता वह भंग नहीं होने देना चाहती थी।

शायद यही दोष था बाऊ जी का, जिसे अंतिम समय तक भुगतते रहे थे वह। स्वर की पिच काफी ऊँची थी उसकी। मानों कोई पूरी ताकत से स्वयं से बात कर रहा हो। गलत भी क्या? सुनने के लिये दीवारों के सिवाय था भी कौन वहां? सच कहे तो उसे बाऊ जी और घर आते उस मरियल कुत्ते में कोई अंतर नहीं लगता। दोनों एक से दयनीय। बाऊ जी के लिये तो वह कुछ कर नहीं सकती। इसीलिए कुत्तों को जरूर रोटी डाल देती थी। अम्मा की नजर से बचकर। अम्मा देख ले तो खैर नहीं। अम्मा का कुफ्र बाऊ जी को लिथडने हमेशा आकुल रहता। उसने अम्मा को एक बार समझाने की कोशिश की, पर वह उल्टा ही बरस पड़ीं, क्या दिया है इस खूसट ने। पगलटे ने सारी जिंदगी नर्क कर दी। अम्मा की आंखें चू पड़ी थीं। उसी रोज उसने बाऊजी को एक बिल्डिंग में ईटें ढोते देखा था। कॉलेज से आ रही थी वह। जेठ की धूप थी, कुछ मजदूर गुलमोहर के नीचे आराम से बैठे तम्बाकू मल रहे थे। अचानक ही निगाह पड़ी थी उसकी। शायद बाऊ जी ने भी देख लिया था उसे। बेचारे अकेले ही काम पर लगे थे। दस–बारह ईटें सिर पर लादे बिल्डिंग के अहाते में डाल रहे थे वह। बाऊजी को काम की आदत थी यह जानती थी वह। हाथ का काम था। एक जगह छूटता तो दूसरी जगह जा पहुंचते। सीधेपन की वजह से दुत्कार तक दिये जाते। पैसे भी मारे जाते। लेकिन अगले दिन ही फिर काम ढूंढ लेते। हारी–बीमारी भी कभी घर न बैठे थे बाऊजी। यह सब वह अम्मा की सनक के कारण ही करते थे। जो भी लाते अम्मा की हथेली पर रख देते। अपने लिये एक धेला न बचाते। लेकिन अम्मा की भूख तब भी न मरती। कुढ़ती तो गरियाने लगतीं। बाऊजी को। एकदम प्रवाह में। बाऊजी चुप। यह सब तो रोजमर्रा की घटना ठहरी। लेकिन उस रात जरूर सो नहीं पायी थी वह। आंख लगती तो वनज लादे बाऊजी खड़े हो जाते। एक से एक ऐंगिल में। मन बार–बार बाऊजी के सीने से चिपटने को करता। किन्तु उम्र का तकाजा? घुटती रही वह। कुत्तों का भौकने के बीच–बीच रोना चरम पर था। आज की ही भांति। अम्मा देर रात की फिल्म देख रही थी। ऐसे क्षणों में किसी से वार्तालाप को तीव्र मन प्रबलता। कुछ न सही तो कहानी सुनने की आशा ही जाग पड़ती। कैसे भी करके मन बहले कुत्विक रूदन से? पर यह सब मुनासिब कहां? मन मारकर अम्मा के पास गयी। उस समय चेहरे पर कोई लेप लगा रही थी वह। आंखें टीवी स्क्रीन पर ठहरी थीं। वहां कोई मॉडल सौन्दर्य निखारने के टिप्स बता रही थी। अम्मा अनुसरण करती जाती। वह भावुकतावश वक्ष से चिपटी तो अम्मा झुंझला पड़ी लेप छुट जायेगा। वह वहीं रूक गयी। अम्मा को भी न जाने क्या धुन सवार है? अम्मा भी क्या करें? टेलीवीजन के जरिये बाजार ड्राइंगरूम में घुस आया है, महत्वकांक्षायें पोर–पोर उगने लगी हैं। चकाचौंध मे हर चीज गौड़ हो गयी। रिश्ते, नैतिकता सब, सिवाय उपभोक्तावाद की स्पर्धा को ढोने के। सभी शामिल हैं इस स्पर्धा में। अम्मा पीछे कैसे रहें? जिस दिन उनके ऑफिस में कोई नयी चाल की साड़ी पहन के आता, उस दिन वह घर में रूना–रहट मचा देतीं। बाऊजी को ऐसी कचोटती गालियां देतीं कि दीवारें तक शरमा जातीं। लेकिन बाऊजी न बोलते। बस। आसमान को ताकते रहते या उठकर बाहर बैठ जाते।

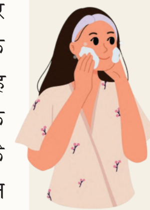

इस बीच कुत्ते एक बार गली से मैदान तक गये, फिर वापस लौट आये। उनका सामुदायिक रूदन सहसा कर्कश हो उठा था। नैना की कहानी जारी थी। कुत्तों की तुलना में स्वर और तेज हो गया। विज्ञापनों की दुनियों भी निरी अजीब है। साबुन से लेकर साड़ी तक एक झटके मे ड्राइंगरूम में पसर जाते। अनचाहे अजीबो–गरीब बाजार थिरक उठता। एक से एक आर्कषक उत्पाद। उत्पाद बेचते ताजे ग्लैम चेहरे। विश्वसुन्दरी मुस्कुराकर फरियाद करतीं, यह लो यह है आपके दांतों की सुरक्षा। चमकते दांत। झिलमिलाती हंसी। पेस्ट का जादू है या ऐश्वर्या राय की मुस्कुराहट का। सब गड्ड–बड्ड हो जाता। कुछ भी समझ में नहीं आता। सिवाय पेस्ट खरीदने के। फिर अगली कम्पनी का चेहरा। कोई मिस फेमिना अथवा मिस इंडिया। उसकी लेबिल चस्पी हंसी। नया पेस्ट। अलहदा खूबियां। सच भी हैं। ऐसे में कौन आशक्त न हो उत्पादों के लिये? अम्मा भी इंसान ही है। गलत। बाजार में टिकने के लिये अपना चैन तो नहीं बेच देता कोई? अम्मा को कौन कहे? पूरे बाजार को आंगन में उतारने की पैराइश उन्हें कहां ले जायेगी, भगवान ही जाने। बाजार? बाजार भी हुआ है कभी किसी का? बाजार का तो एक ही सिद्धान्त है–पैसा। जिसका पैसा उसी का बाजार। यह टीस है अम्मा की। बिन पैसे बाजार उन्हें दुत्कारता लगता। और वह बाजार की इस उपेक्षा का जिम्मेदार बाऊजी को ठहराती। एक तरह से बाऊजी आउट ऑफ डेट थे। कबाड़ में पड़े सामान की तरह। उस सामान से तो कभी लगाव भी रहा होगा लेकिन बाऊजी को यह भी नसीब नहीं हुआ। नियति तो नियति ठहरी। बाऊजी भी एक दिन स्टोर के कबाड़ की तरह बेकार हो गये। अचानक ही कहीं चले गये थे बाऊजी। न जाने कि अज्ञातवास पर? देर रात तक नहीं लौटे। अन्य दिनों तो वह रात नौ–दस बजते–बजते आ जाते थे। अम्मा सीरियल देख

शेष अगले अंक में...

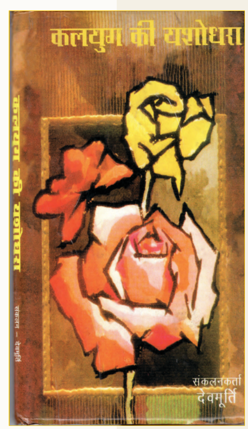

NEW EMPLOYEE

(Till June 2026)

Dr. Kumaraswamy Dabburu
Asso. Professor
Pharmocology Dept
P.hd. (Medical Pharmacology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Surabhi Shandilya
Asst. Professor
Derma, Venereology & Leprosy
MD (Dermatology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Manas Gupta
Asst. Professor
Paediatrics Dept
MD (Pediatrics)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Suyash Rastogi
Asst. Professor
Pathology Dept
MD (Pathology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Kush Mehrotra
Asst. Professor
General Medicine
DM (Cardiology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Disha Satya
Asst. Professor
General Medicine
DM (Clinical Haematology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Ambalika Singh
Asst. Professor
Oto-rhino-laryngology
MS (E.N.T.)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Mohd Fazalahmed Makki
Asst. Professor
Pharmocology
MD (Pharmacology)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Sushmita
Asst. Professor
Community Medicine
MD (SPM/ Comm. Medi.)
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Aman Waris Siddiqui
Asst. Professor
General Surgery
MS (General Surgery)
SRMS IMS, Bareilly

Mr. Suryansh Srivastava
Asst. Professor
Management
MBA
SRMS IBS, Unnao

PROMOTION

(Till Jan. 2026)

Dr. Amit Kumar Singh
Professor
Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Mohan Singh Deopa
Professor
Microbiology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Deepak Das
Professor
Physiology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Taukeer Ahmad
Associate Professor
Bio Chemistry
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Divya Vijay
Associate Professor
Aneshesia
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shubhangi Gupta
Associate Professor
Obs. & Gynaecology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Neeraj Kapoor
Associate Professor
General Medicine
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Tanmay Pant
Associate Professor
Management
SRMS IBS, Bareilly

Dr. Rashee Agarwal
Assistant Professor
Obs. & Gynaecology
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Ankur
Assistant Professor
Radio Diagnosis
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Shouvik Datta
Assistant Professor
General Medicine
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Dolly Singh
Assistant Professor
Aneshesia
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Pramod Kumar Tiwari
Assistant Professor
Aneshesia
SRMS IMS, Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में संबद्ध होने वाले सभी नए एवं पदोन्नत साथियों को **बधाई एवं शुभकामनाएं ...**

जील 2026 में स्टार आफ नाइट बने देवांश और आध्या

एसआरएमएस में एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने लिया सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम जील 2026 हुआ। विद्यार्थियों के कनेक्सस क्लब की ओर से आयोजित जील 2026 में देवांश और आध्या स्टार आफ द नाइट चुने गए। आक्रश प्रधान जील स्टार बने। विद्यार्थियों ने फैशन शो सहित आयोजन की विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और डीजे नाइट और बैंड की धुन पर देर रात तक झूमते रहे। स्पर्धाओं में विजेताओं को संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी, डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी और प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने प्रशस्ति पत्र और ट्राफी देकर पुरस्कृत किया। एसआरएमएमएस मेडिकल कालेज स्थित आडिटोरियम में संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 14 मार्च को जील 2026 के आरंभ होने की घोषणा की। इसके बाद दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक आयोजन जील 2026 का आगाज सरस्वती वंदना और संस्थान गीत से हुआ। देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होकर मानसिक विकास का संदेश दिया। दो दिवसीय आयोजन में देवांश और आध्या को जील 2026 का स्टार आफ द नाइट चुना गया, जबकि आक्रश प्रधान जील के स्टार बने। साक्षी निगम ने जील आइकन अवार्ड हासिल किया। श्रोमर हार्ड आफ जील बने। आयुषि, शिशिर और हर्षित बेस्ट क्रिएटिव माइंड चुने गए। रेवा, आयुष, वियोम, अविनाश, आदित्य, नंदिनी और कृष्णाक्षी पिलर आप द जील घोषित किए गए। आर्यन त्रिपाठी और वेदिका बेस्ट कोआर्डिनेटर रहे और बेस्ट इवेंट कोआर्डिनेटर श्रेया, केशव और वंश को चुना गया। गौरांश बेस्ट डांसर और प्रांजल एम को बेस्ट सिंगर घोषित किया गया। रुहल कृष्णा बेस्ट ड्रामेबाज और साक्षी, अमित और प्रांजल को आर्टिस्टिक विजन बनने का मौका मिला। बेस्ट पेयर यश और शाल्वी घोषित किए गए। जील 2026 में माइंडस्केप इवेंट, फाइन आर्ट्स, लिटरेरी इवेंट, मल्टी मीडिया इवेंट और कल्चरल इवेंट की स्पर्धाओं के पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर चुने गए प्रतिभागियों को ट्राफी, सर्टिफिकेट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण

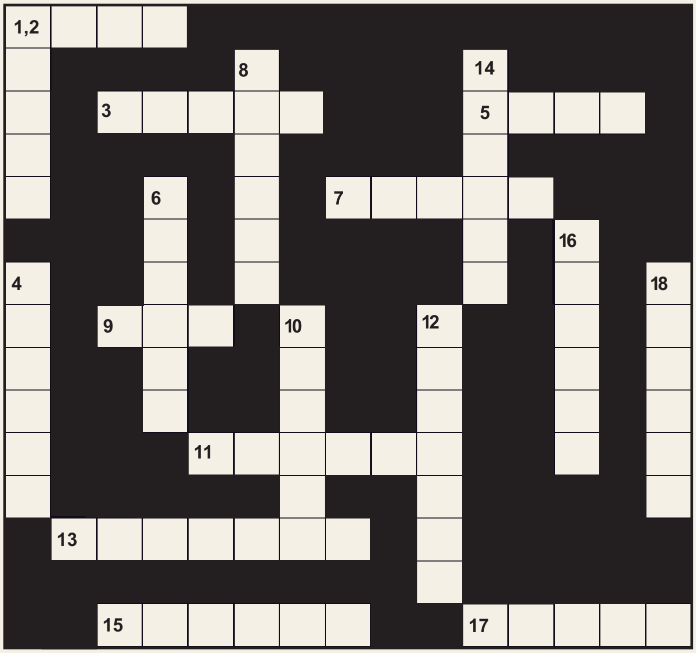

Crosswords No. 39

HORIZONTAL

1 Once the Peshwas' seat of power, this Maharashtra city is now called the "Oxford of the East" for its universities.
3 Chinese fishing nets still dip into the water at this Kerala port where explorer Vasco da Gama is buried.
5 Home to a white marble monument to love that took roughly 20,000 workers over a decade to finish.
7 India's capital is said to have been built and destroyed seven times over - the current city is the eighth.
9 India's smallest state by area, still tiled with Portuguese-era churches four centuries after the colonists arrived.
11 Originally seven separate islands, this financial capital was joined into one city through centuries of land reclamation.
13 Tamil Nadu's capital keeps one of the world's longest urban beaches and half of India's car industry running.
15 Rajasthan's capital was painted a single colour in 1876 to welcome a visiting British prince - the shade stuck for good.
17 Roughly nine out of ten diamonds sold anywhere on Earth pass through the polishing workshops of this Gujarat city.

VERTICAL

2 Bihar's capital sits on the Ganges atop the ruins of Pataliputra, once among the largest cities in the ancient world.
4 Jharkhand's capital, nicknamed the "City of Waterfalls," is also where a former Indian cricket captain grew up
6 Its Sarafa Bazaar turns into a bustling midnight food street, and the city has topped India's cleanliness rankings for years running.
8 Madhya Pradesh's "City of Lakes" is built around two adjoining lakes carved out nearly a thousand years ago.
10 This Himachal hill town served as the summer capital of British India, when the whole government moved uphill each year.
12 Rajasthan's "City of Lakes" floats a marble palace at its centre and is often nicknamed the Venice of the East.
14 This Maharashtra city hosts the Kumbh Mela once every twelve years and, less anciently, calls itself India's wine capital.
16 Its palace is strung with close to a hundred thousand bulbs and lit up every Sunday evening, a tradition tied to its royal Dasara.
18 A stone pillar marking the geographic centre of the country sits in this Maharashtra city, nicknamed for its citrus groves.

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 38

	5		3		2			
4		7		8				5
			1		4		7	
9		4		2		6		1
	2		7				4	
				4				7
5		9				1		
			4		8			2
	4			1		7		3

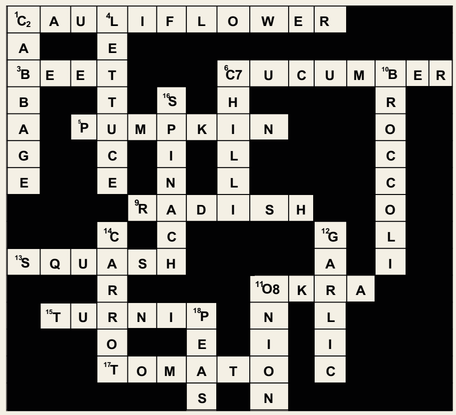

Answer: Crosswords No. 37

8	6	2	3	7	9	5	1	4
7	1	5	8	2	4	6	9	3
3	9	4	1	6	5	8	7	2
4	2	8	5	3	1	9	6	7
6	7	1	9	4	2	3	5	8
9	5	3	7	8	6	2	4	1
1	4	6	2	5	8	7	3	9
2	3	9	6	1	7	4	8	5
5	8	7	4	9	3	1	2	6

Answer: Soduko No. 37

NABH
NBA NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION

SRMS
SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST INDIA

Three Decades of Nurturing Minds, Healing Lives & Shaping Future-Ready Professionals since 1996...

NATIONAL EDUCATIONAL RANKINGS

- **11th Rank** - Top Private Medical Colleges in India - Outlook & NEB Research Survey 2025
- **21st Rank** - Top Private Medical Colleges in India - The Week, Hansa Research Survey 2025
- **37th Rank** - Best Medical Colleges in India (Govt. & Private) - India Today, MDRA Survey 2025
- **92nd Rank** - Top Private Engineering Colleges in India - Outlook, ICare Ranking 2025
- **127th Rank** - Best Private Engineering Colleges in India - India Today, MDRA Survey 2025

NATIONAL HOSPITAL RANKINGS

- **2nd Rank** - Best Multi-Speciality Hospitals in Uttar Pradesh (Other than NCR)
- **14th Rank** - Best Orthopaedic Hospitals in India
- **17th Rank** - Best Oncology Hospitals in India
- **21st Rank** - Best Interventional Cardiology Hospitals in India - Outlook & NEB Research Survey 2026
- **13th Rank** - Best Multi-Speciality Hospitals in North India - Outlook & NEB Research Survey 2025

HALLMARKS OF EXCELLENCE

- World class infrastructure with Centre of Excellence for Professional, Technical and Medical Education
- Stipend based Industry-sponsored projects for real time learning
- Congenial ecosystem for Startups & Entrepreneurship under SRMS Incubation Cell
- Research Promotion Schemes for students & faculty
- Industry Demanded Certification Courses to tune with recent technologies
- Hand Holding Initiatives for students
- MOU with UNGCNI for UN's Sustainable Goals
- MOU's with industries for placement & onsite training
- National & International conferences on recent technologies & trends
- Excellent placement & academic records
- Industry readiness through corporate & alumni mentoring
- Global Network of 19000+ Alumni
- Cultural, Sports & Technical Events
- World class sports infrastructure & academies

HAND HOLDING INITIATIVES

- Annual Scholarship worth ₹ 4 Cr. to meritorious students
- All India Talent Scholarship Scheme worth ₹ 50 lac for R & D
- Admission under Tuition Fee Waiver Scheme for full course
- Entry Level Scholarship upto ₹ 50000/-

Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly - Nainital Road, Bareilly - 243202 (UP)
admission@srms.ac.in | info@srmsims.ac.in (Medical) | www.srms.ac.in
9458702000, 9458701165 | 0581-2582031, 32, 33 (Medical)